CMYK

अधिकतम :23°C
न्यूनतम: 10°C
तापमान

सेंसेक्स 74,454.41
निफ्टी 22,553.35

सोना 88,935
चांदी 1,01,000

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, मंगलवार 25 फरवरी 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 205 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com माघ फाल्गुन पक्ष 11 विक्रमी सम्वत् 2081 26 शाबान 1446 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

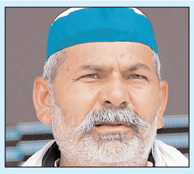

किसानों की जमीन छीनना चाहती है केंद्र सरकार: राकेश टिकैत

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

रोहित बोले- विराट को देश के लिए खेलना पंसद

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

महाकुंभ पर टिप्पणी को लेकर भड़के सीएम योगी

यूपी के मुख्यमंत्री बोले गिद्धों को लाशें नजर आती हैं, सनातन की सुंदरता नहीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

विपक्ष को जवाब देते हुए कहा महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसे वो मिला

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर टिप्पणी करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने महाकुंभ में अव्यवस्था और भगदड़ के मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा कि समाजवादियों और वामपंथियों को सनातन की सुंदरता रास नहीं आ रही है। उन्होंने एक सोशल मीडिया टिप्पणी के माध्यम से विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसे वो मिला। गिद्धों को केवल लाशें मिली। सुअरों को गंदगी मिली। संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली। आस्थावानों को पुण्य मिला। गरीबों को रोजगार मिला। अमीरों को धंधा मिला। श्रद्धालुओं को साफ-सुथरी व्यवस्था मिली। पर्यटकों को अव्यवस्था मिली। सद्भावना वाले लोगों को जातिरहित व्यवस्था मिली। एक ही स्थान पर सभी जाति के लोगों ने स्नान किया।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर किए जाने वाले प्रश्न समाजवादियों और वामपंथियों की नीयत को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की व्यवस्थाओं को मैंने खुद देखा है। सपा सरकार में हुए कुंभ में एक गैर सनातनी को कुंभ का प्रभारी बना दिया गया था, क्योंकि तब के मुख्यमंत्री के पास इसके लिए समय नहीं था। मुख्यमंत्री योगी ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा नेताओं के व्यवहार को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि ये लोग महापुरुषों के सम्मान की बात करते हैं, लेकिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा के लोगों का जो आचरण था वो बताता है कि वो संविधान के बारे में क्या सोचते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन के आयोजनों से यूपी को नई पहचान मिली है।

प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली है। प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। यही कारण है कि लाखों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं। हम लोगों ने संविधान की बात करते हैं। लोकतंत्र की बात करते हैं और अब तक 16 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा है जिससे कि 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। ये डबल इंजन की सरकार का ही परिणाम है कि आज दुनिया भर के देश यूपी में निवेश के लिए आ रहे हैं।

मुलायम के अपमान का आरोप सपा सदस्यों ने किया हंगामा

शाह टाइम्स ब्यूरो

- **कहा सत्ता पक्ष जानबूझकर मुद्दे से भड़काने का कर रहे प्रयास**

लखनऊ। उप्र विधानसभा में बजट सत्र के पांचवें दिन सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव के अपमान का आरोप लगाकर हंगामा किया।

दरअसल, स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सपा सदस्य समरपाल सिंह के एक सवाल का जवाब देने के दौरान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा वाले नेताजी की हर बात मानते हैं, तो क्या वो बात भी मानेंगे कि 'लड़कों से गलती हो जाती है।' इस बात पर सपा सदस्य अपनी सीट से खड़े हो गए और नारेबाजी करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उन्हें शांत रहने की अपील की मगर सपा सदस्य नारेबाजी करते हुए वेल पर धरने पर बैठ गए, जिसके बाद सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा अध्यक्ष ने श्री पाठक के बयान को विधानसभा की कार्यवाही से अलग करने का निर्देश दिया। इस बारे में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के सदस्य जानबूझ कर मुद्दे से हट कर कोई ऐसी बात करते हैं, जिससे विपक्ष भड़के और ऐसा सोमवार को भी हुआ जब उपमुख्यमंत्री ने जानबूझ कर नेता जी को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की।

विजेंद्र गुप्ता दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए

नई दिल्ली। विजेंद्र गुप्ता सोमवार को सर्वसम्मति से दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा अध्यक्ष के लिए भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता के नाम का प्रस्ताव किया, जिसका कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने समर्थन किया। अध्यक्ष के लिए दूसरा प्रस्ताव कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने किया, जिसका मंत्री प्रवेश वर्मा ने समर्थन किया। भाजपा विधायक कुलवंत राणा ने भी विजेंद्र गुप्ता के लिए अध्यक्ष पद के दोनों प्रस्तावों का समर्थन किया।

कश्मीर-उत्तराखंड में इस हफ्ते भारी बारिश की आशंका

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया है। हिमाचल प्रदेश के 4 जिलों चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में 26 और 27 फरवरी को बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में भी देखने को मिलेगा। इसके चलते पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में एक मार्च तक बारिश हो सकती है। हालांकि अधिकांश राज्यों में इस हफ्ते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में तापमान 6.1 डिग्री पहुंच गया। प्रदेश में हल्की सर्दी का दौर फिर आ गया है। दिन में ठंडी हवा चल रही है तो रातें सर्द हैं।

विधानसभा के सामने आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ। पुत्री की गुमशुदगी से आहत एक व्यक्ति ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा के सामने आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हजरतगंज क्षेत्र में विधानसभा के गेट नंबर पांच के पास सोमवार सुबह एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ पहुंचा और अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क कर आत्मदाह का प्रयास किया, जिसे वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने विफल कर दिया। उन्होंने बताया कि विधानसभा के गेट नंबर पांच के पास कानपुर जिले के बिल्हौर क्षेत्र निवासी वेद नारायण दुबे (56) अपनी पत्नी निर्मला (54) के साथ ज्वलनशील तरल पदार्थ लेकर आत्मदाह का प्रयास करने के लिए पहुंचे थे मगर वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों को रोक लिया। दंपत्ति को हजरतगंज थाने ले जाया गया। पूछताछ में पता चला है कि दंपति की पुत्री लापता है और पुलिस धारा 140 (1) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर रही है।

जयशंकर ने काजीरंगा में जंगल सफारी का आनंद लिया

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने सोमवार को असम में काजीरंगा राष्ट्रीय अभयारण्य में करीब 60 देशों के राजनयिकों के साथ जंगल सफारी का आनंद लिया और प्रकृति तथा वन्यजीव विविधता को निहारा।

सम्भल: सार्वजनिक संपत्ति पर है कुआं

यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की स्थिति रिपोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/सम्भल। यूपी सरकार ने सम्भल हिंसा मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस कुएं की बात हो रही है, वह मस्जिद के बाहर है और सार्वजनिक संपत्ति पर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि याचिकाकर्ता (शाही जामा मस्जिद समिति) ने भ्रामक तस्वीरों का उपयोग करते हुए स्थान को गलत तरीके से पेश किया, ताकि यह दिखाया जा सके कि विवादित कुआं मस्जिद के अंदर है। इससे पहले शाही जामा मस्जिद समिति ने एक आवेदन दायर किया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सभी तरह की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। मस्जिद समिति ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश सरकार क्षेत्र में प्राचीन कुओं को पुनर्जीवित करने के प्रयास में धार्मिक अनुष्ठान कर रही है और यह कुआं मस्जिद के अंदर है। मस्जिद ने यह भी कहा था कि इस तरह के प्रयासों से हिंसा भड़क सकती है। दरअसल, सम्भल की जामा मस्जिद को लेकर हिन्दू संगठनों ने दावा किया था कि यह हरिहर मंदिर है। इसके बाद मस्जिद में एएसआई सर्वे के आदेश दिए गए थे। सर्वे आदेश के बाद जब एएसआई की टीम पहुंची, तो मामला गरमा गया। इसके बाद टीम दूसरी बार भी मस्जिद में सर्वे करने पहुंची थी। इस बार सम्भल में दंगा भड़क गया। इस दंगे में कई लोगों की मौत हो गई। यह मामला अब अदालत में है। प्लेसेस ऑफ वरशिप एक्ट से जुड़े केस के चलते मामला अदालत में रुका हुआ है। दूसरी ओर सम्भल की जामा मस्जिद कमेटी के सदर ने एएसआई के मेरठ कार्यालय को पत्र भेजा है। इसमें जामा मस्जिद की पुताई व सजावट किए जाने के लिए अनुमति मांगी गई है। जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली ने कहा है कि रमजान माह से पहले जामा मस्जिद में सफाई, पुताई व सजावट कराई जाती है। यह वर्षों से कराई जाती है। इसके लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई है। इस कार्य को कराने पर एएसआई द्वारा भी कोई आपत्ति नहीं की गई है, लेकिन 24 नवम्बर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद शांति व्यवस्था कायम रखने और किसी तरह का विवाद उत्पन्न न हो। इसलिए सफाई, पुताई और सजावट की अनुमति दी जाए। जामा मस्जिद कमेटी के सदर ने बताया कि जल्द ही एएसआई के मेरठ कार्यालय से अनुमति मिलने की उम्मीद है। उसके बाद सफाई, पुताई और सजावट का कार्य कराया जाएगा।

- कहा- जिस कुएं की बात हो रही है, वह मस्जिद के बाहर है
- जामा मस्जिद में पुताई और सजावट के लिए मांगी अनुमति
- मस्जिद कमेटी ने एएसआई को भेजा पत्र

मस्जिद के सर्वे के दौरान पांच लोगों की गई थी जान

जामा मस्जिद सर्वे के दौरान बवाल में पांच लोगों की जान चली गई थी। 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। इसके बाद से ही जामा मस्जिद और उसके आसपास पुलिस-प्रशासन की निगरानी रहती है। मस्जिद समिति द्वारा मरम्मत की अनुमति मांगे जाने पर डीएम राजेंद्र पेंसिया ने स्पष्ट किया कि यह संरचना पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग एएसआई की संपत्ति है।

बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ी याचिका खारिज

दूसरे देशों के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकते: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग करने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। सुनवाई चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने की। बेंच ने कहा कि मामला भारत के विदेश नीति से जुड़ा है और भारत की न्यायपालिका इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। किसी दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। दरअसल, लुधियाना के व्यवसाई राजेश ढांडा ने याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों (हिंदू, सिख, जैन और अन्य) की स्थिति बेहद खराब है। बांग्लादेश में लोकतांत्रिक सरकार के पतन के बाद धार्मिक कट्टरपंथी अल्पसंख्यकों पर तेजी से हमले कर रहे हैं।

महाकुंभ भगदड़: उप्र सरकार की दलील से हाईकोर्ट असंतुष्ट

प्रयागराज, वार्ता

- **मौतों व लापता लोगों की जांच भी न्यायिक आयोग ही करेगा, कोर्ट का आदेश**

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुंभ क्षेत्र में अमावस्या के दिन सभी तीनों हादसों में हुई मौतों और लापता लोगों का पता लगाने की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग वाली जनहित याचिका निस्तारित कर दी। सरकार ने कोर्ट को बताया कि न्यायिक आयोग के जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब वह तीनों भगदड़ों में हुए जानमाल की हानि का भी पता लगाएगी।

यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति शैलेन्द्र क्षितिज की अदालत ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव सुरेश चंद्र पांडे की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। पिछली सुनवाई पर याची के अधिवक्ता सौरभ पांडेय ने कोर्ट में मीडिया रिपोर्ट और अमावस्या पर तीन जगह हुई भगदड़ के प्रमाण स्वरूप वीडियो फुटेज की पैन ड्राइव दाखिल की थी। दावा किया था कि अमावस्या के दिन एक नहीं तीन जगह हादसा हुआ था। खोया पाया केंद्र से लापता लोगों के परिजनों से लापता लोगों का आधार कार्ड मांगा जा रहा था। न होने पर उनके नामों की घोषणा नहीं की जा रही थी। इसके अलावा मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह भी दावा किया था कि सरकार हादसे में हुई मौतों की संख्या गलत बता रही है। मौतें सौ से ज्यादा हुई थी जबकि सरकार ने केवल 30 मौतों को स्वीकार किया था। सरकार और प्रशासन की भूमिका संदिग्ध है। लिहाजा, हाईकोर्ट की निगरानी ने मौतों और लापता लोगों की उच्चस्तरीय जांच जनहित में जरूरी है। सरकार की ओर से पेश अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जनहित याचिका में उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग को गैर जरूरी बताया था।

संगम तट पर उमड़ रहा आस्था का सैलाब

महाकुंभ नगर। महाकुंभ 2025 के समापन की घड़ी नजदीक आने के साथ ही संगम में स्नान करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान पर्व के साथ 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ का समापन हो जाएगा। इस पावन अवसर पर दिव्य स्नान का पुण्य लाभ लेने के लिए देश दुनिया के कोने कोने से श्रद्धालु तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर कदम रख रहे हैं। सोमवार को स्नान करने वालों का तांता लगा हुआ है और सुबह दस बजे तक करीब 55 लाख श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके थे, जिन्हें मिला कर अब तक महाकुंभ में संगम स्नान करने वालों की संख्या 62 करोड़ से अधिक हो चुकी है।

पीएम किसान सम्मान निधि

उत्तराखंड के 8.21 लाख किसानों को मिले 181 करोड़

शाह टाइम्स ब्यूरो

- **कृषि मंत्री जोशी ने जताया प्रधानमंत्री का आभार**
- **बोले-किसान के मजबूत होने से मिलेगी परिवार व देश को मजबूती**

देहरादून। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की। इस योजना के तहत उत्तराखंड के किसानों को भी बड़ी राहत मिली है। राज्य के 8.21 लाख पात्र किसानों को 181 करोड़ की धनराशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई। अब तक की 18 किस्तों में प्रदेश के किसानों को कुल 2926.24 करोड़ की सहायता दी जा चुकी है।

सूबे के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के सरखेत में आयोजित किसान सम्मेलन के दौरान 19वीं किस्त के हस्तांतरण कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें किसानों की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं और पीएम किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इस दौरान विभिन्न समूह संगठनों के पदाधिकारियों को फॉर्म मशीनरी बैंक के तहत पावर वीडर, मल्टीक्राप थ्रेशर, ब्रश कटर, आटा चक्की, चौफ कटर और ट्रैक्टर जैसे उपकरण तथा किसानों को सहयोग राशि के चौक भी प्रदान किए गए। कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार की संचालित कृषि एवं औद्यानिक योजनाओं का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना और कृषि क्षेत्र -शेष पृष्ठ दो पर

बरेली एसपी को कार से घसीटने वाले तीन सिपाहियों सहित चार को 10-10 साल की कैद

शाह टाइम्स ब्यूरो

- **कोर्ट ने अर्थदंड भी लगाया**

बरेली। बरेली में एसपी यातायात रहीं कल्पना सक्सेना पर जानलेवा हमले के मामले में कोर्ट ने चार दोषियों को 10-10 साल कैद की सजा सुनाई। सभी आरोपियों पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

वर्ष 2010 में ड्यूटी के दौरान तत्कालीन एसपी ट्रैफिक कल्पना पर जानलेवा हमला किया गया था। इस मामले में कोर्ट ने सोमवार को चारों दोषियों को सजा सुनाई। आईपीएस कल्पना वर्तमान में गाजियाबाद में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त हैं। घटना दो सितम्बर 2010 को कैंट थाना क्षेत्र में हुई थी। एसपी ट्रैफिक कल्पना की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, दो सितम्बर 2010 को वह चालक कांस्टेबल संजय सिंह, हमराह सिपाही ऋषिपाल व जीत सिंह के साथ चौकी चौराहे पर ड्यूटी पर थीं। कैंट क्षेत्र में मजार के पास हाईवे पर यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा ट्रक रोककर अवैध वसूली की सूचना मिली, तो वह मौके पर पहुंचीं। वहां फरीदपुर की तरफ से आने वाले कुछ ट्रक सड़क किनारे खड़े थे। सड़क के दूसरी ओर मजार के पास कार खड़ी थी। कार में कुछ लोग बैठे थे व कुछ पास खड़े थे। अपना वाहन मजार से पहले ट्रकों की आड़ में खड़ा कराकर वह हमराह व -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तराखंड के कर्मचारी कराएंगे यूसीसी के तहत विवाह पंजीकरण

शाह टाइम्स ब्यूरो

- **26 मार्च 2010 के बाद विवाह करने वाले कर्मचारियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य**

देहरादून। उत्तराखंड राज्य सरकार के सभी कर्मचारी अब समान नागरिक संहिता के तहत अपनी शादियों को रजिस्टर्ड कराएंगे इसके लिए मुख्य सचिव ने आदेश जारी कर दिया है।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर, राज्य सरकार अधीन कार्यरत विवाहित कर्मचारियों का विवाह पंजीकरण यूसीसी के तहत सुनिश्चित करवाने को कहा है। मुख्य सचिव ने अपने पत्र में कहा है कि उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूससी) के तहत 26.03.2010 के बाद हुए विवाहों के पंजीकरण को अनिवार्य किया गया है।इसी क्रम में समान नागरिक संहिता के लिए नामित जनपदीय नोडल अधिकारी द्वारा अपने जिले में कार्यरत समस्त विवाहित कार्मिकों के विवाह पंजीकरण -शेष पृष्ठ दो पर

जंगलराज वाले दे रहे महाकुंभ को गाली: मोदी

भागलपुर, वार्ता

नीतीश कुमार को अपना लाडला बताया प्रयागराज महाकुंभ को लेकर लालू यादव पर भी निशाना साधा

पीएम मोदी ने बिहार के भागलपुर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने नीतीश कुमार को अपना लाडला बताया।

यही नहीं प्रयागराज महाकुंभ को लेकर पीएम मोदी ने लालू यादव पर भी निशाना साधा। पीएम मोदी ने महाकुंभ महोत्सव को लेकर कहा कि महाकुंभ जारी है, लेकिन ये जंगलराज वाले महाकुंभ को गाली दे रहे हैं, राम मंदिर से चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। महाकुंभ को कोसने वाले को बिहार कभी माफ नहीं करेगा। हुआ कुछ यूं था कि कुछ दिनों पहले लालू यादव ने कुंभ को लेकर कहा था कि कुंभ का क्या मतलब है, फालतू है कुंभ। महाकुंभ को लेकर पीएम ने कहा कि महाकुंभ के समय में मंदराचल की इस धरती पर आना अपने आप में बड़ा सौभाग्य है। इस धरती में आस्था भी है विरासत भी है और विकसित भारत का सामर्थ्य भी है। ये शहीद तिलकामांझी की धरती है। ये सिल्क सिटी भी है। बाबा अजगैबीनाथ की इस पावन धरा में इस समय महाशिवरात्रि की भी खूब तैयारियां चल रही हैं। ऐसे पवित्र समय में मुझे पीएम किसान निधि की एक और किस्त देश के करोड़ों किसानों भेजने का सौभाग्य मिला है।

पीएम मोदी का मोटापे के खिलाफ कैंपेन

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने मोटापे के खिलाफ कैंपेन शुरू किया। उन्होंने इसके लिए अलग-अलग क्षेत्रों के 10 प्रमुख हस्तियों को नॉमिनेट किया। इनमें जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा और मनु भाकर जैसी हस्तियों का नाम है। कैंपेन के जरिये नॉमिनेट किए गए लोग मोटापे के खिलाफ लोगों को अवेयर करने का काम करेंगे। इसके लिए वो भी 10-10 लोगों को नॉमिनेट कर सकेंगे, ताकि कैंपेन धीरे-धीरे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री ने 23 फरवरी को मन की बात में मोटापे के खिलाफ कैंपेन शुरू करने की बात कही थी। पीएम मोदी ने कहा कि जैसा कि कल की मन की बात में कहा था, मैं मोटापे के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने और खाने में खाद्य तेल की खपत को कम करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए निम्नलिखित लोगों को नामिनेट करना चाहता हूं।

किसानों की जमीन छीनना चाहती है केन्द्र की मोदी सरकारः राकेश टिकैत

शाहजहांपुर, वार्ता

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि देश में कृषि हड़ताल की जरूरत है। सरकार किसानों की जमीन छीनना चाहती है और व्यापारी जमीन को खरीदना चाहता है। इससे सावधान रहना होगा। प्रदेश सरकार ने किसानों की बात नहीं मानी, तो अगली बार सरकार नहीं बनने देंगे।

राकेश टिकैत सोमवार को पुवायां के मंडी समिति परिसर में आयोजित किसान महापंचायत में जिलेभर से आए किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जो सरकार गन्ने का रेट नहीं बढ़ा सकती, भुगतान नहीं दिला सकती, वह सरकार किसानों की हितैषी कैसे हो सकती है। उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी कानून हर हाल में चाहिए। इसके लिए कृषि कानूनों के खिलाफ हुए आंदोलन से बड़े आंदोलन की जरूरत है। किसान नेता ने कहा कि सरकार में बैठे लोगों ने देश में हजारों किसान संगठन खड़े करा दिए हैं, क्या देश में कोई दूसरी भाजपा बनी है? यह किसान संगठनों को तोड़ने की बड़ी साजिश है, जमीन छीनने की साजिश है। सभी को एकजुट रहना है, घरेलू क्लेश का लाभ दूसरे उठाते हैं। बिहार में मंडी समिति 2006 से बंद कर दी गई हैं। अवैध खरीद होती है। बिहार में अब किसान नहीं केवल श्रमिक तैयार होते हैं। सरकार की पक्षलिसी चलती रही, तो हमारे यहां भी श्रमिक ही तैयार होंगे।

■ भाकियू राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा: और व्यापारी जमीन को खरीदना चाहता है, इससे सावधान रहना होगा

इससे पूर्व किसान नेता का पुवायां में तमाम पदाधिकारियों ने स्वागत किया और स्मृति चिन्ह देकर सम्मनित किया। महाप. ंचायत को प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीत सिंह, प्रदेश सचिव ओमप्रकाश सिंह, मध्यांचल प्रभारी बलवीर सिंह, तराई प्रदेश अध्यक्ष बलजिंदर सिंह मान, तराई उपाध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा, बरेली मंडल अध्यक्ष सतविंदर सिंह कहलो, शाहजहांपुर जिलाध्यक्ष अनिल सिंह यादव, लखीमपुर खीरी के दिलबाग सिंह, हरदोई प्रगट सिंह, सीतापुर के मयंक सिंह चौहान, बरेली के सोमवीर सिंह, गगनदीप सिंह, युवा जिलाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह लोधी आदि ने भी संबोधित किया।

विपक्ष का रवैया निंदनीयः विजेंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के नवनियुक्त अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कहा कि सदन की कार्यवाही के पहले दिन विपक्ष ने जिस प्रकार का रवैया अपनाया है, उसकी वह कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। गुप्ता के विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बधाई प्रस्ताव में कहा कि उन्होंने दिल्ली की सेवा में अपना जीवन बिताया। उनके अनुभव, ज्ञान और सामाजिक जीवन के अनुभव से सदन को लाभ मिलेगा। सबको नियमों का पालन कराते हुए सदन को चलाएंगे, ऐसी हमारी अपेक्षा है।

नेता विपक्ष आतिशी ने सभी साथियों की ओर अध्यक्ष निर्वाचित होने पर गुप्ता को बधाई दी। उन्होंने बधाई देने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय से भीम राव अंबेडकर और शहीद-ए-आजम भगत सिंह की तस्वीर हटाकर सरकार ने दलितों और सिखों का अपमान किया। यह भारतीय जानता पार्टी का दलित विरोधी चेहरा है। उनके इस बयान से सदन में शोर शराबा होने लगा। सत्ता पक्ष ने उनके बयान पर आपत्ति जताई। इस बीच गुप्ता ने कहा यह शिष्टाचार का समय था, उसका पालन करना चाहिए था। उन्होंने इसे राजनीतिक मंच की तरह इस्तेमाल किया। वह सुश्री आतिशी के इस व्यवहार की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। विपक्ष का गैरजिम्मेदार रवैया सही नहीं है। विपक्ष सदन को नहीं चलाना चाहता है। सदन में अराजकता बर्दास्त नहीं की जाएगी।

असम में चल रहा जंगल राजः कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

■ प्रदेशाध्यक्ष भूपेन बोरा व सांसद रकीबुल हुसैन ने हमले का आरोप लगाया

■ असम को लूट रहे हैं विश्व शर्मा, उनके भ्रष्टाचार पर संज्ञान लें मोदीः कांग्रेस

असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा तथा राज्य के धुबरी से पार्टी के लोकसभा सदस्य रकीबुल हुसैन ने सोमवार को कहा कि उन पर अपराधी तत्वों ने हमला किया है, लेकिन असम सरकार उन्हें सुरक्षा नहीं दे रही है और ना ही हमलावरों को पकड़ पा रही है।

बोरा तथा हुसैन ने रविवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में यह आरोप लगाते हुए कहा कि वह राज्य सरकार से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। बोरा ने कहा कि असम के हालात आप बहुत खराब हो गए हैं। कुछ दिनों पहले मेरे ऊपर हमला हुआ था, लेकिन अब तक कोई पकड़ा नहीं गया है। अब दो दिन पहले सांसद रकीबुल हुसैन पर हमला हुआ है। असम में जंगलराज चल रहा है। क्या इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौन सहमति है। असम की जनता ये जानना चाहती है। हुसैन ने कहा कि उन पर असम के नागांव जिले के रूपोहिहाट में गुरुवार को हमला हुआ। उनके निजी सुरक्षा अधिकारी पर अज्ञात लोगों ने हमला किया है, लेकिन आज तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। प्रदेश कांग्रेस ने हमले में शामिल लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पार्टी ने हिमंत विश्व शर्मा सरकार को विफल बताया और कहा कि असम में पिछले तीन साल में 1600 सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, पूरे देश में सबसे ज्यादा शराब की दुकानें असम में हैं, राज्य सरकार हर महीने 2,000 करोड़ रुपए का कर्ज ले रही है, लेकिन मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी इन पैसों को अपनी सुविधाओं पर खर्च कर रहे हैं।

असम कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह, लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई, संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया, किपार्टी के लोकसभा सदस्य पक्कीबुल हुसैन तथा प्रद्युत बोरदोलोई ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया की शर्मा तथा उनके परिवार की लोग असम में हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार कर रहे हैं और राज्य की संपदा को लूट कर अपना निजी आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं इसलिए मोदी को इसका संज्ञान लेना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि क्या यह सवाल प्रधानमंत्री मोदी जी असम के मुख्यमंत्री विश्व शर्मा जी से पूछेंगे।

संक्षिप्त समाचार

संपत्ति का ब्योरा न देने वाले कर्मचारियों को नहीं मिलेगा मार्च में वेतन

लखनऊ। यूपी के उन राज्य कर्मचारियों को फरवरी के वेतन का भुगतान मार्च में नहीं किया जाएगा जिन्होंने अपनी संपत्ति का विवरण मानव संपदा पार्टल में नहीं दिया है। यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि सभी कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से 28 फरवरी तक अपनी चल और अचल संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दे देना है। प्रदेश में जिन भी कर्मचारियों ने यह ब्योरा नहीं दिया है उनका फरवरी माह का वेतन रोक दिया जाएगा। मालूम हो कि सभी कर्मचारियों को 31 दिसम्बर 2024 को ही अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्योरा देना था। इसके बाद संपत्ति का ब्योरा देने की यह तिथि बार-बार बढ़ाई जाती रही है। जनवरी और फरवरी के पहले सप्ताह में यह तिथि दो बार बढ़ाई गई है।

आतिशी विधायकों के साथ सीएम रेखा गुप्ता से मिलीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री अपने विधायकों के साथ महिलाओं से किए गए 2500 रुपये महीना देने के मुद्दे पर सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके चैंबर में मिलीं। सुश्री आतिशी ने मुख्यमंत्री से मिलने के बाद पत्रकारों से कहा कि उन्होंने महिलाओं को 2500 रुपये महीने देने में हो रही देरी को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की पहली बैठक में महिलाओं को 2500 रुपये देने का वादा तो टूट गया, हम उम्मीद करते हैं कि आठ मार्च को महिलाओं के खाते में पहली किस्त आ जाएगी। विधानसभा सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली ने विधायकों को शपथ दिलाई। सबसे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। उसके बाद विधायकों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। विधायकों के शपथ के बाद सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी गई।

बिहार में होगी झूठ और जुमलों की बरसातः लालू

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार पहुंचने से पहले कटाक्ष करते हुए कहा कि आज राज्य में झूठ और जुमलों की बरसात होगी। यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री आज बिहार में है इसलिए आज बिहार में झूठ और जुमलो की बरसात होगी। राजद अध्यक्ष ने कहा कि चुनावी वर्ष है, इसलिए लोगों को भ्रमित करने के लिए केंद्र की देशभर की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन अब दिखावटी रूप से बिहार से होगा, लेकिन बिहार को कुछ नहीं मिलेगा, ना ये देंगे।ह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी का आज भागलपुर में कार्यक्रम होना है।

बांग्लादेशः एयर बेस पर झड़प, फायरिंग में व्यापारी की मौत

ढाका। बांग्लादेश में काक्स बाजार स्थित एयरफोर्स बेस पर अफसरों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। इस झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। एयरफोर्स हालात संभालने के लिए जरूरी कदम उठा रही है। इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशन की डायरेक्टर आएशा सिद्दीकी ने बताया कि यह टकराव दोपहर 12 बजे हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक झड़प में कई लोग घायल भी हुए हैं।

ममता ने की सरकारी डॉक्टरों के वेतन में बढ़ोतरी की घोषणा

कोलकाता, वार्ता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के अस्पतालों के डाक्टरों के वेतन में बढ़ोतरी और मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के 12 जूनियर डाक्टरों का निलंबन खत्म करने की घोषणा की।

सुश्री बनर्जी ने अलीपुर के धन धान्य ऑडिटोरियम में चिकित्सकों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षुओं से लेकर सीनियर तक सभी रैंक के डाक्टरों के वेतन में 10-15 हजार रुपये और उससे अधिक की बढ़ोतरी की घोषणा की। डिप्लोमा के लिए सीनियर रेजिडेंट डाक्टर का वेतन मौजूदा 65 हजार रुपये से बढ़ाकर 80 हजार रुपये, पोस्टग्रेजुएट सीनियर रेजिडेंट डाक्टर का वेतन 70 हजार रुपये से बढ़ाकर 85 हजार रुपये और सीनियर पोस्टग्रेजुएट सीनियर रेजिडेंट डाक्टर का वेतन एक लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया। इंटर्न हाउस स्टाफ और पोस्ट-ग्रेजुएट प्रशिक्षुओं के भत्ते में 10 हजार रुपये प्रति माह की बढ़ोतरी की गई। सुश्री बनर्जी ने मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के 12 जूनियर डाक्टरों का निलंबन वापस लेने की भी घोषणा की, जिन्हें छह जनवरी को कथित लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया था। जूनियर डाक्टरों की लाप. रवाही से प्रसव के बाद एक महिला की मौत हो गई थी और चार अन्य बीमार हो गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस जांच के दौरान पाया गया कि जूनियर डाक्टरों की ओर से कथित लापरवाही के कारण यह त्रासदी हुई। सरकार ने डाक्टरों का भविष्य बचाने के लिए निलंबन वापस ले लिया है। सुश्री बनर्जी ने डाक्टरों को सरकारी अस्पतालों में आठ घंटे की ड्यूटी करने के बाद 30 किलोमीटर के दायरे में निजी प्रैक्टिस करने की अनुमति दी। चिकित्सा पेश. ेवर मानवता का चेहरा हैं और इसका थोड़ा सा प्रदर्शन करने से मरीजों को बहुत मदद मिलेगी। सरकारी विभागों के हर क्षेत्र में नियुक्तियां विभिन्न अदालती मामलों के कारण प्रभावित हुई हैं, जिनमें चिकित्सा और ओबीसी शामिल हैं।

■ वेतन में होगी 10 से 15 हजार तक बढ़ोतरी

वेस्ट बैंक में 23 साल बाद घुसे इजरायली टैंक

40 हजार शरणार्थी कैंप छोड़कर भागे

तेल अवीव, वार्ता

इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के शहर जेनिन में इजरायली सेना ने टैंक तैनात कर दिए। 23 साल बाद ऐसा हुआ है, जब सेना के टैंक वेस्ट बैंक में घुसे हैं। ऐसा आखिरी बार 2002 में हुआ था। जेनिन में पिछले कई सालों से इजरायल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष होते रहे हैं।

इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने कहा कि हमने जेनिन के पास एक टैंक डिवीजन तैनात की है। एक डिवीजन में 40 से 60 टैंक होते हैं। इजरायल ने फलस्तीन के जेनिन, तुलकरम और नूर शम्स में शरणार्थी शिविरों को खाली करा लिया है। इन शिविरों में फलस्तीनी नागरिकों ने शरण ले रखी थी। इन तीनों शिविरों से 40 हजार फलस्तीनियों को निकाला गया है। इजरायल ने इन्हें 21 जनवरी से निक. ालना शुरू कर दिया था। 1967 की इजरायल-अरब जंग के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में फलस्तीनी नागरिक विस्थापित हुए हैं। यहां संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार संस्था यूएनआरडब्ल्यूए को भी काम बंद करने का निर्देश दिया गया है। रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने सेना को अगले कुछ साल वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को जड़ से मिटाने के लिए यह जरूरी है। 58 सालों से इजरायल का वेस्ट बैंक पर कब्जा वेस्ट बैंक, जार्डन के पश्चिम और येरुशलम के पूरब में स्थित है। 1948 में अरब-इजरायल जंग के बाद जार्डन ने इस पर कब्जा कर लिया था। जार्डन नदी के पश्चिम में होने की वजह से तब इसका नाम वेस्ट बैंक रख दिया गया। 1967 में 6 दिनों तक चले जंग के बाद इजरायल ने इस इलाके को जार्डन से छीन लिया। तब से वेस्ट बैंक पर इजरायल का कब्जा बरकरार है। इस इलाके में 30 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। इसमें ज्यादातर फलस्तीनी हैं। इजरायल ने वेस्ट बैंक पर कब्जे के बाद कई यहूदी बस्तियां भी बसाईं। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक यहां बनाई गई इजरायली बस्तियां अवैध हैं। दरअसल इजरायल हमास जंग के बीच वेस्ट बैंक में हिंसा बढ़ गई है। इजरायल में वेस्ट बैंक की तरफ से होने वाले हमले भी बढ़े हैं। इजरायल में 20 फरवरी की देर रात तीन खाली खड़ी बसों में विस्फोट हुए थे।

■ पीएम नेतन्याहू बोले- फिर जंग शुरू करने के लिए तैयार

■ आतंकवाद को जड़ से मिटाने के लिए यह जरूरी

इजरायली पीएम के तीखे तेवर बरकरार

कई रिपोर्ट्स के मुताबिक वेस्ट बैंक से ही इजरायल की बसों में हमले की प्लानिंग की गई थी। इसके बाद ही नेतन्याहू ने इस इलाके पर एक्शन लेने का आदेश दिया। हालांकि इजरायल-हमास जंग के दौरान भी इजरायली सेना यहां कई आपरेशंस को अंजाम दे चुकी है। वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल गाजा पट्टी में 'किसी भी समय' फिर से लड़ाई शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चाहे बातचीत से हो या फिर दूसरे तरीकों से वे जंग का मकसद पूरा करके रहेंगे। दरअसल हमास ने शनिवार को 6 इजरायली बंधकों को रिहा किया था। इसके बदले में इजरायल को 600 फलस्तीनी कैदियों को रिहा करना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

फलस्तीनी कैदियों की रिहाई रोकने का अमेरिका ने किया समर्थन

गाजा संघर्ष विराम वार्ता मुश्किल में

वाशिंगटन। अमेरिका ने इजरायल की ओर से 620 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई में देरी के फैसले का समर्थन किया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली सरकार ने हमास के बंधकों के साथ 'बर्बर व्यवहार' को आधार बनाते हुए यह कदम उठाया है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूजेस ने इसे 'उचित प्रतिक्रिया' करार दिया, जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी इजरायल के हर फैसले के साथ खड़े रहने की बात कही। इस बीच हमास ने भी कहा है कि जब तक कैदियों को रिहा नहीं किया जाता, वह इजरायल से किसी भी वार्ता के लिए तैयार नहीं है। अल जजीरा के अनुसार हमास के दो वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि फलस्तीनी समूह तब तक मध्यस्थों के माध्यम से इजरायल के साथ आगे कोई चर्चा नहीं करेगा, जब तक कि वह शनिवार को रिहा होने वाले 620 फलस्तीनी कैदियों को रिहा नहीं कर देता। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब गाजा संघर्ष विराम वार्ता मुश्किल में पड़ती दिख रही है, क्योंकि हमास ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह तब तक वार्ता बंद कर देगा, जब तक वादे के अनुसार फलस्तीनी कैदियों की रिहाई नहीं हो जाती। हमास की ओर से छह इजरायली बंदियों को रिहा करने के बावजूद इजरायल ने 620 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई स्थगित कर दी है।

अर्थ व्यापार

टैरिफ खतरे से शेयर बाजार में कोहराम

मुंबई।

कमजोर उपभोक्ता मांग और अमेरिका के टैरिफ खतरे से चिंतित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा भारी बिकवाली से सोमवार को शेयर बाजार में कोहराम मच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 856.65 अंक अर्थात 1.14 प्रतिशत का गोता लगाकर साढ़े नौ माह के निचले स्तर और 75 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 74,454.41 अंक पर आ गया। इससे पहले यह 05 जून 2024 को 74,382.24 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 247.05 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की गिरावट लेकर 22,548.85 अंक पर बंद हुआ। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 0.78 प्रतिशत कमजोर रहकर 40,057.85 अंक और स्मॉलकैप 1.31 प्रतिशत लुढ़ककर 45,254.06 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4200 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2810 में बिकवाली जबकि 1207 में लिवाली हुई, वहीं 183 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 38 कंपनियां लाल जबकि अन्य 12 हरे निशान पर बंद हुईं। बीएसई में एफएमसीजी और ऑटो समूह की 0.22 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर अन्य 19 समूहों में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान कमोडिटीज 1.53, सीडी 0.71, ऊर्जा 1.11, वित्तीय सेवाएं 0.82, हेल्थकेयर 0.47, इंडस्ट्रियल्स 1.08, आईटी 2.60, दूरसंचार 2.26, यूटिलिटीज 1.42, बैंलकग 0.52, कैपिटल गुड्स 1.10, धातु 2.16, तेल एवं गैस 1.10, पावर 1.16, रियल्टी 0.91, टेक 2.56, सर्विसेज 0.60 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 2.65 प्रतिशत लुढ़क गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.32, जर्मनी का डैक्स 0.92 और जापान का निक्केई 0.26 प्रतिशत चढ़ गया जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.58 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.18 प्रतिशत टूट गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 418 अंक का गोता लगाकर 74,893.45 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 74,907.04 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। वहीं, इसके बाद हुई लगातार बिकवाली से दोपहर बाद 74,387.44 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया।

ऑस्ट्रेलिया ने रूस पर लगाया सबसे बड़ा प्रतिबंध पैकेज

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष 2022 के बाद से रूस के खिलाफ सबसे बड़ा प्रतिबंध पैकेज लगाया है, जिसमें 70 व्यक्तियों और 79 संस्थाओं को निशाना बनाया गया है। देश की सरकार ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में सरकार ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने आज 70 व्यक्तियों पर और अधिक लक्षित वित्तीय प्रतिबंध और यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और 79 संस्थाओं पर लक्षित वित्तीय प्रतिबंध लगाए हैं। यह निर्दिष्ट किया गया है कि प्रतिबंधों का उद्देश्य अन्य बातों के अलावा, मंत्रियों, न्यायाधीशों और अभियोजकों सहित रूस के नए क्षेत्रों के प्रशासन पर है। बयान में कहा गया, प्रतिबंध रूस और उत्तर कोरिया के बीच सैन्य सहयोग को गहरा करने में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं को भी निशाना बनाते हैं।

खाद्य तेलों में तेजी, दालों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजारों में गिरावट रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेलों में तेजी रही, जबकि दालों में मिला. जुला रुख रहा, वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 99 रिंगिट लुढ़ककर 4737 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.21 सेंट की गिरावट के साथ 47.13 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में तेजी रही। सूरजमुखी तेल 219 रुपये, सोया रिफाइंड 294 रुपये और पाम ऑयल 366 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं सरसों तेल, मूंगफली तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहनः दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। चना 50 रुपये, दाल चना 50 रुपये और मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई, जबकि अरहर दाल में 100 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। वहीं, मसूर दाल और उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहनः चना 5950-6050, दाल चना 6950-7050, मसूर काली 7350-7450, मूंग दाल 9300-9400, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 7850-7950 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाजः (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपये और चावलः 3150-3250 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ः चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4300- 4400, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेलः सरसों तेल 15751 रुपये, मूंगफली तेल 18462 रुपये, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये, सोया रिफाइंड 15751 रुपये, पाम ऑयल 13553 रुपये और वनस्पति तेल 16044 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

उत्तराखंड के....

को सशक्त बनाना है। किसानों को अत्याधुनिक कृषि यंत्र, जल संरक्षण सुविधाएं और प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी उत्पादकता को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने 10 हजार किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) भी राष्ट्र को समर्पित करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हर वर्ष किसानों को तीन किस्तों में 6000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को उनकी कृषि जरूरतों के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। इस योजना से न केवल छोटे और सीमांत किसानों को लाभ हो रहा है, बल्कि इससे देश की कृषि व्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। इस अवसर पर कैंट विधायक सविता कपूर, सचिव कृषि डा. एसएन पांडे, निदेशक कृषि केसी पाठक, जैविक बोर्ड के सदस्य निरंजन डोभाल, जिला पंचायत सदस्य वीर सिंह चौहान, बीडीसी बालम सिंह, ग्राम प्रधान सहित सैकड़ों किसान उपस्थित थे

बरेली एसपी को...

चालक के साथ पैदल ही चल दीं। पास जाकर देखा तो कॉन्स्टेबल मनोज चालक की सीट पर बैठा था। पास खड़ा दूसरा व्यक्ति रुपये ले रहा था। इससे यकीन हो गया कि पुलिसकर्मी ट्रक चालकों से अवैध वसूली कर रहे हैं। आरोपी पुलिसकर्मियों को पकड़ने के लिए वह हमराही के साथ कार के सामने पहुंच गईं।

कार की पिछली सीट पर कॉन्स्टेबल रविंद्र और रावेंद्र बैठे थे। एसपी को देखकर वहां भगदड़ मच गई। कल्पना सक्सेना ने आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की, तो मनोज ने कार स्टार्ट कर उनको कुचलने की कोशिश की, पर वह बच गईं। एसपी ने चलती कार में ही कॉन्स्टेबल मनोज की गर्दन पकड़ ली। कार रोकने के लिए कहा, लेकिन आरोपियों ने ऐसा नहीं किया। पीछे बैठे सिपाही रविंद्र ने कल्पना के हाथों को पकड़ लिया। उनके सिर पर वार किए और कहा कि इसको कुचलकर मार दो। आरोपियों ने उन्हें 200 मीटर तक घसीटा। कई बार कार को तिरछा चलाकर कुचलने की कोशिश की। जब नहीं कुचल पाए, तो उनको धक्का देकर भाग गए थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की। आरोपपत्र दाखिल किया। कोर्ट में 14 गवाह और 22 साक्ष्य पेश किए गए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने चारों को दोषी करार दिया। सोमवार को चारों दोषियों को सजा सुनाई गई।

उत्तराखंड सरकार...

समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाएगा। इस सम्बन्ध में प्रत्येक जनपद द्वारा नियमित रूप से आख्या सचिव, गृह, उत्तराखंड शासन को उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्य सचिव ने कहा है कि प्रत्येक विभाग में संबंधित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव द्वारा एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए, जो अपने विभाग के विवाहित कार्मिकों के विवाह पंजीकरण सुनिश्चित कराएगा।

इसी तरह सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ विवाहित कर्मचारियों को निर्देशित करें कि वे अपने विवाह का यूसीसी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराएं। सभी जिलाधिकारी और विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करेंगे कि यह कार्य समयबद्ध रूप से पूरा हो और इसकी साप्ताहिक रिपोर्ट सचिव, गृह, उत्तराखंड शासन को भेजी जाएगी। यूसीसी पोर्टल पर निर्बाध पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए निदेशक, आईटीडीए उत्तराखंड को सभी जनपदों और विभागों को आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। यदि किसी जनपद या विभाग को तकनीकी सहयोग की आवश्यकता हो, तो वे निदेशक, आईटीडीए से तत्काल समन्वय स्थापित करेंगे।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

काले इल्म व सिपली इल्म की काली तांत्रिक शक्तियों का चमत्कार सात घंटों में अपनी आंखों से देखें।
पंडित जी शर्मा
9634608433
जैसे:- नौकरी, व्यापार, कारोबार, पति-पत्नी में झगड़ा, लव मैरिज में अड़चन, शादी में रुकावट, प्यार में धोखा खाये प्रेमी व प्रेमिका एक बार अवश्य फोन करें। आपका बेटा-बेटी, पति-पत्नी किसी के वश में हो महावशीकरण करवाएं या तुड़वाएं, सौतन-दुश्मन को अपनी आंखों के सामने तड़पता देखें, घर में खून के छींटे या प्रेत आत्माओं का साया।
My Promise आपका प्यार टूटने नहीं दूंगा। महावशीकरण व मुठकरनी के स्पेशलिस्ट
माताएं व बहनें घर बैठे गारंटीड समाधान करवाएं। 21 वर्षों से आपकी सेवा में
अजमेर शरीफ

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer — HEALTH WITH CARE —
हैल्थ प्लस सिरप
खून की कमी, भूख ना लगना, विटामिन व हार्मोन्स की कमी, शारीरिक दुर्बलता, गर्भवती महिला, दूध का कम बनना, लीवर व पेट की समस्याओं में उपयोगी
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

प्रधानमंत्री के आगमन से शीतकालीन पर्यटन को लगेंगे पंख: धामी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर्षिल-मुखवा क्षेत्र में आगमन से उत्तराखंड में शीतकालीन पर्यटन को काफी बढावा मिलेगा और यह दौरा राज्य की समृद्धि में बहुत बड़ा योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए हर्षिल-मुखवा क्षेत्र के साथ ही समूचा उत्तराखंड पूरी तरह से तैयार है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे, अपर पुलिस महानिदेशक वी मुरूगेशन सहित अन्य उच्चाधिकारियों के साथ हर्षिल-मुखवा क्षेत्र का भ्रमण कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर की जा रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के

■ मुख्यमंत्री ने हर्षिल-मुखवा क्षेत्र का किया भ्रमण
प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर की जा रही तैयारियों का किया स्थलीय निरीक्षण
प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए हर्षिल-मुखवा क्षेत्र के साथ ही समूचा उत्तराखंड पूरी तरह से तैयार
मुख्य सचिव राधा रतूड़ी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी इस दौरान मौजूद रहे

हर्षिल-मुखवा के मनोरम प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण क्षेत्र में आगमन से शीतकालीन यात्रा को पंख लगेंगे। पूरे

विश्व में इस यात्रा का प्रचार-प्रसार होगा। जिससे हमारे राज्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटकों का आगमन होना तय है। यह अवसर हमारे राज्य की समृद्धि में बहुत बड़ा योगदान साबित होने वाला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आगमन उत्तराखंड के लिए सदैव बहुत शुभ होता है। केदारानाथ धाम, माणा, आदिकैलाश की प्रधानमंत्री की यात्रा एवं प्रवास के बाद इन जगहों पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या में काफी अधिक वृद्धि हुई है। इसी तरह इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री के आगमन के फलस्वरूप राज्य में साढे तीन लाख करोड़ रूपये की लागत के पूंजी निवेश के एमओयू हुए और अभी तक राज्य में लगभग अस्सी हजार करोड़ रूपये से ज्यादा के निवेश की ग्राउंडिंग शुरू हो चुकी है। प्रधानमंत्री के हाथों राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ होना भी उत्तराखंड के लिए सौभाग्यशाली साबित हुआ है। देवभूमि ने खेलभूमि की प्रतिष्ठा भी अर्जित की है। इस बार राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने लंबी छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया है, जबकि राष्ट्रीय खेलों मे पिछली बार हम पच्चीसवें स्थान पर थे।

मुख्यमंत्री ने आज अपने स्थलीय निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर हर्षिल से मुखवा तक की गई तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने मौके पर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रधानमंत्री जी की यात्रा को स्मरणीय व सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने हर्षिल में प्रस्तावित जनसभा के लिए बनाए जा रहे पंडाल, मंच तथा प्रदर्शनी स्थल का निरीक्षण कर कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक धरोहर को प्रदर्शित करने के विशेष प्रबंध किए जांय, जिससे राज्य का समृद्ध पर्यटन और अधिक सशक्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि की दिव्यता और आध्यात्मिकता को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में यह यात्रा महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

इस दौरान जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण को लेकर की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक सुरेश चौहान, पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल, मुख्य विकास अधिकारी एसएल सेमवाल, अपर जिलाधिकारी पीएल शाह, प्रभागीय वनाधिकारी डीपी बलूनी, अधीक्षण अभियंता लोनिवि हरीश पांगती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कर्मचारियों को यूसीसी का प्रशिक्षण देगा एटीआई

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान नैनीताल के महानिदेशक को मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने पत्र लिखकर राजकीय कार्मिकों को यूसीसी प्राविधानों का प्रशिक्षण देने के लिए नियमित पाठ्यक्रम संचालित कराने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि उत्तराखंड सरकार द्वारा लागू समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए यह आवश्यक है कि सभी राजकीय कार्मिकों को यू.सी.सी. के विभिन्न प्रावधानों, प्रक्रियाओं और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में समुचित जानकारी उपलब्ध कराई जाए। इस संदर्भ में प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई) की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इसी क्रम में संस्थान द्वारा यू.सी.सी. से संबंधित प्रशिक्षण के लिए संसाधन व्यक्तियों (रिसोर्स पर्सन) का एक समूह विकसित किया जा सकता है, जो विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेगा।

उन्होंने पत्र में कहा है कि यू.सी.सी.

■ प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान नैनीताल के महानिदेशक को मुख्य सचिव ने लिखा पत्र

प्रशिक्षण कार्यक्रम को एटीआई में एक नियमित पाठ्यक्रम के रूप में सम्मिलित करने पर विचार किया जाए, ताकि समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर सरकारी कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा सके। साथ ही एक व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया जाए।

जिसमें यू.सी.सी. के कानूनी और प्रशासनिक पहलुओं, सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारियों, पंजीकरण प्रक्रियाओं एवं आई.टी पोर्टल के उपयोग को शामिल किया जाए। इसी क्रम में जिला स्तर पर भी यू.सी.सी. से संबंधित प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएं, जिससे शासन और प्रशासन के सभी स्तरों तक इसकी प्रभावी पहुंच हो सके।

भट्ट का कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से विभाजन की चर्चा से बचने का आग्रह

■ खामियाजा भुगतेगी कांग्रेस, मीडिया से सहयोग की अपील, कहा -उत्तराखंड के अंदर सभी लोगों को उत्तराखंड के हित की बात करनी चाहिए,हम सभी यहां के नागरिक

मुख्य संवाददाता

देहरादून । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस शीर्ष नेताओं से अपने विधायकों को मैदान पहाड़ में बांटने वाली चर्चा से बचने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस विभाजनकारी राजनीति का बड़ा खामियाजा कांग्रेस पार्टी को शीघ्र उठाना पड़ेगा। वहीं उन्होंने मीडिया से भी इस पूरे मुद्दे पर सहयोग करने की अपील की है।

यमुना कालोनी स्थित अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जबाब देते हुए उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड के अंदर सभी लोगों को उत्तराखंड के हित की बात करनी चाहिए। हम सभी यहां के नागरिक हैं, लेकिन इस प्रकार पहाड़- मैदान में बांटने का जो द्वंद खड़ा किया जा रहा है। उसके पीछे कोई न कोई कुचक्र अवश्य है, जिसका पर्दाफाश हम सबको मिलकर करने की जरूरत है। जो लोग इसके पीछे है और उत्तराखंडी समाज के विभाजन की मंशा रखते हैं, उनकी पहचानना करना जरूरी है। निकाय चुनावों में

सीएम के शीतकालीन यात्रा के जमीन पर उतारे विचार पर चार चांद लगाने आ रहे मोदी

पीएम मोदी की उत्तरकाशी यात्रा का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि शीतकालीन यात्रा का जो विचार मुख्यमंत्री धामी ने जमीन पर उतारा है, उस पर चार चांद लगाने मोदी आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मां गंगा के उस स्थल पर जा रहे हैं जहां मां गंगा की डोली पहुंचती है और शीतकाल में प्रवास करती है। उनके वहां जाने से इस यात्रा असीमित प्रचार मिलेगा। जिससे उत्तराखंड का पर्यटन कारोबार बढ़ेगा और रोजगार की रिकॉर्ड संभावनाएं सृजित होंगी।

ऋषिकेश के बाद इस क्रम को जिस तरह आगे बढ़ाया गया, उस पर सदन में जब कांग्रेस के विधायक ऐसा वातावरण खड़ा करते हैं, किसी भी तरह से उचित नहीं है। कहा कि वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से भी कहेंगे कि उनके विधायकों द्वारा जिस तरीके से मैदानी- पहाड़ी की बयानबाजी कर राज्य में विभाजन रेखा खींची जा रही है ,वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनकी ऐसी कोशिशों से उत्तराखंडी समाज को हानि हम नहीं पहुंचने देंगे। लेकिन यदि विपक्ष में सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस को भी बहुत बड़ा झटका कुछ दिनों में लगने वाला है।भट्ट ने भू कानून को लेकर कांग्रेस के विरोध पर निशाना साधा कि प्रत्येक अच्छे काम का वह विरोध करते हैं। यही वजह है कि जनता उन्हें समय समय पर सबक सिखाती रहती है। आज जनसहयोग से सभी पक्षों की सहमति और विस्तृत चर्चा के बाद उत्तराखंड को सशक्त भू कानून मिला है। लिहाजा सभी को उसका स्वागत करना चाहिए, लेकिन कांग्रेस की हर अच्छे कार्य के विरोध की प्रवृति बन गई है।

महिला आयोग में नये अध्यक्ष की तैनाती होने तक कुसुम कण्डवाल देखेंगी कार्यभार

देहरादून। राज्य सरकार ने कुसुम कण्डवाल को उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग में नये अध्यक्ष की तैनाती न होने के कारण आयोग के कार्यों में आ रही कठिनाईयों को मद्देनज़र रखते हुए उन्हें आयोग के कार्यों का निर्वहन करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी है। उत्तराखण्ड के शासन के मंत्री परिषद अनुभाग की और से जारी आदेश में कहा गया है कि गत 6 जनवरी को कुसुम कण्डवाल का उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष के तौर पर कार्यकाल समाप्त होने और आयोग में नये अध्यक्ष की तैनाती न होने के कारण आयोग में आ रही कठिनाईयों को देखते हुए विचार करने के बाद यह निर्णय लिय गया है कि जबतक नये अध्यक्ष की तैनाती नहीं हो जाती तबतक श्रीमती कण्डवाल ही आयोग के कार्यों का निर्वहन करती रहेंगी। इस पद पर कार्यरत रहने की अवधि के दौरान कुसुम कण्डवाल को प्रदान की जाने वाली सभी सुविधायें पूर्व कीभांति यथावत रहेगी।

डॉ. अग्रवाल ने सपरिवार दिव्य त्रिवेणी संगम पर किया स्नान

■ मां गंगा, यमुना और सरस्वती के पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि तथा प्रदेश की उन्नति के लिए की प्रार्थना, दिव्य महाकुंभ के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ को भी दी बधाई

मुख्य संवाददाता

देहरादून। वित्त व शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने सोमवार को महाकुंभ 2025 के पुण्य अवसर पर पावन दिव्य त्रिवेणी संगम पर सपरिवार स्नान किया। उन्होंने पतित पावनी मां गंगा, यमुना और सरस्वती के पूजन के साथ सभी देवों का आह्वान कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि तथा प्रदेश की उन्नति के लिए प्रार्थना की। साथ ही इस भव्य दिव्य महाकुंभ के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ को भी बधाई दी।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ शताब्दियों से अपनी अक्षुणता बनाये रखते हुए सनातन धर्म की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता के माध्यम स

करोड़ों लोगों को धर्म एवं संस्कृति से जोड़ता रहा है।

महाकुंभ का पर्व केवल आध्यात्मिक चेतना का ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और विश्व बंधुत्व का प्रतीक है। विश्व का यह महान पर्व सदियों से मानवता, समरसता तथा नैतिक मूल्यों की प्रेरणा देकर विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता रहा है। इस अवसर पर अपर निदेशक शहरी विकास ललित नारायण मिश्र, श्रीमती शशि प्रभा अग्रवाल, मेयर हरिद्वार किरण जैसल, मेयर ऋषिकेश शंभू पासवान, नगर पालिका अध्यक्ष मुनि की रेती नीलम बिजल्वाण, नगर पंचायत अध्यक्ष स्वर्ग आश्रम बिंदिया अग्रवाल, माधव अग्रवाल, हिमांशु बिजल्वाण, गगन नारंग आदि उपस्थित रहे।

तैयारी को लेकर शहरी विकास मंत्री ने ली बैठक

देहरादून। उत्तराखंड मंडपम में शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रयागराज की तैयारी को लेकर गंगा टाउन के नवनिर्वाचित मेयर, पालिका अध्यक्ष व पंचायत अध्यक्षों के साथ 2027 में हरिद्वार में होने वाले अर्धकुंभ को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। शहरी विकास मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि 2027 में अर्ध कुंभ हरिद्वार में आयोजित होना है। यह आयोजन प्रदेश के लिए सर्वोच्च आयोजन होने के कारण इसकी रूपरेखा एवं तैयारियां पूर्ण से ही की जानी है। जिससे आयोजन सफल और सुखद हो सके। उन्होंने बताया कि इसके चलते महाकुंभ 2025 प्रयागराज में संयुक्त दल के रूप में आयोजन की संबंधित जानकारियां एवं अनुभव एकत्र किया गया है।

उच्च शिक्षण संस्थानों के विकास में सीएसआर की अहम भूमिका: डॉ. धन सिंह

मुख्य संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के संयुक्त प्रयास से राज्य में उच्च शिक्षा और उद्यमिता विकास के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) की भूमिका पर एक विशेष कार्यशाला मुख्य सचिव सभागार में आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य सीएसआर के माध्यम से उच्च शिक्षा और उद्यमिता को सशक्त बनाना तथा संस्थागत सहयोग को प्रोत्साहित करना था।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा डॉ. धन सिंह रावत ने संबोधित करते हुए कहा कि, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का दायित्व, हम सभी का साझा दायित्व है। राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प को जन-जन का संकल्प बनाने के लिए कार्य कर रही है। मंत्री उच्च शिक्षा ने समावेशी विकास के लिए वंचित वर्ग और समूहों पर विशेष ध्यान का आह्वान किया। मंत्री उच्च शिक्षा ने सी0एस0आर0 के माध्यम से दूरथ क्षेत्र के महाविद्यालयों और संस्थाओं को गोद लेकर विकसित करने का आह्वान किया।

कार्यशाला में सचिव, उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि, संस्थागत विकास के लिए भागीदारी और सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि, सरकार की दृष्टि और प्रयासों के साथ सामाजिक विकास के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सी0एस0आर0 फंडिंग महत्वपूर्ण है इस अवसर पर सी0एस0आर0, सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड सरकार मनमोहन मैनाली ने कहा कि, उद्योगों की सप्लाई चेन के रूप में कार्य कर रही है उच्च शिक्षा विभाग की देवभूमि उद्यमिता योजना।इस कार्यशाला में डॉ. रमन गुजराल, निदेशक (कॉर्पोरेट परियोजनाएँ), भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान,

■ दूरस्थ क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों को गोद लेकर किया जायेगा विकसित, कहा, देवभूमि उद्यमिता योजना छात्र उद्यमिता का सफल मॉडल

अहमदाबाद ने उद्यमिता शिक्षा और सीएसआर के योगदान पर चर्चा की। डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, निदेशक (सरकारी परियोजनाएँ), भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद ने राज्य में चल रही देवभूमि उद्यमिता योजना पर एक विशेष प्रस्तुति देते हुए सी0एस0आर0 सहयोग की संभावनओं और आवश्यकता को रेखांकित किया।

कार्यशाला के दौरान सीएसआर और उच्च शिक्षा में सहयोग को लेकर एक खुली परिचर्चा भी आयोजित की गई। इसमें सीएसआर के माध्यम से शैक्षिक संस्थानों में शोध एवं बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने, कॉरपोरेट और शिक्षण संस्थानों के बीच साझेदारी, जिससे कौशल विकास कार्यक्रम एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिले तथा सीएसआर निधियों का उपयोग स्टूडेंट स्टार्टअप्स एवं देवभूमि उद्यमिता योजना जैसी पहलों के लिए किये जाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। कार्यशाला में रेल विकास निगम लिमिटेड के डी0जी0एम0 श्री ओ0पी0 मालगुड़ी, नाबार्ड के डी0जी0एम0 श्री भूपेन्द्र कुमार, संयुक्त राष्ट्र आधारित मल्टी लेटरल एजेन्सी से श्री आदर्श कालिया, भारतीय स्टेट बैंक के ए0 जी0 एम0 श्री पारितोष रायजादा, आई0डी0बी0आई0 से गौतम राज छिब्बर, एक्साइड इण्डस्ट्री से श्री धूम जिन्दल, एच0डी0एफ0सी0 से सीएसआर हेड सुश्री जेसिका,

क्लस्टर हेड विद्याकान्त मिश्रा, एन0सी0डी0सी0 से अमित कुमार निगम, टी0एच0डी0सी0 से सुश्री सोनू चानू, श्री कुशाग्र मिश्रा, बजाज ऑटो से श्री सार्थ भाटिया, के0पी0एम0जी0 से श्री देवकी नन्दन ने खुली परिचर्चा में अपने संस्थान के योजनाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा विभाग के उद्यमिता सहित अन्य पहलों में सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।कार्यशाला का संचालन ब्योमकेश दूबे, उप सचिव, उच्च शिक्षा ने किया। कार्यशाला के समापन पर उच्च शिक्षा विभाग की निदेशक, डॉ. अन्जु अग्रवाल ने सभी अतिथियों, सीएसआर प्रतिनिधियों और शैक्षणिक संस्थानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में अनु सचिव, श्री दीपक कुमार, संयुक्त निदेशक डॉ0 ए0 एस0 उनियाल,सहायक निदेशक एवं सी0एस0आर0 डॉ0 दीपक कुमार पाण्डेय, श्री अंजनी सिंह, श्री सुमित कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने पुलिस महानिरीक्षक केवल खुराना के निधन पर जताया दु:ख

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने पुलिस महानिरीक्षक केवल खुराना के निधन पर दु:ख व्यक्त किया। राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

राज्यपाल से की एन. रविशंकर ने शिष्टाचार भेंट

देहरादून ।राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सोमवार को राजभवन में छठे राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड के अध्यक्ष एन. रविशंकर ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर आयोग के सदस्य पीएस जंगपांगी और अपर सचिव डॉ. अहमद इकबाल भी मौजूद रहे।

राज्यपाल से की स्पीकर ऋतु खंडूड़ी ने मुलाकात

देहरादून । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सोमवार को राजभवन में विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण ने शिष्टाचार भेंट की।

नर्सिंग अधिकारियों को मिलेगी दो सप्ताह के भीतर नियुक्ति: डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड से चयनित 1314 नर्सिंग अधिकारियों को दो सप्ताह के भीतर नियुक्ति दे दी जायेगी। इन सभी नर्सिंग अधिकारियों को प्रदेश के पांच राजकीय मेडिकल कॉलेजों व राजकीय कैंसर संस्थान हल्द्वानी में रिक्त पदों के सापेक्ष तैनात किया जायेगा। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को सभी औचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश दे दिये गये हैं।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य के पांच राजकीय मेडिकल कॉलेजों को दो सप्ताह के भीतर नर्सिंग अधिकारी मिल जायेंगे। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को नियुक्ति प्रक्रिया की सभी औचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश दे दिये गये है।

उन्होंने बताया कि राजकीय

मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग अधिकारियों के स्वीकृत पद लम्बे समय से रिक्त पड़े हैं, जिनमें राजकीय मेडिकल कॉलेज देहरादून में 323, हल्द्वानी 320, रूद्रपुर 310, अल्मोड़ा 207 और श्रीनगर में 300 पद शामिल है। इस प्रकार राजकीय कैंसर संस्थान हल्द्वानी में भी 64 पद स्वीकृत हैं। इन सभी स्वीकृत पदों के सापेक्ष सेवा चयन बोर्ड से चयनित नर्सिंग अधिकारियों को तैनात किया जायेगा। विभागीय मंत्री ने बताया कि मेडिकल

■ पांच मेडिकल कॉलेजों व कैंसर संस्थान में रिक्त पदों के सापेक्ष होंगे तैनात, विभागीय मंत्री डॉ. रावत ने अधिकारियों को दिये शीघ्र नियुक्ति के निर्देश

कॉलेजों से सम्बद्ध चिकित्सालयों में मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्य सुविधाओं के सुधारीकरण के दृष्टिगत चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती का अधियाचन भेजा था।

जिसके क्रम में सेवा चयन बोर्ड द्वारा भर्ती प्रक्रिया को पूरा कर 1314 नर्सिंग अधिकारियों का अंतिम चयन परिणाम विभाग को सौप दिया गया है। इन चयनित नर्सिंग अधिकारियों का वर्तमान में दो स्तरों पर सत्यापन चल रहा है, जिसमें अधिक समय लगने के चलते चयनित अभ्यर्थियों को शीघ्र तैनाती देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया पृथक से चलती रहेगी यदि नौकरी पाने के उपरांत किसी अभ्यर्थी के सत्यापन में गड़बड़ी पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

डॉ. रावत ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता मेडिकल कॉलेजों में जल्द से जल्द नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति देना है ताकि मेडिकल कॉलेजों में मरीजों की देखभाल व स्वास्थ्य सुविधाओं में और अधिक सुधार को सुनिश्चित किया जा सके।

उत्तराखंड जजेज एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

वादों का निपटरा शीघ्रता से करे: न्यायमूर्ति धूलिया

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड जजेस एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन दून विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सुधांशू धूलिया ने प्रतिभाग किया। न्यायमूर्ति सुधांशू धूलिया ने कहा कि न्यायपालिका के सामने वादकारी एक उम्मीद से आते हैं, पीठासीन न्यायाधीशों का यह दायित्व है कि विवादित मामले का निस्तारण शीघ्रता पूर्वक करें, उन्होंने विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन वादों में लम्बी तिथियाँ दिये जाने के दृष्टिकोण को भी बदलने के लिए न्यायाधीशों से आह्वान किया। यह भी कहा कि बदलती हुई वर्तमान परिस्थितियों में परंपरागत न्याय प्रक्रिया के अनुरूप ढालने की आवश्यकता है। उन्होने इस पर भी जोर दिया कि दोषसिद्धि एवं दण्ड अलग-अलग हैं भले ही दोष सिद्ध हो जाए, लेकिन दण्ड देते समय मामले की समग्रता को ध्यान में रखना भी आवश्यक है। उन्होने इस बात पर भी बल दिया कि न्यायाधीशों को केवल विधिक ज्ञान की आवश्यकता नहीं, बल्कि समाज के सभी पहलुओं को जानने के लिए अन्य विषयों का भी अध्ययन उसी प्रकार से करना चाहिए, जिस प्रकार से वह विधि का ज्ञान अर्जित करते हैं।

लंबित वादों के निस्तारण व त्वरित न्याय पहुंचाने पर दिया जोर: न्यायमूर्ति गुहानाथन

उत्तराखंड उच्च न्यायालय नैनीताल के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुहानाथन नरेन्दर ने कहा कि त्वरित न्याय करना न्यायाधीशों का प्रथम दायित्व है, उन्होंने विगत 5 वर्ष पुराने लंबित वादों का शीघ्रता से निस्तारण किया जाना प्राथमिकता बताया है। न्यायिक अधिकारियों के द्वारा न्यायिक कार्यों को पूर्ण मनोयोग से तभी सम्पन्न किया जा सकता है जब समुचित संसाधन तथा सुविधाएँ अनुकूल एवं व्यवस्थित हों। यदि न्यायिक अधिकारी को न्याय प्रदान करने में कोई संस्थागत अथवा व्यावहारिक समस्या उत्पन्न होती है तो एसोसिएशन के माध्यम से एक मंच पर उक्त समस्या को उच्च न्यायालय के संज्ञान में लाना चाहिए व संस्थागत एवं व्यावहारिक समस्याओं का समुचित समाधान किये जाने में उच्च न्यायालय का पूर्ण प्रयास रहेगा। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट नैनीताल के वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का संरक्षक बताया है व समावेषण न्याय तक सुगम पहुंच और न्यायिक स्वतंत्रता की आवश्यकता पर जोर दिया।इस मौके पर उत्तराखंड जजेज एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, प्रेम सिंह खिमाल, न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा, न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल, न्यायमूर्ति आशीष नौथानी, उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश ऋतु बाहरी, पूर्व न्यायमूर्ति यू.सी.ध्यानी, पूर्व न्यायमूर्ति बी.एस. वर्मा, पूर्व न्यायमूर्ति लोकपाल सिंह, उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय नैनीताल की महानिबंधक कहकशां खान, प्रमुख सचिव न्याय प्रदीप पन्त, प्रमुख सचिव विधायी धनन्जय चतुर्वेदी, अमित कुमार सिरोही विधिक सलाहकार राज्यपाल सहित राज्य के सभी जनपदों के जिला जज व न्यायिक अधिकारीगण कार्यक्रम में उपस्थित रहे हैं।

जनता मिलन कार्यक्रम में डीएम ने सुनी समस्याएं

जनता मिलन कार्यक्रम में 41 शिकायतें दर्ज, जल्द निस्तारण के निर्देश पुनर्वास, सड़क, पेयजल समेत कई मामलों पर जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जनता मिलन कार्यक्रम के तहत सोमवार को आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान पुनर्वास, लोक निर्माण, स्वास्थ्य, पेयजल और विद्युत विभाग से जुड़ी कुल 41 शिकायतें व मांग पत्र प्राप्त हुए, जिनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

ग्राम सांदणा निवासी रोशनी देवी ने आंशिक डूब क्षेत्र के बदले आवंटित कृषि भूमि पर कब्जा दिलाने की मांग उठाई, जिस पर अधिशासी अभियंता पुनर्वास को त्वरित कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। ग्राम डोबरा के कुंजेश्वर महादेव मंदिर के अध्यक्ष ने पुनर्वास नीति के तहत आवंटित भूमि पर मंदिर निर्माण की अनुमति मांगी, जिस पर टीएचडीसी के अधिशासी निदेशक को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

नगर पालिका चंबा के वार्ड सभासद विक्रम चौहान ने ब्लॉक रोड की मरम्मत की मांग रखी, वहीं ग्राम चवालखेत के ग्रामीणों ने घोनाबागी से चवालखेत होते हुए नई टिहरी को जोड़ने वाली सड़क निर्माण की जरूरत बताई। इन दोनों मामलों में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को कार्रवाई करने को कहा गया। ग्राम पयांकोटी व धोपरधार निवासी नित्यानंद कोटियाल ने क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों की मरम्मत का मुद्दा उठाया, जिस पर संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कदम उठाने को कहा गया।

इसके अलावा, सामाजिक कार्यकर्ता प्रेमलाल ने विकासखंड थौलधार के मैण्डखाल में एनसीसी कक्षाएं शुरू कराने की मांग रखी। नगर पंचायत गजा के अध्यक्ष कुंवर सिंह ने आधार कार्ड शिविर की अवधि 10 मार्च तक बढ़ाने का अनुरोध किया। ग्राम पंचायत कंडियालगांव और मगारौ की प्रधान ममता देवी ने भूमि सुधार से संबंधित धनराशि जारी करने की मांग उठाई। इन सभी मामलों पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने जिला सेक्टर, राज्य सेक्टर, विधायक निधि, सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों और समाचार पत्रों में प्रकाशित नकारात्मक खबरों की समीक्षा की। उन्होंने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और पंचायत चुनावों से जुड़े कार्यों का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। नगर पालि. का नई टिहरी के अधिशासी अधिकारी को सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति सुधारने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जिला एवं राज्य सेक्टर के तहत सभी विकास कार्यों में प्रगति लाने और तय लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने का आदेश दिया। आगामी योग महोत्सव के मद्देनजर उप जिलाधिकारी नरेंद्रनगर को विशेष तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सीएमओ को 108 और अन्य आपातकालीन वाहनों की स्थिति सुधारने तथा आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता पर समन्वय करने के निर्देश दिए गए। परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जिलाधिकारी ने एआरटीओ को टिहरी व देवप्रयाग के साकिनाधार में गति नियंत्रण संकेतक बोर्ड लगाने की स्थिति की जानकारी देने को कहा। वहीं, जनपद में दूरसंचार सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए डीडीएमओ को सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों से संपर्क कर बेहतर नेटवर्क सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी ए.के. पांडेय, परियोजना निदेशक डीआरडीए पी. एस. चौहान, जिला विकास अधिकारी मो. असलम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्याम विजय, उप जिलाधिकारी टिहरी अपूर्वा सिंह सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. कपूर की किताब एमिली डिकिंसन अवार्ड से सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। गढ़वाल विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. श्वेता कपूर को उनकी पुस्तक द व्हिस्परिंग माउंटेन्स के लिए एमिली डिकिंसन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस पुस्तक में उत्तराखंड की लोककथाओं, किंवदंतियों और ऐतिहासिक घटनाओं को काव्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। जिससे अब अंग्रेजी पाठक भी उत्तराखंड के लोक से परिचित हो सकेंगे। बुक लीफ पब्लिशिंग हाउस द्वारा दिया जाने वाला 21वीं सदी एमिली डिकिंसन सम्मान इस वर्ष विश्वभर के चार लेखकों को प्रदान किया गया, जिनमें से एक डा. श्वेता कपूर भी रहीं। उनकी इस पुस्तक में चिपको आंदोलन, राजुला-माल. ूशाही, रम्माण, रूपकुंड, उत्तराखंड आंदोलन और केदारनाथ, धारी देवी जैसे महत्वपूर्ण लोकतत्वों पर आधारित 21 कविताएं शामिल हैं। इन कविताओं के माध्यम से उन्होंने उत्तराखंड की संस्कृति, इतिहास और लोक आस्थाओं को जीवंत करने का प्रयास किया है। डा. श्वेता ने बताया कि यह उनकी तीसरी पुस्तक है।कहा कि जब उनकी पुस्तक इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए नामांकित हुई, तो उन्हें यह एहसास हुआ कि उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और साहित्य को अंग्रेजी में काव्य के रूप में प्रस्तुत करना एक महत्वपूर्ण प्रयास था। डा. श्वेता को एमिली डिकिंसन सम्मान मिलने पर गढ़वाल विश्वविद्यालय में संकायाध्यक्ष कला, संचार और भाषा द्वारा उनका स्वागत और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बतौर संकायाध्यक्ष कला एवं संचार प्रो मंजुला राणा ने लेखक से मिलिए कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें सॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान कहा कि अगर आपके अंदर कुछ लिखने की क्षमता है तो कागज भी आपको आमंत्रित करता है। इस कार्यक्रम में डॉ. सविता, डॉ. कपिल पंवार सहित शोधार्थी अंजली, नीतू, आनन्द, सौरभ आदि मौजूद रहें।

एक नजर ....

यूजीसी नेट परीक्षा में दीक्षा नेगी की बड़ी सफलता

नई टिहरी। वरिष्ठ पत्रकार महीपाल सिंह नेगी की पुत्री दीक्षा नेगी ने यूजीसी नेट (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) में सफलता प्राप्त की है। बीते दिसंबर माह में संपन्न हुई इस परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया, जिसमें दीक्षा ने अंग्रेजी साहित्य विषय में 96.95 परसेंटाइल प्राप्त कर असिस्टेंट प्रोफेसर और पीएचडी के लिए क्वालीफाई किया है। दीक्षा नेगी की प्रारंभिक शिक्षा नई टिहरी के बीवीएस पब्लिक स्कूल बौराड़ी और आल सेंट्स कान्वेंट स्कूल टिहरी से हुई। इसके बाद उन्होंने पीजी कॉलेज नई टिहरी और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) से अपनी उच्च शिक्षा पूरी की। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, माता-पिता के सहयोग और गुरुजनों के आशीर्वाद को दिया है।

वन मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

नई टिहरी। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने नरेंद्रनगर प्रखंड के क्यार्की और नीर ग्राम पंचायतों का सघन दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुना और उनके त्वरित समाधान के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। भ्रमण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की स्थलीय समीक्षा की और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से ग्रामीणों को अवगत कराया। वन मंत्री ने अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं का सकारात्मक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, ग्राम पंचायतों में विधायक निधि से 30 लाख रुपये तक की लागत के विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की। इसके अलावा, तपोवन क्षेत्र में 1219.93 लाख रुपये की लागत से बनने वाले लक्ष्मणझूला से गऊघाट व आस्था पथ का शिलान्यास भी किया। वन मंत्री ने बताया कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को सिंचाई विभाग का नरेंद्रनगर खंड पूरा करेगा।

भारत- चीन सीमा के दो अनछुए ट्रैक रूटों के फ्लैग-ऑफ की तैयारियां पूरी

उत्तरकाशी: प्रधानमंत्री के हर्षिल -मुखवा प्रस्तावित भ्रमण के दौरान भारत-चीन सीमा के दो अनछुए ट्रैक के फ्लैग-ऑफ की तैयारियां पूरी हो चुकी है। गौरतलब है कि भारत चीन सीमा से सटे नेलांग, जादुंग, सोनम एवं पीडीए घाटी के अद्भुत और अनछुए पर्यटन गंतव्यों में साहसिक पर्यटन की गति. विधियों को प्रोत्साहित करने के नजरिए से मोटर बाईक रैली, एटीवी-आरटीवी रैली, तथा दो ट्रैकिंग अभियानों को भी हर्षिल से फ्लैग ऑफ किए जाने की तैयारी की जा रही है। भारतीय सेना के दल द्वारा हर्षिल से पीडीए मोटर बाईक-एटीवी-आरटीवी रैली, यूटीडीबी के तत्वावधान में हर्षिल से जादुंग तक मोटर बाईक रैली निकाली जायेगी। जबकि आई.टी.बी.पी. के द्वारा नीला पानी से मुलिंग ला बेस तक और एन.आई.एम. द्वारा जादुंग से जनकताल तक के लिए ट्रैकिंग अभियान चलाया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर्षिल मुखवा प्रस्तावित दौरे के तैयारियों का जायजा लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अरुणाचल प्रतिनिधिमंडल ने टिहरी बांध का किया दौरा, पुनर्वास कार्यों की ली जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। अरुणाचल प्रदेश के जिला हवाई अंजा के डीएम मिलो कोजिन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने टिहरी बांध परियोजना के विभिन्न कार्यस्थलों, पुनर्वास स्थलों, नई टिहरी शहर और परियोजना प्रभावित गांवों का भ्रमण किया। यह दौरा अरुणाचल प्रदेश के लोहित घाटी में प्रस्तावित 1200 मेगावाट की कलाई-टू जल विद्युत परियोजना के संदर्भ में किया गया, जिसकी जिम्मेदारी भारत सरकार और अरुणाचल प्रदेश सरकार ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को सौंपी है।

प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य टिहरी बांध के निर्माण, परियोजना प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उनके विकास संबंधी जानकारी एकत्र करना था, ताकि कलाई-टू परियोजना के तहत प्रभावित परिवारों के लिए बेहतर पुनर्वास योजना बनाई जा सके।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को टिहरी परियोजना के निर्माण, पुनर्वास प्रक्रिया और विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

टीएचडीसी के अधिशासी निदेशक एलपी जोशी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और टिहरी बांध के निर्माण एवं पुनर्वास योजनाओं की संपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में अन्य जल विद्युत परियोजनाओं के विकास पर भी चर्चा की। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने टिहरी जलाशय, भूमिगत पावर हाउस और पुनर्वासित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त सहायक आयुक्त शिवम त्रिपाठी, जिला भूमि एवं राजस्व बंदोबस्त अधिकारी धर्मेन गोगोई, ईई जल विद्युत विभाग बजाजपू, ईई ग्रामीण कार्य ब्रेडेन्सो युन, सहायक खनिज विकास अधिकारी सोदिन चक्रो, कला एवं संस्कृति अधिकारी एके तिवारी, लाइजन ऑफिसर बिजैलो मिनिन, अनुभाग अधिकारी कीमी बैलाई समेत टीएचडीसी के सेक्शन आफिसर डीपी पात्रो, एमएस नेगी, एसएस नेगी, नंद किशोर, गणेश भट्ट, आरपी थपलियाल और मनबीर नेगी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा की ब्रांडिंग करने हर्षिल घाटी पहुंचेंगे पीएम मोदी

जिला प्रशासन जुटा कार्यक्रम की तैयारियों में

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तराखंड की शीतक. ालीन चार धाम यात्रा की ब्रांडिंग करने देश के प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी का आगामी 27 फरवरी को प्रस्तावित मुखवा-हर्षिल कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन युद्ध स्तर से तैयारियाओं में जुटे हैं। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने आलाधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री जी के संभावित भ्रमण कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि कार्यक्रम में मौसम आदि के चलते फैरबदल की भी संभावनाएं होने की चर्चा है। उत्तरकाशी जिले के सीमांत मुखवा गांव स्थित गंगा जी के शीतक. ालीन प्रवास स्थल स्थित गंगा मंदिर में दर्शन-पूजन कर शीतकालीन यात्रा में हिस्सा लेंगे। जिला प्रशासन के स्तर पर प्रधानमंत्री के संभावित भ्रमण कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने और

विभिन्न तैयारियां को लेकर कवायद तेज कर दी गई है। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सीमांत क्षेत्र के वाईब्रेंट विलेज- हर्षिल में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाने की तैयारी की जा रही हैं। मुखवा में पार्किंग व रास्तों के निर्माण तथा सौंदर्यीकरण से जुड़े अनेक कार्य कराए जा हैं। इस क्षेत्र में सड़कों की दुरस्त किए जाने के साथ ही क्रश बैरियर्स की स्थापना, सड़कों के किनारें पर दीवालों व पैरापिट निर्माण जैसे सुरक्षात्मक कार्य भी संपन्न कराए जा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन पर प्रस्तावित कार्यक्रम समूचे राज्य के शीतकालीन पर्यटन को बढावा देने पर केन्द्रित होंगे। लिहाजा सभी संबंधित विभाग इसके लिए अपने मुख्यालय स्तर से समन्वय बनाकर सभी तैयारियां सुनिश्चित करें। सभी तैयारियों व व्यवस्थाओं को समय रहते भली-भांति जांच-परख लिया जाय और सभी व्यवस्थाओं के वैकल्पिक प्रबंध भी सुनिश्चित किए जांय। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आगमन पर सेना, आईटीबीपी, नेहरू पर्वतारोहण संस्थान व पर्यटन विभाग के सहयोग से सीमांत क्षेत्र के लिए ट्रैकिंग अभियान एवं माउंटेन बाईक, एटीवी व आरटीवी रैलियों का आयोजन किया जाना भी प्रस्तावित है।

चारधाम यात्रा से पहले सड़कों की मरम्मत की मांग

नगर पालिका चंबा के सभासदों ने चारधाम यात्रा से पहले सड़कों की मरम्मत की मांग उठाई, चारधाम यात्रा से पहले चंबा शहर की बदहाल सड़कों को ठीक करने की मांग, डीएम ने दिए आवश्यक निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। नगर पालिका चंबा के सभासदों ने चारधाम यात्रा के दृष्टिगत चंबा शहर की जर्जर सड़कों की मरम्मत की मांग को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित को ज्ञापन सौंपा। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि शहर की मुख्य और आंतरिक सड़कों की स्थिति दयनीय है, जिससे यात्रियों और स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले इन सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

सोमवार को सभासद शक्ति जोशी, महेश पैन्यूली और विक्रम चौहान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की और बताया कि चंबा-नई टिहरी एनएच 707ए की नालियां चंबा क्षेत्र में जगह-जगह चोक हो चुकी हैं। हाल ही में इस मार्ग पर हॉट मिक्स डामरीकरण कराया गया था, लेकिन मलबा और अन्य सामग्री अब भी नालियों में भरी पड़ी है, जिससे जल निकासी प्रभावित हो रही है। इसके अलावा, नारदानों की स्थिति भी खराब है, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

उन्होंने कहा कि ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे के अलावा चंबा बाजार, पुरानी टिहरी मार्ग, उत्तरकाशी मार्ग, गुल्डी गांव, दिखोलगांव और बाइपास मार्ग पर भी नालियां क्षतिग्रस्त हैं और कई जगह बंद हो चुकी हैं। बारिश के दौरान सबसे अधिक परेशानी स्कूली छात्रों को उठानी पड़ती है। ऐसे में इन नालियों की तत्काल मरम्मत किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

इसके अलावा, शहर की आंतरिक सड़कों की स्थिति भी बेहद खराब हो चुकी है। बीसी गबर सिंह चौक से तल्ला चंबा तक का मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो गया है। लगभग 400 मीटर के हिस्से में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं और सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। इस मार्ग का उपयोग केवल शहरवासी ही नहीं, बल्कि 15 से अधिक गांवों के लोग भी करते हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। लोनिवि चंबा ने पिछले वर्ष इस सड़क का डामरीकरण कराया था, लेकिन 400 मीटर का एक हिस्सा वन विभाग के अधीन है, जिससे वहां किसी भी प्रकार के मरम्मत कार्य की अनुमति नहीं मिल रही है। इस समस्या के समाधान के अभाव में दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है।जनप्रतिनिधियों ने कहा कि अप्रैल माह से चारधाम यात्रा का शुभारंभ होने वाला है, जिसके चलते हाईवे और आंतरिक सड़कों पर यातायात बढ़ेगा।

संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन ने जल संरक्षण करने पर दिया जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार । संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर भारत सरकार के सहयोग से जल संरक्षण और स्वच्छता को समर्पित प्रोजेक्ट अमृत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन के तृतीय चरण का सफलता पूर्वक समापन हुआ। सिद्धबली मंदिर के तट पर खोह नदी में आयोजित इस महाअभियान में सैकड़ों सेवादल के महात्माओं और संगत महापुरुषों ने सेवा भाव से भाग लिया और जल संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि निरंकारी मिशन केवल आध्यात्मिक उत्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज सेवा में भी एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आज के समय में जल संरक्षण और स्वच्छता केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं हो सकती। जब तक समाज के प्रत्येक नागरिक को इसमें सहभागी नहीं बनाया जाता, तब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सकता। नगर आयुक्त वैभव गुप्ता ने मिशन का आभार प्रकट करते हुए कहा कि विगत कई वर्षों से संत निरंकारी मिशन नगर निगम के विभिन्न अभियानों में महत्वपूर्ण योगदान देता आ रहा है और हमें पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी यह मिशन इसी सेवा भाव से समाज हित में कार्य करता रहेगा ।

डुंडा में जनपद स्थापना दिवस एवं सांस्कृतिक विकास मेले का हुआ आगाज

उत्तरकाशी : उत्तरकाशी जनपद स्थापना दिवस पर डुंडा रेणुका देवी मंदिर में आयोजित विकास एवं सांकृतिक मेला का आगाज देव डोलियों के सानिध्य में हो गया है। सोमवार को डुंडा के देवीधार में रेणुका देवी मंदिर में उत्तरकाशी जिले के 65 वीं वर्षगांठ पर आयोजित विकास मेले में दूर-दूर से मेलार्थी पहुंचे हैं। मेले के शुभारंभ के मौके डुंडा क्षेत्र के आराध्य देव कच्यडू देवता की मौजूदगी में बतौर के मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी डुंडा देवानंद शर्मा, पूर्व प्रमुख कनकपाल परमार , प्रमुख (प्रशासन) शैलेन्द्र कोहली ,एवं समिति अध्यक्ष राजदीप परमार ने फिता काटकर मेले का उद्घाटन किया है। मेले में आशीर्वाद देने पहुंचे कुपड़ा शेषनागराज , रिंगाली देवी वीरपुर डुंडा, कुन्सी नागराज, आदि देव डोलियों मौजूद रही है।मेले के मुख्य आकर्षण देव डोलियों का नृत्य वहीं सरस्वती विद्या मंदिर के होत्र-छात्राओं द्वाए मनघ्मोहक प्रस्तुति तथा लोक गायक, मनुराज नौटियाल व अरविन्द चौहान का सुन्दर कार्यक्रम ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। मेले में चरखी ,झूले का एवं विभिन्न प्रकार के मिष्ठान भन्डार भी लोगों के हुए आनन्द लिया गया जिसमें सम्मानित जनप्रतिनिधि व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मेले में मां रेणुका देवी गीत: पर महिला मंगल के द्वारा बहुत ही सुन्दर रासो-नृत्य मन्त्रमुग्ध किया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील थपलियाल का स्वागत, कार्यकर्ताओं में जोश

शाह टाइम्स संवाददाता

टिहरी। जौनपुर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील थपलियाल का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं और व्यापारियों ने मिलकर जौनपुर बाजार में एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया।

समारोह में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश लेखवारए जयेंन्द्र बिजलवाण ने पार्टी संगठन को मजबूत करने की अपील करते हुए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का असली नेतृत्व कार्यकर्ताओं के समर्पण से ही मजबूत होता है।

मंडल अध्यक्ष सुनील थपलियाल ने अपने संबोधन में भाजपा नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे पार्टी की रीति.नीति के अनुरूप संगठन को और सशक्त बनाने के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया और सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने की बात कही।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोला सिंह परमार किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष निहाल सिंह रावत आशुतोष कोठारी सुमेरचंद पवार व्यापार मंडल अध्यक्ष अकवीर पवार कुलबीर रावत खेमराज भट्ट राजेंद्र कोहलीए सोवत रावत जयप्रकाश नौटियाल बच्चन सिंह रावत सोबत रावत ओम प्रकाश गौड़ सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय व्यापारी उपस्थित रहे।

बहुउद्देशीय शिविर में ग्रामीणों ने दर्ज की 26 शिकायतें, 15 शिकायतों का मौके पर हुआ निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। चमोली जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को दशोली विकासखंड के दूरस्थ गांव दुर्मी में उप जिलाधिकारी चमोली राजकुमार पांडेय की अध्यक्षता में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान यहां क्षेत्रीय ग्रामीणों ने 26 शिकायतें दर्ज की। जिनमें से 15 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जबकि शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए उप जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।

दशोली ब्लॉक के दुर्मी गांव में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर निजमूला घाटी के दुर्मी, गौंणा, निजमूला, सैंजी, गाड़ी, पगना, झींझी, पांणा, ईराणी गांवों के ग्रामीणों ने प्रतिभाग कर शिकायतें दर्ज की। इस दौरान ग्रामीणों की ओर से सड़क, मनरेगा और क्षेत्र में पर्यटन विकास के कार्यों को लेकर समस्याएं व शिकायतें दर्ज की। दुर्मी की प्रशासक कविता देवी ने दुर्मी पैदल मार्ग पर पुल निर्माण व दुर्मी ताल के पुनर्निर्माण की मांग की। जहां उप जिलाधिकारी ने पुल निर्माण के लिए वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं दुर्मी ताल पुनर्निर्माण को लेकर शासन स्तर पर कार्रवाई की बात कही गई। ईराणी गांव निवासी विजय सिंह ने पीएमजीएसवाई की ओर से निजमूला-पाणा-ईराणी सड़क पर निर्माणाधीन पुल के निर्माण को शीघ्र करवाने की मांग उठाई। जिस पर पीएमजीएसवाई अधिकारियों ने पुल निर्माण के लिए सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने के बाद निर्माण कार्य करने की बात कही। दिनेश नेगी की ओर आपदा में क्षतिग्रस्त भवन के निर्माण के लिए

सहायता दिए जाने, मोहन सिंह ने गौणा के सेराबगड़ तोक में बाढ सुरक्षा कार्य किए जाने, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य माहेश्वरी देवी ने प्राथमिक विद्यालय दुर्मी में निर्मित कीचन का सुधारीकरण करने, पगना के प्रतापी लाल ने पगना लिंक रोड़ निर्माण, छप्पीलाल ने सड़क निर्माण से क्षतिग्रस्त खेतों का मुआवजा दिए जाने और विजय सिंह ने वन विभाग की ओर से ग्रामीणों को जारी नोटिस में शिथिलता दिए जाने की मांग की। जिस पर उप जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।इस दौरान यहां 195 ग्रामीणों ने शिविर में स्वास्थ्य जांच की सुविधाओं का लाभ लिया। जिसमें 75 ग्रामीणों की रक्त जांच, 2 लोगों का टीकाकरण किया गया। जबकि 3 ग्रामीणों को दिव्यांग प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही होम्योपैथिक ने 101 तथा आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने 117 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाईयां वितरित की। पशुपालन विभाग की ओर से 54 पशुपालकों को दवाइयां, कृषि विभाग ने 13 ग्रामीणों को कृषि यंत्र और उद्यान विभाग की ओर से 10 काश्तकारों को कृषि औजार उपलब्ध कराएं गए। इस दौरान राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, समाज कल्याण, वन विभाग, सैनिक कल्याण, जड़ी-बूटी शोध संस्थान, पशुपालन, कृषि और उद्यान विभाग की ओर से स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को केंद्र व राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई।इस मौके पर एपीडी केके पंत, एसीएमओ डा. एमएस खाती, समाज कल्याण अधिकारी धनंजय लिंगवाल, पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता मनमोहन बिजल्वाण सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सीएम ने मॉर्निंग वॉक के दौरान छात्राओं से की मुलाकात

■ हनोल बाजार में स्थानीय लोगों से किया जनसंवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

त्यूणी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौनसार–बावर के दो दिवसीय दौरे के तहत आज सुबह हनोल बाजार में स्थानीय लोगों से मुलाकात कर जनसंवाद किया। मॉर्निंग वॉक के दौरान उन्होंने दुकानदारों, व्यापारियों और आम नागरिकों से बातचीत कर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का फीडबैक लिया और उनकी समस्याओं व सुझावों को सुना।

बाजार भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यालय जा रही छात्राओं से भी मुलाकात कर उन्हें आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ दीं। इसके बाद उन्होंने महासू देवता मंदिर क्षेत्र के पुनर्विकास को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पुनर्विकास कार्यों में तेजी लाई जाए और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को

ध्यान में रखते हुए योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार जौनसार–बावर की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास के लिए सभी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा, ताकि स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

बस में चढ़कर यात्रियों से लिया फीडबैक

हनोल से चातरी गाड़ तक के सफर के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड परिवहन निगम की हरिद्वार–त्यूणी बस में यात्रा की और यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने बस सेवा की स्थिति के बारे में पूछा कि क्या यात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं मिल रही हैं। इस पर यात्रियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उत्तराखंड परिवहन निगम की सेवाएं सुचारू रूप से चल रही हैं और आम लोगों को इसका पूरा लाभ मिल रहा है।

व्यापारियों और होटल व्यवसायियों को मिला सरकार का समर्थन

हनोल में सीएम धामी ने होटल और ढाबा व्यवसायियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं जानीं। स्थानीय व्यापारियों ने कहा, 'थैंक्यू सीएम साहब, आपने जो मास्टर प्लान तैयार किया है, उससे हमें रोजगार से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।' मुख्यमंत्री ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि सरकार पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री का यह दौरा क्षेत्रवासियों के लिए बेहद खास रहा, क्योंकि उन्होंने जनता के बीच पहुंचकर न केवल उनकी समस्याएं सुनीं, बल्कि सरकार की योजनाओं की जानकारी भी साझा की।

आईजी केवल खुराना को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

देहरादून।(शाह टाइम्स ब्यूरो) पुलिस महानिरीक्षक केवल खुराना के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दु:ख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। मुख्यमंत्री धामी ने सोमवार को किशनपुर देहरादून स्थित पुलिस ऑफिसर्स कॉलोनी में पुलिस महानिरीक्षक केवल खुराना के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सीएम ने शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। दिवंगत आत्मा की शांति व शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

एटीएम में चोरी का प्रयास करने वाले को पुलिस ने दबोचा

■ प्रेमनगर पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार
प्रेमनगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम में दिया था वारदात को अंजाम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। विगत 23 फरवरी की रात्रि को प्रेमनगर बाजार में स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम में तोड़फोड़ कर चोरी करने का प्रयास करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

एटीएम के सुरक्षा गार्ड कैलाश निवासी 84 जनरल विंग, प्रेमनगर की तहरीर पर थाना प्रेमनगर में अभियोग पंजीकृत किया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह ने थानाध्यक्ष प्रेमनगर को घटना में शामिल अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिये, जिसके बाद थाना स्तर पर पुलिस टीम का गठन कर सीसीटीवी कैमरो की फुटेजो का अवलोकन करते हुए घटना में शमिल संदिग्ध व्यक्ति का हुलिया प्राप्त कर उससे मुखबिर तंत्र को अवगत कराया गया, सोमवार को घटना में शामिल अभियुक्त पारस भाटिया पुत्र प्रदीप भाटिया को प्रेमनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से एटीएम में चोरी करने में प्रयुक्त एक आलानकब व एक लोहे का चिमटा बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त नशे का आदि है।

क्षेत्राधिकार प्रेम नगर ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए चोर ने बताया कि वह नशे का आदि है और नशे की पूर्ति के लिये उसे पैसो की जरूरत थी, जिस कारण उसके द्वारा एटीएम में चोरी करने का प्रयास किया गया था। उसके द्वारा आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम से पैसे चोरी करने के लिये एटीएम में स्थित साउंड सिस्टम, एटीएम डिजिटल एंड्रॉयड लॉक तथा एटीएम का डोर लॉक तोड़ने का प्रयास किया था परन्तु वह मशीन खोलने में असफल रहा।

एक नजर ....

विधवा, वृद्धा, विकलांग पेंशन बढ़ाने की उठाई मांग

विकासनगर।(शाह टाइम्स संवाददाता) युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष यश शर्मा के नेतृत्व में पात्र लोगों ने प्रदर्शन कर प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर विधवा, वृद्धा, विकलांग पेंशन 1500 प्रतिमाह से बढ़ाकर 3000 रूपए करने कि मांग की। पड़ोसी राज्यों हिमाचल व हरियाणा में 2500 के लगभग पेंशन मिलती है ऐसे में यहां के लोगों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए पात्र लोगों को पेंशन 3000 रूपए प्रतिमाह तो मिलनी ही चाहिए। इस मौके पर प्रेमवती, फातिमा, सुमन, राजकुमारी, मोनिका, कौशल, खुर्शीदा, कुसूम, रमेश, कदम, दिनेश, प्रकाश, कुन्ती, ताशीन, मकसूद, विनोद, सुन्दर सिंह, हारून, अकरम, नौरतू, धर्मपाल, तौययब,राशिद, साहिल, मोहित विश्वमबर व कुरडियाराम आदि मौजूद थे।

फेड़ीज से विकासनगर के लिए बस सेवा शुरू करने की मांग

चकराता।(शाह टाइम्स संवाददाता) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की ब्लॉक मिशन प्रबंधक व समाजसेविका डॉ. पूजा गौड़ ने महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फेड़ीज से विकासनगर के लिए सरकारी बस सेवा शुरू करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को एक प्रार्थनापत्र सौंपा है। उन्होंने मांग की कि यह बस सेवा इस तरह संचालित हो कि महिलाएं सुबह 10:30 बजे चकराता पहुंच सकें और शाम 4:30 बजे वापसी कर सकें।

राज्यपाल ने खुराना के निधन पर जताया दु:ख

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने पुलिस महा. निरीक्षक केवल खुराना के निधन पर दु:ख व्यक्त किया। राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

मुक्त विवि के कुलपति ने शीतकालीन परीक्षाओं का किया औचक निरीक्षण

विकासनगर।(शाह टाइम्स संवाददाता) वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डाकपत्थर में उत्तरखंड मुक्त विवि के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने शीतकालीन परीक्षाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय में संचालित परीक्षाओं पर संतोष जताया। उत्तराखंड मुक्त विवि के समन्वयक डॉ. पूजा पालीवाल ने अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत छात्रों तथा अन्य जानकारी कुलपति को दी। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य डॉ. डीएस नेगी, डॉ. निरंजन कुमार प्रजापति, डॉ. केके बंगवाल, अरविन्द नेगी, शीतल व मनमोहन सिंह उपस्थित रहे।

एस्पायरिंग इंजीनियर्स के लिए पेश किया 'आकाश इनविक्टस' अल्टीमेट जेईई प्रिपरेशन प्रोग्राम

देहरादून।(शाह टाइम्स संवाददाता) परीक्षा की तैयारी में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने सोमवार क "आकाश इन्विक्टस" का शुभारंभ किया । यह जेईई की तैयारी के लिए एक अनूठा और अग्रणी एडवांस्ड प्रोग्राम है, जिसे विशेष रूप से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए डिजाइन किया गया है। यह उच्च–स्तरीय, व्यक्तिगत, एआई आधारित और परिणाम–केंद्रित कार्यक्रम आईआईटी या विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तैयारी करने वाले छात्रों को सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। इस प्रोग्राम में फिजिटल लर्निंग और विशेष अध्ययन सामग्री शामिल हैं, जो जेईई एडवांस की सटीक, एआई–सक्षम और अनुकूली तैयारी को सुनिश्चित करते हैं। राजपुर रोड शाखा में आयोजित कार्यक्रम में यह प्रोग्राम लॉन्च किया गया।

खालिद को मिला वक्फ नंबर 258 का चार्ज

■ वक्फ प्रॉपर्टी पर कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं: खालिद

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड की बैठक में बोर्ड द्वारा प्रस्ताव संख्या 15 (11) में वक्फ संख्या 258 व 259 में त्रूटि सुधार करते हुए संशाधित आदेश पारित किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

पारित प्रस्ताव के अनुपालन में वक्फ नंबर 258 का भी चार्ज जो लंबे समय से कांग्रेस समर्पित नेताओं के पास था जामा मस्जिद विकासनगर के मुतवल्ली (सदर) खालिद मंसूरी को सौंपा। खालिद मंसूरी ने कहा कि वक्फ प्रॉपर्टी पर किसी भी कीमत पर कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही प्रशासनिक अधिकारियों के साथ इस पूरी प्रॉपर्टी का निरीक्षण किया जाएगा और जल्द वक्फ के अवैध कब्जो पर धामी का बुलडोजर गरजता हुआ दिखाई देगा। खालिद मंसूरी ने वक्फ नंबर 258 का चार्ज सौंपे जाने पर वक्फ बोर्ड चेयरमैन शादाब शम्स, विधायक मुन्ना सिंह चौहान व पूर्व विधायक कुलदीप कुमार का आभार व्यक्त किया।

शिव की आराधना करने वाला दुखी नही रहता: कथा व्यास

सेलाकुई। सिंहनिवाला रोड स्थित गजेंद्र विहार महिला मंडल सोसाइटी द्वारा शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया। कथा के तीसरे दिन कथा व्यास नरेंद्र कृष्ण महाराज ने कथा की शुरुआत ब्रह्म चले विष्णु चले चले भोले बाबा भजन से शुरुआत की। उन्होंने कथा का बखान करते हुए कहा मनुष्य अपना दुख को दूर नहीं कर सकता अपने दुख को काटना है तो शिवम को प्रयास करना पड़ेगा और महादेव को जल चढ़ाने से सब दुख दूर हो जाएंगे।

डीएम बंसल ने त्यूनी में डाला डेरा

स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

■ मौके पर कई समस्याओं का किया निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

त्यूणी। त्यूनी क्षेत्र के लिए यह दिन ऐतिहासिक रहा जब जिलाधिकारी संवन बंसल ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए बड़ा कदम उठाया। मुख्यमंत्री के हालिया दौरे के उपरांत डीएम सविन बंसल ने खुद त्यूनी में डेरा डालकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया और मौके पर ही कई समस्याओं का निस्तारण कर दिया।

अधिकारियों को दिए निर्देश, अब पत्र पत्र का नहीं चलेगा खेल

नई सुविधाओं की स्वीकृति निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र त्यूनी की बदहाल स्थिति पर गहरी नाराजगी जाहिर की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि अब

पत्राचार का खेल नहीं चलेगा, सभी स्वीकृतियां सीधे फाइल पर ली जाएं।

चिकित्सालय में नई अल्ट्रासाउंड मशीन, एक्स–रे मशीन व उनकी यूपीएस की तत्काल स्वीकृति प्रदान की। डीएम ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए यह भी निर्देश दिए, कि अब मसूरी से रेडियोलॉजिस्ट माह में दो बार त्यूनी आएंगे, ताकि लोगों को समय पर सुविधाएं मिल सकें।

महिलाओं की समस्याओं को देखते हुए प्रसव कक्ष का विस्तार कर बेड की संख्या 2 से 4 करने के निर्देश दिए गए।

वार्ड आया व सफाई कर्मी रखने की स्वीकृति प्रदान की

स्वच्छता 'और सुविधाओं पर विशेष ध्यान स्वास्थ्य केंद्र में सफाई कर्मियों की कमी को देखते हुए डीएम ने मौके पर ही वार्ड आया व सफाई कर्मी रखने की स्वीकृति प्रदान की। गौरतलब है कि पिछले आठ वर्षो से अस्पताल में सफाई कर्मी की नियुक्ति नहीं हुई थी। साथ ही, उन्होंने चिकित्सालय के शौचालयों के जीर्णोद्धार का एस्टीमेट तुरंत प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

ठंड में रोगियों के लिए राहत

जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में प्रसव के दौरान महिलाओं की सुविधा हेतु पांच नई इलेक्ट्रिक केटल, 15 रूम हीटर व गीजर की भी स्वीकृति दी है।

चिकित्सकों और स्टाफ को मिलेगा सम्मान

स्वास्थ्य केंद्र में सीमित संसाधनों के बावजूद सेवाएं देने वाले चिकित्सकों, एएनएम और पैरामेडिक स्टाफ को आगामी 15 अगस्त पर राज्य स्तर पर सम्मानित किए जाने की घोषणा भी डीएम ने की। यह कदम क्षेत्र के स्वास्थ्य कर्मियों के मनोबल को और बढ़ाएगा। डीएम संवन बंसल की दूरदर्शी सोच से क्षेत्रवासियों में हर्ष डीएम संवन बंसल के इस ऐतिहा. सिक कदम से त्यूनी और आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोगों में जबरदस्त उत्साह है। वर्षो से लंबित मांगों के पूरे होने से अब क्षेत्र के लोग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

नव निर्वाचित पार्षद तिवारी ने जताया जनता का आभार

■ लक्ष्मीनारायण मंदिर में हुआ भंडारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अब घर–घर जा कर करना होगा कांग्रेस को मजबूत: धस्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में कांग्रेस को पुन: ताकत में लाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं व नेताओं को जनता के बीच जा कर कांग्रेस की नीतियों, सिद्धांत, इतिहास व कांग्रेस की आजादी के आंदोलन में भूमिका व आजादी के बाद राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर जनता से सीधे संवाद कर कांग्रेस से जोड़ना होगा।

यह बात सोमवार को पंडितवाड़ी में लक्ष्मी नारायण मंदिर में पंडितवाड़ी के कांग्रेस के टिकट पर नव निर्वाचित क्षेत्रीय पार्षद अभिषेक तिवारी की और से जनता के आभार के लिए आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कही। उन्होंने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर तक संगठित कर जनता के सरोकारों के लिए संघर्ष करके ही पार्टी भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला कर सकती है। धस्माना ने कहा कि पंडितवाड़ी वार्ड में अभिषेक तिवारी ने जिस प्रकार से अपने क्षेत्र में संगठन को मजबूत किया और निरंतर क्षेत्र की समस्याओं के लिए संघर्ष किया उसका परिणाम उनको चुनाव में जीत के रूप में मिला।

धस्माना ने कहा कि अब जितने के बाद तिवारी की जिम्मेदारी दोगुनी हो गई है और पार्टी को मजबूत करने के साथ साथ उनको जनता की अपेक्षाओं में खरा उतरना है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि हाल ही में संपन्न नगर निगम चुनावों में कांग्रेस के जितने भी पार्षद जीते हैं उनको महानगर संगठन पूर्ण सहयोग करेगा। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पार्टी के श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कौशल, सुमित खन्ना, वीरेश कुमार शर्मा, शोभित तिवारी, संजय शर्मा, पंकज अग्रवाल, सुरेन्द्र थापा, साकेत पंत, राम बाबू, प्रेम सागर, चंद्रपाल, यशपाल शेट्टी, आशीष ग्रोवर, अतुल बिष्ट, एनएस रावत, अंजू बिष्ट, हर्ष यादव, प्रवीण रावत, अरुण बलूनी, शिवम् कुमार, अंकपाल रावत,सचिन बिष्ट, नितिन रावत उपस्थित रहे।

बॉटल श्रेडर मशीन पिछले कई दिनों से पड़ी है खराब

चकराता। डेढ़ वर्ष पूर्व छावनी परिषद चकराता द्वारा छावनी बाजार के केसरी मार्किट में बॉटल श्रेडर मशीन लगाई थी जिससे प्लास्टिक की बोतलों को मशीन के माध्यम से क्रश कर दिया जाता था जिससे गंदगी में भी कमी आई थी इस श्रेडर मशीन का लाभ स्थानीय लोगों के साथ पर्यटक भी उठाते हैं। लेकिन विगत एक माह से ज्यादा समय से यह मशीन खराब पड़ी है। चकराता में कूड़ा उठान के लिए डोर टू डोर कलेक्शन की व्यवस्था है व बाजार में डस्टबिन नही हैं जिससे लोग पानी कोल्डड्रिंक आदि की खाली बोतलों को इधर उधर फेंक देते हैं जिससे गंदगी भी फैलती है। स्थानीय निवासी देवेंद्र सिह, मनोज कुमार, अमर सिह, रविन्द्र चौहान, आदि का कहना है कि यह मशीन कई दिनों से खराब पड़ी है, लेकिन छावनी प्रशासन इस ओर ध्यान नही दे रहा है उन्होंने विभाग से जल्द ही इस ओर कार्यवाही की मांग की है।

'विद्या' सपनों की उड़ान हिन्दी फिल्म का प्रीमियर शो दिखाया गया

■ उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने किया शो का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। शिक्षा पर आधारित उत्तराखण्ड में फिल्माई गयी 'विद्या' सपनों की उड़ान, फिल्म का प्रीमियर शो एक मॉल में दिखाया गया। प्रीमियर शो का उद्घाटन मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत व विशिष्ट अतिथि फिल्म निर्देशक, निर्माता व संपादक अनिर्बान धर ने किया।

इस फिल्म में मुख्य किरदार अभिनेता सुशांत खांडया, एकता तिवारी, कृति, भावना रोकडे, बॉलीवुड व उत्तराखण्ड के अभिनेता सतीश शर्मा, शैल शिवराम, मानसी मिश्रा, जयति, राजन तिवारी, पल्लवी पाठक, दीपक बंगवाल, मनील मेहता, विकास शिना, सुशील यादव, अमिताभ घोष, रमेश रावत, कवरदीप सिंह, बाल कलाकार में तेजस्वनी गंगोला, यशिका, सारांश जयसिंघानी ने निभाया है।

फिल्म की कहानी है जो चमोली जिले में स्थित–राजजात यात्रा के अन्तिम पड़ाव बाण गाँव में फिल्माई गयी है, जो आज भी दुर्गम श्रेणी में आता है। इस फिल्म का केन्द्र बिन्दु शिक्षा का प्रसार है, साथ ही एक स्कूल के बनने की आत्म कथा है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण क्षेत्र में कोई शिक्षण संस्था नहीं है जिससे उस क्षेत्र के नौनिहाल अशिक्षा के संन्ताप को झेलने को विवश हैं।

फिल्म में दिखाया गया है कि अशिक्षा के अन्धकार को दूर करने के लिये गाँव के कुछ बच्चे शिक्षा ग्रहण करने के लिये बाहर चले जाते हैं। अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्हें लगता है कि मानव कल्याण तो शिक्षा में ही निहित है, इस वास्तविकता का बोध होने पर उनको अपनी जन्म भूमि की मिट्टी की खुशबू उन्हें अपने गाँव लौटने पर विवश कर देती है।

नगर निगम परिसर में लगाया गया दो दिवसीय चिकित्सा शिविर

■ नगर आयुक्त के निर्देश पर लगाए गए कैंप में पर्यावरण, सफाई मित्रों व कर्मचारियों ने उठाया लाभ

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नगर आयुक्त नमामी बंसल के निर्देश पर नगर निगम देहरादून द्वारा पर्यावरण, सफाई मित्रों एवं कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शि. विर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

शिविर में सामान्य जांच, रक्त परीक्षण, एक्स–रे, क्षयरोग जांच और स्त्रीरोग परामर्श जैसी व्यापक चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की गईं। स्वास्थ्य सेवाओं की यह विविध श्रेणी कर्मचारियों के बीच संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और शुरुआती जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से थी।

शिविर में सफाई और फील्ड कर्मचारियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखी गई, जिन्होंने आवश्यक चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। इस कार्यक्रम में अनुभवी डॉक्टरों, नर्सो और चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति देखी गई, जिन्होंने सभी आगंतुकों को ध्यानपूर्वक देखभाल और परामर्श प्रदान किया।

इसके साथ ही नगर आयुक्त नमामी बंसल ने कर्मचारियों को स्वच्छता किट भी प्रदान की । नगर निगम देहरादून की यह पहल अपने कर्मचारियों के लिए एक स्वस्थ और सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के प्रति शहर की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त राजबीर सिंह चौहान, मुख्य सफाई निरीक्षक एवं सफाई निरीक्षक इत्यादि मौजूद रहे।

भाजपा देहरादून ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष व प्रतिनिधियों की घोषणा

■ विकासनगर मंडल में शुभम गर्ग अध्यक्ष नियुक्त

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। भाजपा ने देहरादून ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष व प्रति. निधियों की घोषणा कर विकासनगर मंडल में शुभम गर्ग को अध्यक्ष नामित किया है।

संगठन पर्व के अंतर्गत चल रही मंडल अध्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मंडल अध्यक्ष व मंडल प्रति. निधियों की घोषणा भाजपा के जिला चुनाव अधिकारी देहरादून ग्रामीण सुशील चौहान ने की है। उन्होंने प्रेस को जारी बयान में बताया कि प्रदेश के चुनाव अधिकारी खजान दास के दिशा निर्देशन में विकासनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास नगर मंडल में शुभम गर्ग को अध्यक्ष व संदीप मोगा को मंडल प्रतिनिधि नामित किया गया है। इसी प्रकार से हरबर्टपुर मंडल में राहुल शर्मा को अध्यक्ष, संतोष रावत को प्रतिनिधि, विकासनगर ग्रामीण में अनुज गुलरिया को अध्यक्ष व अनिल कुमार को प्रतिनिधि बनाया है।

सहसपुर विधानसभा क्षेत्र के शिवा. लिक ग्रामीण मंडल में रवि कश्यप को अध्यक्ष, सुमन भास्कर को प्रति. निधि, सहसपुर में सिद्धार्थ तोमर को अध्यक्ष पंकज महावर को प्रतिनिधि, सुद्धोवाला में सुखदेव सिंह फर्स्वाण को अध्यक्ष, वीरता गुरु को प्रतिनिधि, शिवालिक नगर में मदन सिंह को अध्यक्ष, अनिल प्रसाद को कोटपाल को प्रतिनिधि बनाया है। इसी प्रकार से चकराता विधानसभा क्षेत्र के त्यूणी में नीरज शर्मा को अध्यक्ष, जगमोहन जोशी को प्रतिनिधि, कँवासी मंडल में प्रीतम सिंह को अध्यक्ष बलवीर सिंह राणा को प्रतिनिधि, साहिया मंडल में प्रवीण सिंह चौहान को अध्यक्ष, वीरेंद्र सिंह चौहान को प्रतिनिधि बनाया है। कालसी मंडल में प्रदीप वर्मा को अध्यक्ष, दिनेश तोमर को प्रतिनिधि नामित किया है।

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ उत्तराखंड ने पत्रकारों की समस्याओं पर किया मंथन

■ यूनियन की हरिद्वार इकाई के पदाधिकारियों का दून पहुंचने पर किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जर्नलिस्ट यूनियन आफ उत्तराखंड के प्रदेश पदाधिकारियों की की एक बैठक यूनियन की हरिद्वार जिला इकाई के पदाधिकारियो के साथ हुयी। बैठक मे पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं पर व्यापक विचार– विमर्श किया गया।

बैठक में आगामी दो से चार अप्रैल तक पांडिचेरी में आयोजित आईजेयू के राष्ट्रीय अधिवेशन के सम्बन्ध मे भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर आईजेयू के राष्ट्रीय सचिव जय सिंह रावत ने जर्नलिस्ट यूनियन आफ उत्तराखंड की हरिद्वार जिले की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी। उन्होने विश्वास जताया कि यूनियन की हरिद्वार जिला इकाई पत्रकारों के हितों के लिए बेहतर कार्य करते हुए संगठन को भी मजबूती प्रदान करने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी।

बैठक में यूनियन के प्रदेश महामंत्री गिरीश पंत ने कहा कि जर्नलिस्ट यूनियन आफ उत्तराखंड (रजि.) प्रदेश में श्रम कानूनों के तहत पत्रकारों की सबसे बड़ी यूनियन है। यूनियन (आईजेयू) इडियन जर्नलिस्ट यूनियन नई दिल्ली से संबद्ध है।

उन्होंने कहा यूनियन का उद्देश्य पत्रकारिता के उच्च आदर्शो व परंप. राओं को बनाए रखना व पत्रकार हितों के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा यह हमारा सौभाग्य है कि हरिद्वार जिले के अधिकांश पत्रकारों ने जर्नलिस्ट यूनियन में आस्था जताते हुए पत्रकार हितों के लिए एकजुट होकर लड़ने का संकल्प लिया है।

बैठक में हरिद्वार के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. शिव शंकर जायसवाल, वरिष्ठ पत्रकार गोपाल रावत, आईजेयू के राष्ट्रीय सचिव जयसिंह रावत, यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर प्रवीण मेहता, प्रदेश महामन्त्री गिरीश पन्त, प्रदेश कोषाध्यक्ष ललिता बलूनी, देहरादून जिला इकाई के अध्यक्ष मोहम्मद शाहनजर, जिला कोषाध्यक्ष ज्योति भट्ट, हरिद्वार जिला इकाई के अध्यक्ष प्रवीण झा, जिला महामन्त्री मनोज सिंह रावत व जिला कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार जिला इकाई के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का देहरादून पहुंचने पर प्रदेश पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया।

हेम्प के जागरूकता, दुरुपयोग और आजीविका साधन बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार, दिनांक 24 फरवरी, 2025 जिला मुख्यालय विकास भवन के सभागार में ''गोहेम्प एग्रोवेंचर्स' द्वारा ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना एवं एनआरएलएम के तत्वावधान में हेम्प (भांग) के जागरूकता, दुरुपयोग और आजीविका साधन बनाने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरिद्वार के सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीय सांसद का स्वागत किया।

कार्यशाला के दौरान अपने संबोधन में हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भांग (हेम्प) की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिमालय का यह बहुपयोगी पौधा रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य और ऊर्जा के लिए कच्चा माल प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि भांग के प्रत्येक भाग का अलग-अलग उपयोग है कृपत्तियाँ आयुर्वेदिक दवाओं में, बीज चटनी और तेल के लिए, रेशे कपड़े और रस्सी निर्माण में, लकड़ी भवन निर्माण के लिए तथा कागज, बायोप्लास्टिक, इंसुलेशन और बायोडीजल जैसे उत्पादों में इसका प्रयोग होता है। हेम्प से 500 से अधिक प्रकार के उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं और इससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाइयाँ भी बनाई जा सकती हैं। सांसद महोदय ने अपने संबोधन में पीपल, बरगद और नीम जैसे वृक्षों के महत्व पर भी बल दिया और इन्हें अधिक से अधिक संख्या में रोपने की अपील की। उन्होंने हेम्प कलेक्शन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सात महिलाओं को सम्मानित भी किया और हेम्प से बने उत्पादों का अवलोकन कर उनकी सराहना की। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने अपने संबोधन में गोहेम्प स्टार्टअप के कार्यों की सराहना करते हुए इसे महिलाओं के सशक्तिकरण और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि गोहेम्प स्टार्टअप के माध्यम से महिलाओं को हेम्प आधारित उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण और विपणन में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इससे न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है, बल्कि उनके सामाजिक स्तर में भी वृद्धि हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि हेम्प से बनने वाले उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल (ईको-फ्रेंडली) होते हैं, जो प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने और प्रदूषण को कम करने में सहायक हैं। हेम्प उत्पादों का निर्माण पारंपरिक सामग्रियों के स्थान पर किया जा सकता है, जिससे वनों की कटाई कम होगी और टिकाऊ विकास को बढ़ावा मिलेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन इस पहल को सफल बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगा, ताकि हरिद्वार जिले में स्थायी विकास और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सके। गोहेम्प एग्रोवेंचर्स के संस्थापक गौरव दीक्षित और नम्रता कंडवाल ने बताया कि अथर्ववेद में भांग को धरती के पाँच सबसे महत्वपूर्ण पौधों में से एक माना गया है। उत्तराखंड भारत का पहला राज्य है जहाँ इसे वैध रूप से उगाने का लाइसेंस लिया जा सकता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं का सृजन हो सकता है। उन्होंने बताया कि गोहेम्प ने प्राचीन भारतीय हेम्प भवन निर्माण तकनीक को पुनर्जीवित किया है, जिसके लिए इन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चौलेंज में सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम का सफल संचालन ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के जिला परियोजना प्रबंधक संजय सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान, जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, पूर्व विधायक मुकेश कोली, परियोजना निदेशक डीआरडीए के.एन. तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, बीडीओ बहादराबाद मानस मित्तल, बीडीओ रूड़की सुमन कुटियाल, जिला मिशन प्रबंधक सुश्री नलिनीत घिल्डियाल, अमित सिंह, बंबेंद्र रावत, शिवशंकर बिष्ट, मधुसूदन चौहान, काम सिंह, दरमियान सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारी एवं हेम्प के तहत रोजगार से जुड़ी महिलाएं उपस्थित रहीं।

योगलय केयर प्रा.लि. ने किया पतंजलि के 24 छात्रों का चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पतंजलि विवि में रविवार को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव में अनंत योगलय केयर प्रा.लि. ने योग साइंस विभाग के एमएससी., बीएससी., बीए, पीजीडीवाईए और पीजीडीवाईएस के अंतिम वर्ष के 24 छात्रों का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया। इस मौके पर पतंजलि विवि के प्लेसमेंट अधिकारी डा. विनय कुमार शर्मा ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ कैरियर के बेहतर अवसर प्रदान करना है। विवि में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला और उन्हें अच्छे कैरियर विकल्प प्राप्त हुए। चयनित छात्रों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए संस्थान और कंपनियों का आभार व्यक्त किया।

शारदीय कांवड़ यात्रा के अंतिम दौर में बढ़ी कांवड़ियों की भीड़

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अंतिम चरण में पहुंच चुकी शारदीय कावड़ यात्रा जोर पकड़ रही है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि से पहले गंगाजल लेने के लिए पहुंच रहे कावड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हरकी पैड़ी और नमामि गंगे घाट पर कावड़ियों का मेला लगा हुआ है। दूर-दूर से पहुंच रहे शिव भक्त कांवड़िए कंधे पर कांवड़ रखकर बोल बम के जयकारों के साथ अपने गंतव्य को लौट रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की ओर से कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए कई इंतजाम किए गए हैं। नीलधारा के पास कांवड़ियों के लिए लाइट, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था की गई है। वहीं ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए पुलिस की ओर से मेला क्षेत्र को अलग-अलग सेक्टर और जोन में बांटा गया है। एसएसपी में बताया कि

कांवड़ यात्रा के अंतिम तीन दिन ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किए जाएंगे और हैवी व्हीकल को शहर में प्रतिबंधित किया जाएगा। कांवड़ियों की सुरक्षित वापसी के साथ पुलिस उनकी सेवा में भी योगदान कर रही है। सोमवार को थाना पथरी पुलिस ने घोंटी चौक पर भंडारे का आयोजन किया और गंगा जल लेकर लौटरहे कांवड़ियों को हलवा, चना प्रसाद, चाय-पानी व फलाहार का वितरण किया। थाना श्यामपुर पुलिस ने भी रसियाबड़ में कांवड़ियों को भोजन, पेयजल व फलाहार वितरित किया।

वीडियो कॉल पर दी हत्या की धमकी, केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर कोतवाली क्षेत्र में एक रुद्राक्ष कारोबारी की पत्नी को वीडियो कॉल पर हत्या की धमकी देने के मामला सामने आया आया है। पुलिस ने पीड़ित को शिकायत पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मायापुर की विकास कालोनी सैनी अर्पाटमेंट निवासी श्वेता पत्नी प्रिंस अग्रवाल निवासी ने लिखित शिकायत देकर बताया कि उनके पति का रुद्राक्ष नग-नगीने का कारोबार है। उनके पति ने सौरभ सिंघल निवासी ऋषिकेश को नग नगीने सप्लाई किए थे। उनसे लेनदारी चली आती है। आरोप है कि लेनदारी को लेकर सौरभ के साथ विवाद हो गया। आरोप है कि वापस लौटने पर सौरभ ने कुछ लोगों को उनके घर भेजा। घर के बाहर चालक को पकड़कर मारपीट की गई। यही नहीं सौरभ सिंघल ने वीडियो कॉल कर हत्या की धमकी दी। नगर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ किया मंडल अध्यक्षों का स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर पालिका परिषद शिवालिक नगर के अध्यक्ष राजीव शर्मा के कैम्प कार्यालय में नवनियुक्त शिवालिक नगर मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी और केशव नगर मंडल अध्यक्ष बिन्दर पाल का पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। राजीव शर्मा ने कहा कि कैलाश भंडारी और बिन्दर पाल का चयन पार्टी के प्रति उनके समर्पण और कड़ी मेहनत को देखते हुए किया गया है। उनके नेतृत्व में हम शिवालिक नगर और केशव नगर क्षेत्रों में न केवल पार्टी को मजबूती देंगे। बल्कि जनता के बीच भरोसा और विकास की नयी राह खोलेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों मंडल अध्यक्ष मिलकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को हर घर तक पहुंचाएंगे और जनता की समस्याओं का समाधान करेंगे। नवनियुक्त शिवालिक नगर मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी ने पार्टी शीर्ष नेतृत्व व नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मेरे लिए एक बार पुनः दूसरी बार बड़ी जिम्मेदारी है। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि हर व्यक्ति को पार्टी की योजनाओं का लाभ मिले और समाज के सभी वर्गों तक हमारी पहुंच हो। केशव नगर मंडल अध्यक्ष बिन्दर पाल ने कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्टी के विकास के लिए कठिन परिश्रम करेंगे और जनता के बीच पार्टी का विश्वास और समर्थन बढ़ाएंगे। इस अवसर पर निवर्तमान सभासद पंकज चौहान व अजय मलिक, गौरव रोतेला, संचित डागर, रवि वर्मा, रिषभ शर्मा, अंशुल शर्मा, गौरव गुजर, वेदांत चौहान, रविन्द्र उनियाल, सुधांशु राय, पदम राजपूत, नितेश सिंह, अवनीश मिश्रा, सौरभ चौहान, गौरव चौहान, सौरभ सक्सेना, विशाल, रितेश गौड, दीपक, मोहित शर्मा, प्रणय चौरसिया, विक्रम बहल, विपुल चौहान आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकारी नौकरी दिलाने का झासा देकर लाखों की रकम हड़पी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी में युवक और उसके रिश्तेदारों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर तीन लाख 70 हजार की रकम हड़प लेने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़ितों को मेल व व्हाट्सएप पर नियुक्ति पत्र भेजे गए है। बाद में जानकारी जुटाने पर धोखाधड़ी का पता चला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को दी गई शिकायत में कृष्णानगर कनखल निवासी प्रतीक मदान पुत्र नवनीत लाल मदान ने बताया कि वर्ष 2020 में उनके मकान में किराये पर रहे हिमांशु कुमार पुत्र सुंदर लाल निवासी ग्वाटोली कपकोट बागेश्वर से अच्छी बातचीत हो गई थी। प्रतीक ने बताया, वह नौकरी की तलाश में था। इसी बीच पिछले साल जुलाई माह में हिमांशु उसके पास घर आया। उसने खुद की उत्तराखंड शासन व मुख्यमत्री कार्यालय में अच्छी बात होने का झांसा दिया। कहा, कभी-कभी बैक डोर से निकलने वाली भर्ती में वह नौकरी लगवा देगा। आरोप है कि उसने पीडब्लूडी चंबा में कलर्क के पद पर उसकी नौकरी लगवाने के लिए डेढ़ लाख मांगे। उसने पैसे दे दिए। फिर उसके रिश्तेदार वरुण सेठ, प्रार्ची सेठ निवासी कलकत्ता, अंकित वर्मा निवासी विष्णु गार्डन कनखल, तरूण मदान निवासी मिश्रा गार्डन कनखल, सुगंधा आनंद को भी नौकरी दिलाने का झांसा देकर पैसे ले लिए। आररोप है कि सभी से करीब 3.70 लाख रुपये लिए। मगर किसी की भी नौकरी नहीं लगी। आरोप है कि दबाव बनाने उसने पीडब्लूडी विभाग चम्बा नियुक्ति पत्र भेजा। उसमें निदेशक पीडब्लूटी के भी साइन थे। बाद में विभाग के नाम से बनी मेल से मुख्यमंत्री के लेटरपेड नियुक्ति पत्र भेजा। बाद में जानकारी जुटाने पर पता चला कि नियुक्ति पत्र फर्जी हैं और ऐसी कोई भर्ती नहीं निकली। एसओ मनोज नौटियाल ने बताया कि इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

गोदाम से लाखों का माल चोरी करने वाले कर्मचारी को दबोचा

चोरी का माल खरीदने वाला आरोपी के भाई को भी पुलिस ने दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गोदाम से लाखों के कंबल, बेडशीट चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए नगर कोतवाली पुलिस ने आरोपी दुकान कर्मचारी व उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया गया है। दुकान के गोदाम से चोरी किया गया माल आरोपी कर्मचारी के भाई की दुकान पर बेचा जा रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि रेलवे रोड पर काली कमली वाली धर्मशाला के समीप कंबल की दुकान चलाने वाले शम्भू नाथ शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। मामले का खुलासा उस वक्त हुआ जब दुकान स्वामी का पुत्र किसी काम से गाजीवाली गया और वहां एक दुकान पर अपने गोदाम का मामला बिकता देखा। वापस आकर उसने गोदाम में जांच पड़ताल की तो लाखों का माल गायब मिला। इसके बाद दुकान स्वामी ने कर्मचारी राजेन्द्र सिंह पुत्र बैशाख

सिंह निवासी गली न.-6 निकट विमल कोठी कांगडी थाना श्यामपुर को नामजद करते हुए पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस टीम ने नामजद आरोपी राजेन्द्र सिंह व उसके सगे भाई कुलदीप निवासी गाजीवाली बालाजी घाम थाना श्यामपुर हरिद्वार को दबोच लिया। पूछताछ करने पर 22 वर्षो से दुकान में नौकरी कर रहे राजेन्द्र ने बताया कि उसने लालच में आकर दुकान में काम करने वाले दूसरे कर्मचारी दीपक के साथ मिलकर दुकान व गोदाम से शॉल, कम्बल, जैकेट आदि सामान का गबन किया। गबन किए गए माल को गाजीवाली श्यामपुर में दुकान चलाने वाला उसका छोटा भाई कुलदीप खरीद लेता था और अपनी दुकान बिक्री करता था। फरार चल रहे कर्मचारी दीपक की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस टीम में एसआई सतेन्द्र भण्डारी, हे.कां. संजीव राणा, कां. आनन्द तोमर शामिल रहे।

अल्फाबेट स्कूल का वार्षिकोत्सव किया आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अल्फाबेट स्कूल का वार्षिकोत्सव भारत सेवा श्रम संघ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि महंत रामानंद, विधायक मदन कौशिक, पूर्व मेयर मनोज गर्ग, पार्षद शुभम मंडोला, एसएम स्कूल के प्रबंधक अभिजीत पवार, डा.अरुण कौशिक, नीरा कौशिक, कृष्णा कौशिक, दिव्या कौशिक ने दीप प्रज्वलित कर किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। स्कूल के छात्र-छात्राओं ने गणेश वंदनाकी प्रस्तुति और नृत्य प्रस्तुति द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों में मोबाइल की लत पर संदेश परक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। देश भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। एडवोकेट विकास शर्मा, एडवोकेट वैभव शर्मा ने भी छात्र-छात्राओं द्वारा दी गयी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के विद्यार्थियों अंशुमान, कौशिकी, वेद कौशिक, अद्विका अवंतिका, हरितवी, अथर्व, राघव, तीर्थ वर्मा, हर्षित गर्ग, ध्रुव शर्मा, शिवाय, पारस, अथर्व भटनागर, अरिहंत, अजितेश, लविश एवं अभिभावकों ने सहयोग दिया।

कार की डिमांड पूरी न होने पर विवाहिता को घर से निकाला

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में दहेज में 20 लाख की कीमत की कार की मांग पूरी नहीं होने पर मारपीट कर विवाहिता को घर से बाहर निकाल देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पति, ससुरालियों और शादी करवाने वाले बिचौलिये को नामजद कर लिया है। महिला हेल्पलाइन में दी गई शिकायत में दामिनी पुत्री दिनेश कुमार निवासी मोहल्ला कड़च्छ ज्वालापुर ने बताया कि ललित कुमार पुत्र सुशील कुमार निवासी ग्राम खानपुर थाना भगवानपुर से उसकी शादी 22 नवंबर 2023 को हुई थी। बिचौरिये सौराज निवासी सलेमपुर ने पिता को वर पक्ष के बारे में गलत जानकारी दी थी। उन्हें जल्द शादी करने के लिए उकसाया गया। आरोप लगाया कि पति ललित कुमार, ससुर सुशील कुमार, सास सरोज देवी, देवर विपुल कुमार ने मायके से 20 लाख की कीमत तक की कार लाने की मांग शुरू कर दी। उसका रोजाना कम दहेज लाने के लिए उत्पीड़न किया जाने लगा। आए दिन मारपीट की गई।

किसान नेता स्व. अश्वनी पाल की द्वितीय पुण्यतिथि पर किसानों ने दी श्रद्धांजलि

भाकिम उत्थान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव इरशाद अली के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सोमवार को भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव इरशाद अली के नेतृत्व में जमालपुर-जियापोता रोड स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पर किसान नेता स्व. अश्वनी पाल की द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान यूनियन के पदाधिकारियों ने किसान नेता स्व. अश्वनी पाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार सुखदेव सिंह वीर्क ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय अश्वनी पाल ने जीवन पर्यंत किसानों के हक के लिए संघर्ष किया। गन्ना समर्थन मूल्य, किसानों के कर्ज माफी एवं सस्ते बिजली, पानी एवं बीज उपलब्ध कराने जैसी मूलभूत समस्याओं को लेकर वह हमेशा ही किसानों के लिए आंदोलनरत रहे। उनका अभूतपूर्व बलिदान हमेशा ही स्मरणीय रहेगा। राष्ट्रीय महासचिव इरशाद अली ने कहा कि स्वर्गीय अश्वनी पाल किसानों के क्रांतिकारी नेता थे। उन्होंने हमेशा किसानों को एकजुट कर एक मंच पर लाने का प्रयास किया। उनका सरल एवं उदारवादी जीवन सभी के लिए प्रेरणादाई है। कृषि प्रधान देश में किसानों की आर्थिक हालात में सुधार के लिए उन्होंने हमेशा आवाज उठाई। यूनियन ऐसे महान जनप्रतिनिधि को नमन करती है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूनम पाल, सरिता, आदर्श गौतमी, मुन्नी देवी, चन्दा, विधि पाल, संगीता, यशपाल चौधरी, राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, विनोद कश्यप, ब्रह्मपाल सिंह, बृजेश प्रधान, संतोष पाल, संजय कुमार, रविंद्र चौधरी, प्रशांत चौधरी सुखपाल सिंह, सोनू लाल, राकित वालिया, अक्षय, दीपक, अमन चौधरी सहित बड़ी संख्या में किसान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मारपीट के मामले में क्रॉस मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में मालूली बात को लेकर तीर्थ पुरोहितों के परिवार के युवकों के बीच हुई मारपीट हो गई पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार क्रॉस मुकदमा दर्ज कर लिया है। एक पक्ष ने धर्मेश निवासी मोहल्ला देवतान ने पुलिस को तहरीर में बताया कि वह पुल जटवाड़ा पर खड़ा हुआ था, तभी चिराग और पराग निवासी मोहल्ला चाकलान ने आकर गाली गलौज शुरू कर दी और फिर मारपीट करने लगे। आरोप लगाया कि चिराग ने ईंट उठाकर उसके सिर में मार दी। इससे वह घायल हो गया। दूसरे पक्ष के पराग कौशिक ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर बताया कि 16 फरवरी की रात को वह अपने भाई चिराग के साथ हरिलोक तिराहा पर कुछ बात कर रहा था, तभी धर्मेश ने आकर रॉड से वार करने शुरू कर दिए। इससे वह लहूलुहान हो गया। भाई ने बचाव किया तो उस पर भी हमला कर दिया। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सूचना

चुनाव अधिकारी एवं सहायक चुनाव के पत्रांक सं0 909(4) दिनांकित 22.02.2025 के अनुसार सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्नातकोत्तर महाविद्यालय रोहालकी, किशनपुर, जिला हरिद्वार की प्रबन्ध समिति का त्रिवार्षिक चुनाव 11 मार्च 2025 दिन मंगलवार समय- 10:00 बजे प्रात:काल में सम्पन्न होना सुनिश्चित है। चुनाव से पूर्व साधारण सभा की बैठक प्रात:काल 10:00 महाविद्यालय सभागार में सम्पन्न होगी। बैठक में चुनाव सर्वसहमति के साथ सम्पादित कराने का प्रयास किया जायेगा। यदि साधारण सभा के उपस्थित सदस्य, प्रबन्ध समिति का चयन सर्व सहमति से कर लेते है तो यह चुनाव मान्य होगा। बैठक में चुनाव अधिकारी व सहयक चुनाव अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। सर्वसम्म्त चुनाव न होने की स्थिति में निम्नाकिंत चुनाव प्रक्रिया का पालन किया जायेगा। 1. चुनाव स्थल का नाम - सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्नातकोत्तर महाविद्यालय का सभाकार। 2. चुनाव सम्बन्धी बैठक - 11.03.2025 समय प्रात: 10:00 बजे से 11 बजे तक। 3. **चुनाव प्रक्रिया का समय व दिनांक-** 11.03.2025 को प्रात: 11 बजे से प्रारम्भ। अ- नामांकन का समय - प्रात: 11:00 बजे से 12:00 बजे मध्यान्ह तक। ब- नामांकन वापसी का समय - मध्यान्ह 12:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक। स- नामांकन पत्रों का परीक्षण - दोपहर 01:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक। द- प्रत्याशियों के नाम की घोषण - दोपहर 02:00 बजे। य- मतदान का समय - दोपहर 02:30 से 04:00 बजे अपरान्ह तक। र- मतगणना - 4:00 बजे अपरान्ह से परिणाम की घोषणा तक। **चुनाव परिणाम मान्य एवं स्वीकार्य होगा।** 4. चुनाव हेतु आवश्यक निर्देश :- क- नामांकन पत्र चुनाव अधिकारी से प्राप्त किये जा सकेंगे। एक प्रत्याशी एक पद हेतु नामांकन कर सकेगा। 1. अध्यक्ष, 2. उपाध्यक्ष, 3. सचिव, 4. उपसचिव, 5. कोषाध्यक्ष, 6. आय-व्यय निरीक्षण के साथ-साथ 9 प्रबन्ध समिति सदस्यों के पदों का नामांकन होगा। तत्पश्चात मतदान द्वारा चुनाव किया जायेगा। ख- मतदान चुनाव अधिकारी व सहायक चुनाव अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न होगा। यदि सहायक चुनाव अधिकारी मतदान के समय उपस्थित नहीं रहते तो भी चुनाव अधिकारी महोदय चुनाव कराने हेतु मान्य एवं अधिकृत रहेंगे। यह चुनाव मान्य होगा। ग- प्रत्येक साधारण सभा सदस्य को अपना आई0डी0 प्रूफ लाना अनिवार्य होगा।

निवर्तमान अध्यक्ष **निवर्तमान सचिव**

सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्नातकोत्तर महाविद्यालय रोहालकी, किशनपुर, जिला हरिद्वार

एक नजर

कड़ाके की ठंड के बीच आंधी तूफान

बागेश्वर। जिले में सुबह कड़ाके की ठंड शाम होते ही आंधी तूफान ने लोगों को परेशान किया। जबकि वहीं दिन में चटक धूप से लोग धूप सहन नहीं हो रही है। पिछले तीन दिनों से जिले में मौसम का मिजाज बिगड़ गया है। रविवार देर शाम ग्रामीण क्षेत्रों में आंधी तूफान के साथ हल्की बारिश हुई। जिससे एकएक ठंड में इजाफा हो गया। वही अभी भी जिले में सुबह कड़ाके की ठंड हो रही है। जबकि दोपहर होते ही चटक धूप सहन नहीं हो पा रही है। शाम होते ही आंधी तूफान से लोग परेशान है। बिगड़ते मौसम के मिजाज का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। लोगों को बुखार, खांसी, जुखाम आदि से परेशान किया हुआ है। मरीजों का जिला अस्पताल में तांता लगा हुआ है। चिकित्सकों ने लोगों से बदलते मौसम में लापरवाही न करने की हिदायत दी है।

शांतिपूर्वक चल रही हैं बोर्ड परीक्षाएं

बागेश्वर। जिले में उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्वक संचालित हो रही है। सोमवार को हाईस्कूल में विज्ञान तथा इंटर में शिक्षा शास्त्र का पेपर हुआ। प्रश्नपत्र अच्छा आने पर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। वह अच्छे नंबर के लिए मेहनत भी कर रहे हैं। मुख्य शिक्षाधिकारी जीएस सौन ने कहा कि 51 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जा रही है। सोमवार को हाईस्कूल विज्ञान में 3355 पंजीकृत थे। जिसमें 3304 ने परीक्षा दी। जबकि 51 अनुपस्थित रहे। वहीं, इंटर मीडिएट में शिक्षा शास्त्र प्रश्न पत्र में 155 पंजीकृत थे। 149 ने परीक्षा दी तथा छह अनुपस्थित थे। उन्होंने बताया कि कोई भी अनुचित साधन के साथ नहीं पकड़ा गया है।

गांव में विकास कार्य कराने की गुहार

बागेश्वर। जिले के जल्थाकोट से आए ग्रामीणों ने खनिज फाउंडेशन न्यास से गांव में विकास कार्य करवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने जिला. धिकारी कार्यालय परिसर में प्रदर्शन करते हुए डीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने गांव में पेयजल स्रोतों को दुरुस्त करने, पानी की टंकी की मरम्मत, नौले और धारों के जीर्णोद्धार, सुवा देवी और गंगनाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि स्वीकृत करने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पांच खड़िया की खानों का संचालन होता था, लेकिन उच्च न्यायालय के आदेश पर खनन रोक दिया गया है। उनका कहना है कि खनन के बावजूद खनिज न्यास का धन गांव के विकास कार्यों में नहीं लगाया गया है। इस मौके पर प्रदीप कुमार तिवारी, नवीन चंद्र तिवारी, महेश चंद्र तिवारी और कैलाश चंद्र तिवारी सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

नेत्रदान संकल्प केंद्र के माध्यम से किया जागरुक

काशीपुर। वसुधैब कुटुम्बकम् काशीपुर ने नेत्रदान संकल्प केंद्र के माध्यम से समाज को जागरुक करते हुए क्षेत्र में नेत्रदान के प्रति भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया। क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईएम के उत्तिष्ठा25 में वसुधैब कुटुम्बकम् काशीपुर ने नेत्रदान संकल्प केंद्र का स्टाल संचालित किया, जहां सैंकड़ो लोगों ने नेत्रदान के प्रति संकल्प लेकर अपने भ्रम को दूर किया। साथ ही लोगों ने नेत्रदान संकल्पफॉर्म भी भरे। वहीं सभी वर्ग के लोग वसुधैब कुटुंबकम् काशीपुर के स्टाल पर नेत्रदान से संबंधित क्विज का उत्तर देकर गिफ्ट जीतने को आतुर दिखे। इस अवसर पर वसुधैब कुटुम्बकम् काशीपुर से अजय अग्रवाल, अनुज सिंघल, सौरभ अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल, अंकुर मित्तल, अभिषेक पाठक, सीए सचिन अग्रवाल, समर्पित अग्रवाल, विदुषी पाठक, रूमा अग्रवाल, रिया अग्रवाल आदि सदस्य भी उपस्थित रहे।

कांवरियों के लिए की पथप्रकाश की व्यवस्था

काशीपुर। पहली बार किसी चुने हुए जनप्रतिनिधि द्वारा कांवरियों के दर्द को समझते हुए ढेला पुल के ऊपर लाइट की वैकल्पिक व्यवस्था कराकर शिव भक्तों की समस्या का समाधान किया गया। यह वैकल्पिक व्यवस्था श्री बाली ने अपने खुद के खर्चे पर कराई। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष हजारों शिव भक्त हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लेकर आते हैं। बैलजुड़ी मोड़ के पास ढेला पुल पर अंधेरा रहने से कांवरियों को रात में सफर करने में बहुत परेशानियां होती थीं। इस बार महापौर दीपक बाली ने इस समस्या का संज्ञान लिया और उन्होंने अपने खर्चे पर जनरेटर रखवा कर पुल के ऊपर वैकल्पिक व्यवस्था कर रोशनी कराई। अब रात में शिव भक्तों को इस पुल से गुजरने पर कोई परेशानी नहीं होगी। इस कार्य को करने में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष लवीश अरोरा तथा कोषाध्यक्ष राहुल पैगिया का भी काफी सहयोग रहा।

मीडिया सेंटर ने कांवरियों को बांटे फल

काशीपुर। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा के लिए काशीपुर मीडिया सेंटर की ओर से यहां एमपी चौक के समीप विशेष सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पत्रकारों ने कांवरियों को फल और पानी वितरित कर सेवा कार्य किया। कार्यक्रम में एसडीएम अभय प्रताप और काशीपुर मेयर दीपक बाली भी मौजूद रहे। काशीपुर मीडिया सेंटर के अध्यक्ष दिलप्रीत सेठी के नेतृत्व में इस सेवा अभियान को अंजाम दिया गया। संस्था से जुड़े समस्त पत्रकारों ने श्रद्धालुओं को ठंडा पानी, फल और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई। मीडिया सेंटर के अध्यक्ष दिलप्रीत सेठी व मेयर दीपक बाली ने कहा कि कांवड़ियों की सेवा करके सुकून मिलता है। एसडीएम अभय प्रताप सिंह ने इस पुनीत कार्य के लिए काशीपुर मीडिया सेन्टर की सराहना की। कार्यक्रम में मुक्ता सिंह के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पत्रकारबंधु उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य पुरस्कार किए वितरित

मुख्य संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को राजभवन में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए स्काउट्स और गाइड्स संगठन की सेवा भावना की सराहना की।

प्रादेशिक मुख्यालय भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, उत्तराखण्ड की ओर से राजभवन में आयोजित राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरण समारोह में 63 स्काउट, 51 गाइड, 31 रोवर, 27 रेंजर एवं 22 यूनिट लीडर, कुल 194 प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस रैली के माध्यम से गत वर्षों 2019, 2021, 2022, 2023 एवं 2024 के राज्य

समारोह में 63 स्काउट, 51 गाइड, 31 रोवर, 27 रेंजर एवं 22 यूनिट लीडर सहित 194 प्रतिभागी पुरस्कृत

पुरस्कार प्रमाण पत्र जनपदों को प्रदान किए गए जिसमें विद्यालय एवं महाविद्यालय दोनों सम्मिलित हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर उप राष्ट्रपति अवार्ड मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले जनपद नैनीताल और ऊधमसिंह नगर को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस वर्ष डायमंड जुबली ''जम्बूरी'' दिनांक 28 जनवरी 2025 से 03 फरवरी 2025, तमिलनाडु में सम्पन्न हुई। इस जम्बूरी में उत्तराखण्ड प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 16 प्रतियोगिताओं में जनपद अल्मोडा, नैनीताल, पिथौरागढ, हरिद्वार, देहराद. ून, पौड़ी, उत्तरकाशी ने 'ए' तथा 'बी' ग्रेड प्राप्त किया, इस हेतु इन जनपदों को कुल 07 प्रशंसा पत्र दिए गए। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ऐसा संगठन है जो समर्पण और सेवा की भावना से कार्य कर रहा है। उन्होंने आपदा, दुर्घटनाओं और अन्य संकट के समय सबसे पहले राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु संगठन की सराहना की। राज्यपाल ने संगठन के सदस्यों को उनके निस्वार्थ सेवा कार्यों के लिए सराहा और समाज सेवा की इस भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, नशा मुक्ति जागरूकता अभियान, और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंनें इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि उत्तराखण्ड में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों की संख्या 50 हजार से अधिक हो गई है, राज्यपाल ने इस संख्या को और बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस संगठन से जुड़कर समाज सेवा, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को मजबूत करें। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के प्रादेशिक मुख्यायुक्त डॉ. मुकुल कुमार सती, प्रादेशिक आयुक्त श्रीमती वंदना गर्ब्याल, प्रादेशिक सचिव रवीन्द्र मोहन काला, प्रादेशिक संगठन आयुक्त बी. एस. बिष्ट सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरंकारी मिशन ने चलाया सफाई अभियान

अल्मोड़ा। संत निरंकारी मिशन के सेवादल ने कोसी क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। इस दौरान बाजार क्षेत्र में जागरुकता रैली निकालकर स्थानीय ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। फैले कूड़े को एकत्र कर उसका निस्तारण किया गया।

बाबा हरदेव सिंह की स्मृति पर संत निरंकारी मिशन के सेवादल ने कोसी क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। साथ ही लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कोसी नदी और बाजार में चलाए गए अभियान में लोगों से कूड़े को तय जगह पर ही एकत्रित करने की अपील की गई। इसके अलावा नदी किनारे उगी झाड़ियों को हटाकर सफाई की गई। इस दौरान लोगों को स्वच्छता का संदेश भी दिया गया। संयोजक खीम सिंह रैकुनी ने कहा आगे भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि तेजी से सूख रहे प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण आवश्यक हो गया है। यहां तारा बिष्ट, माया गुरंग, सुरेश पांडे, नंदा बल्लभ तिवारी, स्नेहा निरंकारी सहित कई स्वयंसेवक मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद डा.नरेश बंसल ने महाकुंभ पहुंच लगाई संगम में डुबकी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष व सासंद राज्यसभा डा. नरेश बंसल सोमवार की सुबह महाकुंभ मेले में प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने संगम में डुबकी लगाई। मां गंगा की पूजा-अर्चना की ।

डा. नरेश बंसल ने महाकुंभ में संगम तट पर पत्नि समेत संगम मे आस्था की डुबकी लगाई। साथ ही देशवासियों के कल्याण की कामना की।डा. नरेश बंसल ने विश्व कल्याण और सनातन संस्कृति की समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि तीर्थराज प्रयाग सभी के मनोरथ पूर्ण करें। हमारे चिंतन और चेतना को सशक्त करें।

विश्व का कल्याण करें, यही कामना है। संगम स्नान के बाद डा. नरेश बंसल ने कहा कि 144 साल मे आने वाला यह महाकुंभ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की महिमा और सनातन परंपरा की अखंडता का जीवंत प्रमाण है।इस महापर्व में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुण्य अर्जित करने आते हैं, जिससे इसकी वैश्विक प्रतिष्ठा सिद्ध होती है।उन्होंने कहा कि महाकुंभ केवल एक महोत्सव नहीं है, बल्कि सनातन संस्कृति की दिव्य धारा है, जहां आस्था, श्रद्धा और अध्यात्म का पवित्र संगम होता है और इसके माध्यम से पूरी दुनिया में भारत की आध्यात्मिक शक्ति का संदेश जाता है। डा. नरेश बंसल ने रविवार को संगम क्षेत्र स्थित लेटे हनुमान ,अक्षयवट और सरस्वती कूप के दर्शन-पूजन कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की।

उमा नरेश बने महानगर स्कूल वैन एसोसिएशन देहरादून अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। महानगर स्कूल वैन एसोसिएशन देहरादून की एक बैठक में 11 स्कूलों का प्रतिनिधित्व रहा। बैठक का संचालन पवन मेंहदीरत्ता ने किया।

बैठक में विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई, जिसके बाद सभी वैन चालकों ने एक नई महानगर स्कूल वैन एसोसिएशन का गठन किया। सर्वसम्मति से एसोसिएशन का अध्यक्ष उमा नरेश तिवारी को मना. ेनीत किया गया। अध्यक्ष उमा नरेश तिवारी ने अपनी कार्यकारिणी का गठन किया ,जिसमें उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, महामंत्री मनोज कुमार ,कोषाध्यक्ष हर्ष कुमार मेंहदीरत्ता ,मंत्री सचिन कुमार जैस्वाल ,मीडिया प्रभारी आशीष शर्मा, प्रचार मंत्री

सन्नी चौधरी, सोशल मीडिया भरत को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। साथ ही में विभिन्न स्कूलों के प्रमुख प्रतिनिधि का भी चयन किया गया।

कॉन्वेंट स्कूल से विमल कुमार, सेंट जोसेफ एकेडमी से राजेश शर्मा, ब्राइट लैंड से पवन कुमार मेंहदीरत्ता, दून बोलोसम से शिव सिंह चौहान, डीपीएस से अजयपाल, दून इंटरनेशन से भास्कर दुबे, सेंट थॉमस से गौरव, हिल ग्यारेंज से मंजीत सेठी ,टाइम्स वाड्र्स से अभिषेक कुमार को मना. ेनीत किया गया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष उमा नरेश तिवारी सभी चालको एवं मालि. कों का धन्यवाद ज्ञापित और कहा कि स्कूल वैन चालक प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की परेशानियों से जूझ रहे हैं। उनकी परेशानियों का निराकरण शासन एवं प्रशासन द्वारा करवाने का प्रयास किया जाएगा ताकि स्कूल वैन चालक अपना जीवन सुचारु रुप से यापन कर सके। एसोसिएशन की प्राथमिकता रहेगी कि सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत परेशानी ना हो।

बैठक में मनीराम जायसवाल, पवन,संतोष नेगी, विनोद रावत ,चंद्रशेखर जोशी, विकास राजपूत, सुनील चौहान, श्याम सुंदर गुप्ता, रजनीश कश्यप, नईम, कमल, अभिजीत भंडारी ,प्रदीप पाल ,उपेंद्र यादव, अरविंद भट्ट, महेश भट्ट, दिलशाद आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा शुरू

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। पुलिस लाइन बागेश्वर में पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा का एसपी चंद्रशेखर घोड़के की उपस्थिति में शुरू की गई। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष व पारदर्शी करने के लिए जनपद पुलिस तैयार है। कड़ी निगरानी के साथ सभी माप दंडों की परख की जाएगी। पुलिस लाइन में शुरू हुई भर्ती परीक्षा में पहले दिन अभ्यर्थियों के पूर्ण दस्तावेज जांचे गए। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिये शारीरिक मानक/दक्षता परीक्षा की सभी स्पर्धाओं की आयोग के निर्देशानुसार वीडियोग्राफी की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया में पुलिस द्वारा पूरी चौकसी बरती हुई है। ताकि पुलिस भर्ती मैदान के आस पास अराजक तत्वो पर पैनी नजर रखी जा

सके। अभ्यर्थियों के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति का प्रवेश भर्ती मैदान के आस-पास पूर्ण रूप से वर्जित रखा गया है। शारीरिक मानक दक्षता प्रतियोगिताओ में सर्वप्रथम नापजोख (ऊंचाई-छाती), बाल थ्रो, लंबी कूद, चिनअप, दण्ड बैठक, पुसअप के बाद दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक बागेश्वर चंद्रशेखर घोडके (अध्यक्ष चयन समिति), अपर पुलिस अधीक्षक नैनीताल जगदीश चन्द्र (सदस्य चयन समिति), सहायक सेनानायक 46 वी वाहिनी पीएसी प्रतिमा भट्ट (सदस्य चयन समिति), पुलिस उपाधीक्षक बागेश्वर अजय लाल शाह द्वारा के भर्ती सभी इवेन्टों का निष्पक्षता से पर्यवेक्षण किया गया।

विवाहिता ने विषपान कर जीवनलीला समाप्त की

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। कपकोट के गुलेर गांव निवासी विवाहिता ने विषपान कर अपनी जीवन लीला समाप्त की। सोमवार को जब विवाहिता की हालत खराब हुई तब परिजन उसे तत्काल सीएचसी कपकोट लाए। जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल से घटना की जानकारी पुलिस थाना कपकोट को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। तथा शव का पीएम करवाया। पुलिस से मिली जानक. ारी के अनुसार गुलेर गांव निवासी 42 वर्षीय गीता देवी पत्नी हीरा सिंह को परिजन गंभीर अवस्था में सीएचसी कपकोट में लाए। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला ने घर में रखा जहर गटक लिया। थानाध्यक्ष खुशवंत सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। जहरीला पदार्थ गटकने से मौत होने की बात सामने आ रही है। मामले की जांच की जा रही है। मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगी। मृतका का पति जम्मू कश्मीर में सेब के बगीचे में काम करता है, मृतका के तीन बच्चे हैं। सबसे बड़ी लड़की की शादी हो चुकी है। घर में लगभग 80 वर्ष की सास और दो बच्चे रहते हैं।

ऑनलाइन कार्य: हड़ताल पर रहे अधिवक्ता

उत्तराखण्ड सरकार पर अधिवक्ताओं के हितों को प्रभावित करने का इल्ज़ाम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा बैनामे, वसीयत, विवाह पंजीकरण आदि को ऑनलाइन करने के दिये गये आदेश के विरोध में आज काशीपुर बार एसोसिएशन के समस्त अधिवक्ता कार्य बंद कर हड़ताल पर रहे।

इस दौरान अधिवक्ताओं ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के नाम पर अधिवक्ताओं के हितों को प्रभावित करने का काम किया जा रहा है। अधिवक्ताओं के जो संवैधानिक अधिकार भारतीय संविधान में मिले हैं, सरकार द्वारा उनको खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है और अधिवक्ताओं को बेरा. ेजगार किया जा रहा है जिससे उनकी

रोजी-रोटी पर भी संकट उत्पन्न हो रहा है। उक्त आदेश से अधिवक्तागणों के विधि व्यवसाय को बड़ी हानि होगी और जिसके कारण 90 प्रतिशत से अधिक अधिवक्ता व उनके साथ कार्य कर रहे लिपिक, कातिब, अन्य कर्मचारीगण बेरोजगार हो जाएंगे। इसके साथ-साथ ऑनलाइन रजिस्ट्री आम जनता के हित में भी नहीं है क्योंकि आम जनता के कानून की जटिलताओं एवं रजिस्ट्रेशन की तकनीक से अनभिज्ञ होने के कारण साइबर ठगों व समाज में फैले आपरा. धिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों एवं भू-माफियाओं द्वारा व्यापक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से अपनी फर्जी उपस्थिति दिखाकर भ्रष्ट अधिकारी व कर्मचारियों की मिलीभगत से सरक. ारी एवं गैर सरकारी भूमि के साथ कम पढ़े लिखे लोगों की भूमि को भी रजिस्ट्री के द्वारा अपने नाम कर आम जनमानस को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश कुमार चौबे, अनूप शर्मा, नृपेंद्र कुमार चौधरी, सूरज कुमार, सौरभ शर्मा, हिमांशु बिश्नोई, सतपाल सिंह बल, दुष्यंत चौहान, रश्मि पाल, विजय सिंह, हरि सिंह नेगी, मनोज जोशी, सनत पैगिया, उमेश जोशी, आनन्द रस्तोगी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

ईंधन बचाने के लिए किया प्रेरित

अल्मोड़ा। इंडेन गैस सर्विस अल्मोड़ा और धारानौला द्वारा सोमवार को नगर में संयुक्त रूप से सक्षम रैली आयोजन किया गया। आईओसीएल के प्रबंधक रोहित गुप्ता द्वारा रैला को संचालित किया गया। रैली के माध्यम से उपभोक्ताओं को ईंधन बचाने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही शुद्ध ईंधन के फायदे बताए गए। रैली चौघानपाटा स्थित अल्मोड़ा गैस सर्विस के कार्यालय से शुरू होकर बाजार क्षेत्र से वापस चौघानपाटा में समाप्त हुई। कार्यक्रम में प्रबंधक अल्मोड़ा मुकेश जलाल, प्रबंधक धारानौला पन सिंह मेर, मति सरस्वती देवी, हेमा जोशी, नीमा जोशी, हंसा दत्त भट्ट, बंशीधर खोलिया, दरबान सिंह रौतेला, हरीश भंडारी, गगन सिंह, बच्चे सिंह बिष्ट, आनंद सिंह आदि मौजूद रहे।

नंदा गौरा योजना के आवेदनों का परीक्षण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नंदा गौरा योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी की अध्यक्षता में विकासभवन सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में नंदा गौरा योजना के अंतर्गत 12वीं पास बालिकाओं के लिए 51 हजार रुपए की आर्थिक सहायता एवं बालिकाओं के जन्म पर दिए जाने वाली 11 हजार रुपए की आर्थिक सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों पर चर्चा हुई। जिला कार्यक्रम अधिकारी पीतांबर प्रसाद ने बैठक में बताया कि सभी आवेदन नंदा गौरा योजना के पोर्टल पर ही प्राप्त किए जाते हैं। जनपद में सभी विकासखंडों के इस योजना के तहत 817 आवेदन बालि. का जन्म के तथा 2795 आवेदन 12वीं पास बालिकाओं के हैं। आवे. दनों को सुपरवाइजर एवं विकासखंडों में तैनात बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा परखा जाता है। तत्पश्चात आवेदन जिला स्तरीय समिति के सम्मुख आते हैं तथा जिला स्तरीय समिति द्वारा संस्तुति के बाद उन्हें शासन को प्रेषित किया जाता है। बैठक में समिति द्वारा रैंडमली 51 आवेदनों का परीक्षण किया गया तथा सभी आवेदनों को सही पाया तथा शासन को प्रेषित किए जाने के लिए अपनी सहमति प्रदान की। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों को वर्ष में न्यूनतम दो बार समिति की बैठक बुलाकर शासन को प्रेषित किए जाने की व्यवस्था बनाई जाए। ऐसा करने से सभी आवे. दनों का परीक्षण करने में सहूलियत रहती है। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरसी पंत, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक चंदन सिंह बिष्ट, सहायक कोषाधिकारी इंद्र सिंह बिष्ट समेत बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं सुपरवाइजर मौजूद रहे।

डायलिसिस संचालन की मांग

अल्मोड़ा। मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य को ज्ञापन सौंप डायलिसिस सुविधा दिलाने की मांग उठाई। कहा कि डायलिसिस के लिए महानगरों की दौड़ लगानी पड़ रही है। ज्ञापन में कहा कि अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में अभी भी मरीजों को कई सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इसमें से एक डायलिसिस सेवा भी है। मेडिकल कॉलेज का संचालन होने के बाद भी हंस फाउंडेशन के डायलिसिस सेंटर किडनी रोगियों को राहत दे रहे हैं। यहां उचित व्यवस्था नहीं होने पर मरीजों को डायलिसिस के लिए महानगरों की दौड़ लगानी पड़ रही है। पार्षद वैभव पांडे, चंचल दुर्गापाल, इंतिखाब कुरैशी, दीपक कुमार, तुलसी देवी, गुंजन चम्याल, विकास कुमार, अनूप भारती, प्रदीप आदि मौजूद रहे।

सतत विकास और नवाचार पर चर्चा

एमआईईटी कुमाऊं में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, विशेषज्ञों ने रखे विचार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एमआईईटी कुमाऊं कॉलेज में 'सतत विकास के लिए कृषि विज्ञान, स्टैम और स्वास्थ्य में उभरते रुझान' विषय पर दो दिवसीय अंत. रराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूएसर्क) के सहयोग से हुए इस सम्मेलन का उद्घाटन सोबन सिंह जीना विश्व. विद्यालय, अल्मोड़ा के वाइस चां. सलर डा. सतपाल सिंह बिष्ट, उत्तराखंड बायोटेक्नोलॉजी काउंसिल के निदेशक डा. संजय कुमार, उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के पूर्व निदेशक डा. आरसी मिश्रा सहित

अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। सम्मेलन में 307 शोध पत्रों में से पहले दिन 183 पर गहन चर्चा हुई। शोधकर्ताओं ने कृषि, जीवन विज्ञान, रसायन, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि डा. सतपाल बिष्ट ने पहाड़ी कृषि के लिए ठोस नीतियों की जरूरत पर बल दिया, जबकि डा. संजय कुमार ने कहा कि उद्यमिता विचारों की शक्ति पर निर्भर करती है। डा. आरसी मिश्रा ने श्रीमद्भागवत गीता को सतत विकास से जोड़ते हुए बताया कि इसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी से परे ज्ञान समाहित है। सम्मेलन में अटल इनोवेशन मिशन के इनोवेशन लीड सोहेल शेख ने नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने की जानकारी दी। इस दौरान शोधपत्र कॉन्फ्रेंस पुस्तिका का विमा. ेचन हुआ। यूनिवर्सिटी ऑफ क्वाजुलुनतल, साउथ अफ्रीका के प्रो. अनेश कुमार महाराज, पंतनगर विश्वविद्यालय की डा. छाया शुक्ला, ग्राफिक एरा की डा. पुष्पा नेगी समेत विभिन्न विशेषज्ञों ने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एमबी गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के प्रो. डा. नवल किशोर लोहानी, प्रो. डा. नरेंद्र कुमार सिंह, प्रो. डा. एके प्रतिहार, मारवाड़ी यूनिवर्सिटी, गुजरात के प्रो.डा. सुशील कुमार सिंह और डा. एएस जादौन ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सह-समन्वयक वात्सल्य शर्मा, सोनम भंडारी, चरनजीत सिंह, नेहा रौतेला, प्रिंसिपल नर्सिंग उषा पॉल, प्रिंसिपल शेफाली, अजय चौधरी, अखिल गौतम, मनोज, हेड हेमा नेगी, तारादत्त तिवारी, विमला, आकांशा, ललिता आदि उपस्थित रहे।

यूजेवीएन लिमिटेड
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
मुख्य कार्यालयः "उज्जवल" महारानी बाग, जी० एम० एस० रोड, देहरादून-248006
दूरभाषः 0135-2763808, फैक्स नं0 0135-2763507,
CIN No. U40101UR2001SGC025866 वेबसाइटः www.ujvnl.com
UJVNL

पत्रांकः 145 दि0: 24.02.2025

ई-निविदा सूचना

कार्यालय अधिषासी अभियन्ता (वि0/या0) एसएचपी, यूजेवीएन लि0, गुप्तकाशी इच्छुक निविदा दाताओं से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत हैः

निविदा सं0: 09/ अ0अ0(वि0/या0-एसएचपी)/ कालीगंगा-दितीय/ 2024-25: कालीगंगा दितीय एसएचपी (2x2.25 MW+15% COL), तहसील उखीमठ जिला रूद्रप्रयाग में यूनिट 1 के एमआईवी का रिसाव रोकने का कार्य और विविध वस्तुओं की आपूर्ति, इंस्टालेशन एवं परीक्षण कार्य।

अनुमानित लागतः रू0 1199600/-, जीएसटी अतिरिक्त

वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथिः 24.02.2025 17:00 बजे

निविदा जमा करने की अन्तिम तिथिः 21.03.2025,11:00 बजे तक

अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाइट **"www.ujvnl.com"** से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

अधिशासी अभियन्ता (वि0/या0) एसएचपी

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

पुलिस और प्रशासन पर परेशान करने का इल्ज़ाम

नगर निगम के गेट पर रेहड़ी, फड़ कारोबारियों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रेहड़ी और ठेला व्यवसायियों ने सोमवार को एकजुट होकर पुलिस और प्रशासन पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए नगर निगम दफ्तर पहुंचकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान रेहड़ी और ठेला व्यवसायियों ने कहा कि उनकी घोर उपेक्षा की जा रही है और उन्हें पिछले कई वर्षों से वेंडिंग जोन नहीं दिया जा रहा है। जिससे उनके कारोबार पर गंभीर असर पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि प्रशासन ने हल्द्वानी में 31 वेंडिंग जोन बनाने का दावा किया था, लेकिन यह जोन सही तरीके से संचालित नहीं हो रहे हैं। जिन व्यवसायियों को वेंडिंग जोन के लिए आई-कार्ड जारी किए गए थे, उन्हें इन जोनों में काम करने की

अनुमति नहीं दी जाती। इससे व्यवसायियों के सामने रोज़ी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है। व्यापारी नेताओं ने आरोप लगाया कि पूर्व में हल्द्वानी के मेयर ने वेंडिंग जोन देने का आश्वासन दिया था, लेकिन दस साल बीत जाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। नगर निगम और प्रशासन वेंडिंग जोन तो बनाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद इन्हें बिना सूचना के हटा दिया जाता है। जब व्यापारियों ने इन जोनों में अपना कारोबार शुरू किया, तो पुलिस और नगर निगम की टीम वहां पहुंचकर उनके रेहड़ियां और सामान को जब्त कर लेती है। व्यापारियों का कहना है कि संविधान ने उन्हें व्यवसाय करने का अधिकार दिया है, लेकिन प्रशास. निक दखलअंदाजी और उत्पीड़न के कारण वे अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। कई ठेला व्यवसायी बैंक से लोन लेकर अपना व्यवसाय चला रहे हैं। लेकिन बार-बार उत्पीड़न के कारण उनका आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। प्रदर्शनकारी व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वह नगर निगम और जिला प्रशासन के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखेंगे। उनका कहना है कि अगर प्रशासन उनकी समस्याओं का शीघ्र ही समाधान नहीं करता, तो वह उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

दो सटोरिये गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीती रात्रि बनभूलपुरा ने अलग-अलग स्थानों से सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सटोरियों के पास से पुलिस ने सट्टे की पर्चियां व 2350 रूपये की नगदी बरामद की है। रविवार की रात्रि बनभूलपुरा थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी की अगुवाई में जुआ सट्टा करोबार पर अंकुश लगाने को लेकर रात्रि गश्त कर रही थी तभी टीम ने सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए खालिद उर्फ राजू पुत्र मो. ताहिर निवासी लाइन नंबर-17 गफूर हलवाई के पास बनभूलपुरा को सट्टे की पर्चियां व 1180 रूपये की नगदी के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी ओर टीम ने गश्त के दौरान लाइन नंबर-18 बनभूलपुरा निवासी अखलाक हुसैन पुत्र अल्ताफ को भी रंगेहाथ सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए गिरफ्तार किया। अखलाक के पास से 1170 रूपये की नगदी के साथ सट्टे की पर्चियां बरामद की। पकड़े गए सटोरियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

कुमाऊं विश्वविद्यालय की भूमि से हटवाया अतिक्रमण

बार-बार नोटिस के बावजूद नहीं मान रहे थे अतिक्रमणकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय की भूमि पर अवैध रूप से काबिज लोगों

पर कुमाऊं विश्वविद्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुमाऊं विश्वविद्यालय में 15 और डीएसबी परिसर क्षेत्र में हुए 2 अवैध अतिक्रमण को मुक्त कराया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान विश्वविद्यालय की टीम को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। जिसके बाद विश्वविद्यालय की टीम में डीएसबी क्षेत्र में बने दो अतिक्रमण को ध्वस्त कर वापस लौट गई। जानकारी देते हुए कुमाऊं विश्व. विद्यालय के कुलसि. चव मंगल सिंह मंन्द्रवाल ने बताया कुमाऊं विश्वविद्यालय और डीएसबी परिसर से रिटायर्ड कर्मचारियों समेत कुछ अन्य लोगों ने विश्वविद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण कर लिया था जिसको हटाने के लिए कई बार विश्वविद्यालय प्रशासन ने नोटिस जारी किए थे। इसके बावजूद भी अब तक किसी भी अतिक्रमणकारियों ने अपना अतिक्रमण नहीं हटाया। बार-बार चेतावनी के बावजूद भी जब रिटायर्ड कर्मचारियों व अन्य लोगों ने अपना अतिक्रमण नहीं हटाया तो अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान टीम प्रो. एमसी जोशी, प्रो. नीता बोरा शर्मा, प्रो. हरीश बिष्ट, डा. सीमा चौहान, जेई अतुल कुमार, संजय पंत व प्रभारी सम्पत्ति कुलदीप सिंह मौजूद रहे।

स्थानीय लोगों ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

डीएसबी परिसर से लगे क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने गई विश्वविद्यालय की टीम को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा तो वहीं स्थानीय लोगों ने विश्वविद्यालय पर अतिक्रमण के नाम पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। स्थानीय ममता चमियाल बताती हैं विश्वविद्यालय के लोग लगातार उनको अतिक्रमणकारी बताते हुए बिना नोटिस जारी कर उनके घर तोड़ने के लिए पहुंच रहे हैं। जहा उनका घर बना है उस जगह पर कई पीढ़ियां से रह रहे हैं। जिस भूमि को विश्वविद्यालय अपनी बताते हुए उन्हें नोटिस जारी कर रहा है वह विश्वविद्यालय की नहीं है ना ही विश्वविद्यालय के पास उसे भूमि के दस्तावेज और मानचित्र हैं। विश्व. विद्यालय के कर्मचारी समय-समय पर उन्हें अतिक्रमण कार्य बताते हुए लगातार धमकाते रहते हैं जिसका स्थानीय लोग अब विरोध कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के अधिकारी जबरन लोगों को नियम विरुद्ध तरीके से नोटिस जारी कर घर खाली करने का दबाव बना रहे हैं। जिस भूमि पर विश्वविद्यालय अपना अधिकार कर अतिक्रमण हटा रही है वह भूमि विश्वविद्यालय की नहीं है। कार्रवाई के नाम पर पुलिस को बुलाकर बंद घरों को तोड़ते हुए स्थानीय लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। जिसका स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं।
मनोज जोशी, सदस्य मंडी समिति।

डीएसबी परिसर को आसपास के क्षेत्र में अतिक्रमण को हटाने के लिए 2018 से नोटिस जारी किए थे जिनके खिलाफ आज कार्रवाई की गई है। कुछ लोगों ने कार्यवाई का विरोध करते हुए विश्वविद्यालय पर उनकी भूमि ना होने का आरोप लगाया है। जल्द ही प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर अतिक्रमण वाली भूमि का सर्वे कराया जाएगा। मंगल सिंह
मंन्द्रवाल, कुलसचिव कुमाऊं विश्वविद्यालय।

रंगोत्सव 15 मार्च को

उत्तराखंड, काशी की वर्चुअली बैठक में तिथि निर्धारित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। होली पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति अब पूरी तरह से स्पष्ट हो गई है। सोमवार को देश के विभिन्न राज्यों की ऑनलाइन बैठक संपन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि रंगोत्सव का त्यौहार होली 15 मार्च को मनाई जायेगी। होली पर्व निर्णय सभा उत्तराखंड, काशी

विद्वत परिषद, पंचतत्व विद्वत परिषद के तत्वाधान में उपस्थित बुद्धिजीवियों और विद्वानों द्वारा सोमवार को ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। ऑनलाइन बैठक में होली पर्व की तिथि को लेकर विचार-विमर्श किया गया और त्योहारों की एकरूपता पर चर्चा की गई। बैठक में सभी विद्वानों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि होली पर्व 15 मार्च 2025 (शनिवार) को मनाया जाएगा। बैठक का आयोजन पर्व निर्णय सभा उत्तराखंड, 'काशी विद्वत परिषद' और 'पंचतत्व विद्वत परिषद' के तत्वावधान में किया गया था। बैठक की अध्यक्षता आचार्य पवन पाठक और डा. जगदीश चंद्र भट्ट ने की। इसके अतिरिक्त, काशी विद्वत परिषद के सचिव अमित मिश्रा, डा. नवीन चंद्र जोशी, डा. मंजू जोशी, आचार्य वसंत वल्लभ त्रिपाठी, उमेश त्रिपाठी, हरीश जोशी और डा. राम भूषण बिजलवान सहित कई प्रमुख विद्वानों ने धर्मानुसार अपने विचार अपने-अपने व्यक्त किए और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि होलिका दहन 13 मार्च की रात 11 बजकर 4 मिनट से 12बजकर 25 मिनट तक किया जाएगा, जबकि रंगोत्सव (छलड़ी) 15 मार्च को मनाई जायेगी।

महाशिवरात्रि पर बन रहा दुर्लभ संयोग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। वर्ष भर में पड़ने वाली सभी शिवरात्रियों में महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। वैसे तो महा. शिवरात्रि मनाने की अनेक कथाएं है। लेकिन मुख्य रूप से महाशिव. रात्रि पर्व शिव एवं माता पार्वती के विवाह की प्रसन्नता की अनुभूति करने के लिए मनाई जाती है। महा. शिवरात्रि के पर्व पर इस बार कुछ ऐसे दुर्लभ संयोग बन रहे हैं, जो भारत में ही नहीं विश्व में अनेक शुभ परिणामों के साथ साथ प्रोतिक घटनायें दृष्टिगोचर होंगी। हालांकि महाशिवरात्रि के दिन शुभ संयोगों व मुहूर्त में की गई पूजा बहुत शुभ फल प्रदान करेगी। ज्योतिषी अशोक वार्ष्णेय ने बताते हैं कि इस बार महा. शिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी, 26 फरवरी बुधवार को मनाई जायेगी। चतुर्दशी का आगमन बुधवार को मध्याह्न काल में 11 बजकर 8 मिनट से होगा, जो 27 फरवरी की प्रात:काल 8 बजकर 54 मिनट तक ही विद्यमान रहेगी। महाशिवरात्रि के दिन सूर्य, शनि, बुध का त्रिग्रही योग बन रहा है। जो सफलता, सुख-समृद्धि का शुभ प्रतीक माना जाता है। साथ ही श्रवण नक्षत्र, परधि योग भी बना रहेगा। इन दोनों शुभ योगों में की गई पूजा बहुत शुभ फल प्रदान करेगी। पूजा विधि के लिये पंडित एसके जोशी बताते हैं कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को चंदन का लेप,बिना तुलसी का पंचामृत, गंगा जल, गेंदें के फूल और माला, फल, खीर, भांग, धतूरा, गन्ने का रस, लौंग, हरी इलायची, जायफल, मीठा पान, इत्र, शिव को अत्यंत प्रिय बेलपत्र अर्पित करने से भगवान शिव और माता पार्वती प्रसन्न होते हैं। शिव को भूलकर भी तुलसी पत्र व केतकी का फूल न चढ़ाये। अधिक से अधिक ऊं नम: शिवाय का जप करते रहें।

मेयर से चिल्ड्रन पार्क बनाने का अनुरोध

लायंस क्लब हल्द्वानी ग्रीन सिटी ने मनाया सफलता के 30 वर्ष का जश्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सामाजिक संस्था लायंस क्लब हल्द्वानी ग्रीन सिटी ने अपनी सफलता के 30 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन रामपुर स्थित एक होटल के सभागार में किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मेयर गजराज सिंह बिष्ट एवं पार्षद राजेंद्र अग्रवाल (मुन्ना) का क्लब के अध्यक्ष डा. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी, फर्स्ट लाइन लेडी अनीता अग्रवाल, सचिव निशुल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डा. अनुज अग्रवाल, संजय गर्ग, मधुकर श्रुतिय, राखी अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। मुख्य अतिथि गजराज सिंह बिष्ट ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के लक्की ड्रा में बीना राकेश वर्मा, रूपाली मुकेश गुप्ता, प्रिया पंकज अग्रवाल, साधना अशोक जैन विजय रही। जबकि समारोह में चार वैवाहिक दंपतियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल के छात्र अक्षत, स्नेहा अग्रवाल ने मेयर के समक्ष हल्द्वानी में चिल्ड्रन पार्क बनाए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा उत्तराखंड में इस वर्ष राष्ट्रीय खेलों का आयोजन हुआ और प्रदेश ने 100 से अधिक पदक जीते। ऐसे में हल्द्वानी के सभी वार्डों में कम से कम एक चिल्ड्रन पार्क होना चाहिए, ताकि बच्चे पढ़ाई के साथ खेल-कूद में भी आगे बढ़ सकें और भविष्य में पदक जीत सकें। इस मौके पर मुकेश गुप्ता, डा. अभिषेक मित्तल, प्रदीप, पवन, राखी, विशाल अग्रवाल, स्नेहा अग्रवाल, अक्षत अग्रवाल, राकेश वर्मा, सांविका, अंशील वर्मा, प्रो. सौरभ अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, प्रेक्षा अभिनव बिश्नोई, रागिनी, मोहित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सीएनजी बस चालक ने यात्रियों से वसूले पैसे, बिना टिकट हड़पी रकम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड परिवहन निगम का विवादों से पुराना नाता रहा है। कभी परिचालक अवैध वसूली करते पकड़ा जाता है तो अब अनु. बंधित बसों के चालक भी गड़बड़ी करने में लगे रहले हैं। ऐसा ही एक मामला तब सामने आया जब हल्द्वानी

डिपो की अनुबंधित बस संख्या यूके04पीए-1936 के चालक ने यात्रियों से टिकट के बिना ही पैसे वसूल लिए। रात करीब 6 बजे रुद्रपुर से हल्द्वानी के लिए रवाना हुई यह सीएनजी बस बिना परिचालक के थी। जब यात्रियों ने परिच. ालक के बारे में पूछा तो चालक ने बताया कि परिचालक की तबीयत खराब है और उसे बस को खाली लेकर हल्द्वानी बस स्टेशन पहुंचाना है। लेकिन पंतनगर मोड़ पर बस रोक. कर चालक ने यात्रियों से 50 रुपये प्रति यात्री के हिसाब से किराया वसूल लिया, जबकि निगम के तय किराए के अनुसार प्रति यात्री किराया 55 रुपये होना चाहिए था। हल्द्वानी स्टेशन पहुं. चने पर कुछ जागरूक यात्रियों ने इस गड़बड़ी की शिकायत वरिष्ठ केंद्र प्रभारी से की। यात्री उमेश चंद, निवासी हल्द्वानी ने इस मामले में लिखित शिकायत पत्र सौंपा, जिसमें पूरे घटनाक्रम का विवरण दिया गया। परिवहन निगम के कर्मचारियों ने इस घटना पर गहरी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि अगर कोई परिच. ालक चार यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करवाता है तो उसे नौकरी से निकाल दिया जाता है, जबकि यहां बस चालक ने ही पूरा किराया हड़प लिया। कर्मचारियों ने मांग की है कि बस मालिक और चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

दिव्या ने पास की नेट की परीक्षा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। डीएसबी परिसर एम कॉम की छात्रा दिव्या बोरा ने राष्ट्रीय

पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है। दिव्या बोरा ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित इस परीक्षा को अपने पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण किया है। दिव्या की इस उपलब्धि पर संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी, डा. आरती पंत, डा. विजय कुमार डा. ममता जोशी, डा. विनोद जोशी, डा. जीवन उपाध्याय, डा. निधि वर्मा साह, डा. हिमानी जलाल, डा. तेजप्रकाश, डा. पूजा जोशी पालीवाल, डा. अंकिता आर्या, डा. गौतम रावत, रितिशा शर्मा, सूबिया नाज, शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी ने भी बधाई दी।

भारती भंडारी को शिक्षा शास्त्र में मिली शोध उपाधि

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली शिक्षिका/शोधकर्ती भारती भंडारी को मेवाड़ विश्वविद्यालय चितौड़गढ़ राजस्थान द्वारा शिक्षा शास्त्र विषय में शोध उपा. धि (पीएचडी) प्रदान की गई। उनका शोध विषय विद्यालयी शिक्षा में योग शिक्षा की स्थिति का अध्ययन नैनीताल जिले के विशेष संदर्भ में था। उन्होंने अपना शोध कार्य डा. सविता भंडारी के निर्देशन में पूरा किया। उनका यह शोध कार्य विद्यालयी शिक्षा में अध्यनरत छात्र एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उनके इस शोध कार्य को कई शिक्षाविदों और शिक्षा विशेषज्ञों द्वारा काफी सराहा गया है।

अपनी इस उपलब्धि पर भारती भंडारी ने कहा यह उपाधि मेरे लिए गर्व की बात है। भारती भंडारी की इस सफलता पर शिक्षक संघ जूनियर हाईस्कूल के जिला मंत्री डा. डीएन भट्ट, इंस्प्रेशन कॉलेज ऑफ टीचर्स एजुकेशन के डायरेक्टर दीपक बल्यूटिया, चेयरपर्सन गीतिका बल्यूटिया, प्रधानाचार्य सीमा धनिक, डा. केदार पलड़िया, पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष कैलाश भगत, मणिपुष्पक जोशी, डा. प्रवीण रौतेला, ट्रिनिटी कॉलेज के प्रधानाचार्य ललित जोशी, डा. दीपक मेहता, डा. रोहिताश गंग. वार, डा. दीपक पालीवाल, प्रो. प्रवीण कुमार तिवारी, डा. दिनेश कांडपाल, डा. नीरज कांडपाल, नालेज जंक्शन के डायरेक्टर सौरभ उप्रेती, रमेश परगाई, मनोज गुरुरानी, महेंद्र बिष्ट, डा. अखिल चिलवाल, दीप्ति बरौला, गणेश सिंह, संजय जैन, डा. गायत्री मठपाल, डा. प्रमीला नागिला, मोना बिष्ट, डा. रूपा पाल. ीवाल, विनय कुमार जोशी, ललित कर्नाटक ने बधाई दी।

कल्पना चावला की जीवनी पर डॉक्यूमेंट्री दिखाई

विज्ञान संचेतना कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय वर्कशॉप संपन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। समग्र शिक्षा अभियान के तहत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भीमताल के विज्ञान प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विज्ञान संचेतना वर्कशॉप का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों को भारतीय अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। छात्रों को भारत की पारंपरिक टोपियों व पगड़ियों जैसे हिमाचली टोपी, कुमाऊंनी टोपी, राजस्थानी साफा, पंजाबी पगड़ी और कश्मीरी टोपी के निर्माण व उपयोग की जानकारी दी गई। मंगलयान यात्रा पर आधारित मॉडल प्रदर्शनी बच्चों

के आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें उन्होंने भारत की मंगलयान यात्रा को नवाचारी मॉडलों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस वर्कशॉप में विज्ञान के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ाने पर जोर दिया गया। उन्हें बताया गया कि इंटरनेट से वैज्ञानिक जानकारियां कैसे प्राप्त करें। कार्यक्रम प्रभारी डा. पूरन सिंह बुगला ने आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, मेघनाथ साहा, सीवी रमन और जगदीश चंद्र बसु जैसे महान वैज्ञानिकों के आविष्कारों को सरल भाषा में समझाया। छात्रों व शिक्षकों ने मिलकर 75 से अधिक विज्ञान प्रयोग किए, जिससे वे वैज्ञानिक सिद्धांतों को व्यवहारिक रूप से समझ सके। समापन समारोह में सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र, मेडल और स्टेशनरी गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। इस वर्कशॉप को सफल बनाने में वरिष्ठ प्रवक्ता ललित तिवारी, डा. शैलेंद्र धपोला, गीता आर्य, राजीव लॉरेंस, विजेता मनराल, गीता नेगी, मंजू, लक्ष्मी, इंसा, मनीष, नवल, नितेश, रोहित, अंजलि, मीनाक्षी, सुरजीत और जितेंद्र का विशेष योगदान रहा।

ऋचा ने पीएचडी की मौखिक परीक्षा दी

नैनीताल। कुमाऊं विवि डीएसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान विभाग में शोध छात्रा ऋचा आर्य ने अपनी पीएचडी की अंतिम मौखिक परीक्षा दी। ऋचा की ऑनलाइन माध्यम से मौखिक परीक्षा संपन्न हुई। जिसमें एक्सपर्ट प्रो. सुमन लखन पॉल पूर्व विभागाध्यक्ष दिल्ली विश्वविद्यालय रही। ऋचा ने ब्रायोएक्पलरेशन ऑफ सिलेक्टेड फॉरेस्ट टाइप्स अलंग व एल्टीट्यूडंसल ग्रेडिएंट इन कुमाऊं हिमालय इंडिया विषय पर पर एसडी तिवारी इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय महिला पीजी कॉलेज के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया। प्रो.ललित तिवारी विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान ने परीक्षा संपन्न कराई।

बैठकी होली में मचाया धमाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कुमाऊंनी संस्कृति में बैठकी होली का एक अद्वितीय स्थान है, जो हर साल अपनी पारंपरिक रागों और हंसी-ठिठोली के साथ लोगों का दिल छू लेती है। इस दौरान स्वांग-रागों का आयोजन होता है, जिससे न केवल सांस्कृतिक धरोहर की समृद्धि दिखाई देती है, बल्कि लोगों में उल्लास और उत्सव का वातावरण भी बनता है। इस बार शिखर सांस्कृतिक विकास समिति ने जगदंबा वैंकेट हॉल में बैठकी होली का आयोजन किया, जो कुमाऊं की सांस्कृतिक परंपरा का एक अहम हिस्सा है। इस मौके पर महिलाओं ने अपनी सुमधुर आवाजों में सिद्धि करो महाराज होलिन के दिन में... गणपति गौरी महेश मनाऊ इन संग

पूजो आज जैसी कई अन्य रचनाओं को प्रस्तुत किया, जिनसे उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए। बैठकी होली में जहां होल्यार अपनी जगह पर बैठकर रागों के साथ गीतों की प्रस्तुति करते हैं। वहीं खड़ी होली में चलने के साथ ही गीतों का गायन किया जाता है। कुमाऊं की बैठकी होली का देशभर में विशेष स्थान है। इस होली में शास्त्रीय संगीत पर आधारित गायन की परंपरा इसे और भी खास बनाती है। खासकर महिलाएं और पुरुषों की टोलियां, सफेद और लाल रंग की साड़ी में, होली के गीत गाकर इस उत्सव को जीवित रखते हैं।

कोसी से सटे जंगल में धधकी आग

अल्मोड़ा। जिले में तापमान बढ़ने के साथ ही अब वनाग्नि की घटनाएं सामने आने लगी है। सोमवार को कोसी से सटे जंगल में आग धधक उठी। देखते ही देखते आग ने जंगल के एक बड़े हिस्से को अपने आगोस में ले लिया। आग की लपटे धीरे-धीरे रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने लगी। जिसे देख वहां लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने आग लगने की सूचनाफायर सर्विस को दो। अग्निशमन अधिक. ारी महेश चंद्र के नेतृत्व पर मौके पर पहुंच टीम आग बुझाने में जुट गई। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया जा सका।

वन तुलसी पर प्रशिक्षण कार्यशाला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सहयोग से आरोही संस्था, सतोली (नैनीताल) में वन तुलसी (ऑरिगेनो) पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में ग्रामीण महिलाओं और प्रगतिशील कृषकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग से डा. सरस्वती नंदन ओझा (परियोजना समन्वयक) ने समुदाय को वन तुलसी का सामान्य परिचय, इसकी वैज्ञानिक खेती, उपयुक्त जलवायु, संभावित बीमारियां, पैदावार, औषधीय गुणों, रासायनिक संघटन, आर्थिक संभावनाएं और उत्पाद उपयोगिता की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यशाला में संस्था के अधिशासी निदेशक डा. पंकज तिवारी ने वन तुलसी की खेती को धरातल पर उतारने के लिए समुदाय के सहयोग की सराहना की और इस दिशा में सार्थक पहल का आश्वासन दिया। इस दौरान वन तुलसी पर आधारित पम्फलेट का भी विमोचन आरोही संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। कार्यशाला में दियारी, सिमायल, सतोली, सातखोल और लवेशाल के ग्रामीणों ने भाग लिया। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय से डा. विशाल कुमार शर्मा (सह-परियोजना अन्वेषक), सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ से डा. यतीश पंत और आरो. ही संस्था से डा. नारायण सिंह बिष्ट, संजय सिंह बिष्ट, पूरन नयाल, बसंत थापा, नरेंद्र सिंह बिष्ट, पंकज तिवारी और पूरन कबड़वाल सहित विभिन्न विशेषज्ञ मौजूद रहे।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक: एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी: न्यूजीलैंड से हारा बांग्लादेश

■ चैंपियंस ट्रॉफी से पाकिस्तान बाहर, ग्रुप ए से भारत और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंचे, रचिन रवींद्र ने चौथा शतक लगाया

रावलपिंडी, वार्ता। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। टीम ने सोमवार को बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया। इस नतीजे से बांग्लादेश और पाकिस्तान की टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। वहीं न्यूजीलैंड और भारत की टीमें ग्रुप-ए से सेमीफाइनल में पहुंच गईं। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बांग्लादेश ने 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 236 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 46.1 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट चेज कर लिया। न्यूजीलैंड से रचिन रवींद्र ने 105 बाल पर 112 की पारी खेली। उन्होंने 12 चौके और एक छक्के लगाए। टाम लैथम ने 55 रन बनाए। माइकल ब्रेसवेल को 4 विकेट मिले। बांग्लादेश से कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 77 और जाकिर अली ने 45 रन बनाए। न्यूजीलैंड की जीत से भारत भी सेमीफाइनल में पहुंच गई। कीवियों की इस जीत के साथ भारतीय टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच गए है। वहीं, हार के बाद बांग्लादेश और पाकिस्तान की टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। न्यूजीलैंड की टीम ने इस मुकाबले को 5 विकेट से जीत लिया है। टीम ने 46.1 ओवर में 236 रन का टारगेट चेज किया। माइबल ब्रे. सवेल ने रिशाद हुसैन की पहली बाल चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। 42वें ओवर में न्यूजीलैंड ने छठा विकेट गंवाया। यहां टॉम लैथम 55 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें महमुदुल्लाह ने डायरेक्ट थ्रो पर रनआउट किया। 39वें ओवर में न्यूजीलैंड ने चौथा विकेट खोया। यहां रचिन रवींद्र 112 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें रिशाद हुसैन ने सब्सिट्यूट फील्डर परवेज हुसैन के हाथों कैच कराया। इसी ओवर में टाम लैथम ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने पिछले मैच में भी फिफ्टी बनाई थी। 38वें ओवर की पहली बाल पर रचिन रवींद्र को जीवनदान मिला। मुस्तफिजुर रहमान के ओवर में महमुदुल्लाह से रचिन रवींद्र का कैच ड्राप हुआ। इसी ओवर में न्यूजीलैंड का स्कोर 200 रन तक पहुंच गया।

पाक पर भारत की जीत के हीरो

● **हार्दिक पांड्या:** टीम इंडिया को हर्दिक ने पहला विकेट दिलाया, उन्होंने बाबर को विकेटकीपर के हाथों कराया कैच, फिर फिफ्टी लगा चुके सऊद शकील का बड़ा विकेट भी लिया

● **कुलदीप यादव:** शुरुआती पांच ओवर में एक भी विकेट नहीं लेने के बाद कुलदीप ने सलमान आगा को कैंच कराया, उन्होंने फिर शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के विकेट भी लिए

● **श्रेयस अय्यर:** 100 रन पर 2 विकेट गंवाने के बाद श्रेयस ने पारी संभाली, उन्होंने फिफ्टी लगाई और कोहली के साथ 114 रन की अहम पार्टनरशिप निभाई

मुंबई के निखिल पाटिल ने जीता इंडियन स्पोर्ट्स फोटोग्राफी पुरस्कार

■ ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग की अगुवाई वाले दल ने किया चयन

बेंगलुरु, वार्ता। मुंबई के फोटोग्राफर निखिल पाटिल को भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री के 100वें मैच की शानदार तस्वीर खींचने के लिए पहले इंडियन स्पोर्ट्स फोटोग्राफी अवार्ड (आईएसपीए) 2025 से सम्मानित किया गया। ओलंपिक पदक विज.ेता गगन नारंग की अगुआई वाले निर्णायक मंडल ने विजेताओं के नाम चयन किया।

हालांकि इस दौरान नारंग व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। बैंगलोर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उनकी साथी प्रसिद्ध खेल पत्रकार शारदा उग्रा ने उनकी ओर से विज.ेताओं के नामों की घोषणा की। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाड़ी सुनील छेत्री के 100वें मैच की शानदार तस्वीर खींचने निखिल पाटिल शीर्ष पर रहे। दूसरे और तीसरे स्थान पर नेहा गनेरीवाल रहीं। उन्हें खेल श्रेणी में महिला वर्ग के लिए सम्मानित किया गया। वहीं संदीप परशुराम पंगेरकर को क्रिकेट श्रेणी की बेहतरीन फोटोग्राफी के लिए पुरस्कार मिला। ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग ने एक बयान में कहा कि खेल फोटोग्राफी सिर्फ एक्शन को कैप्चर करने से कहीं अधिक है यह उन पलों को कैद करने के बारे में है जो एक कहानी बताते हैं, पीढ़ियों को प्रेरित करते हैं और खेल की भावना का जश्न मनाते हैं। आज विजेताओं ने बिल्कुल वैसा ही किया है। हर फेम बहुत कुछ कहता है।

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को हराया

● ट्रेवर ग्वांडू ने तीन विकेट और सिकंदर रजा व रिचर्ड ने दो-दो विकेट लिए

हरारे, वार्ता। ट्रेवर ग्वांडू ने (तीन विकेट), सिकंदर रजा और रिचर्ड एन्गरावा (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद टोनी मुनयोंगा (नाबाद 43) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने रविवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को चार गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया हैं। आयरलैंड के 137 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 14 के स्कोर परअ पने तीन विकेट गवां दिए। इसके बाद कप्तान सिकंदर रजा और रायन बर्ल ने पारी संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में हैरी टेक्टर ने रायन बर्ल (27) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कप्तान सिकंदर रजा (22) पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। तालशगा मुसेकीवा (15) और वेलिंग्टन मसाकाट्जा (छह) रन बनाकर आउट हुए। हालांकि इस दौरान टोनी मुनयोंगा एक छोर थामे खड़े रहे। टोनी मुनयोंगा ने (नाबाद 43) और रिचर्ड एन्गरावा (नाबाद12) पारी खेलते हुए 19-2 ओवर में सात विकेट पर 141 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। आयरलैंड की ओर से क्रेग यंग ने चार विकेट लिए। जॉश लिटिल, बेन व्हाइट और हैरी टेक्टर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी पॉल स्टर्लिंग (एक) का विकेट गवां दिया। इसके बाद लोर्कान टकर और हैरी टेक्टर की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में सिंकदर रजा ने हैरी टेक्टर (28) को आउट इस साझेदारी को तोड़ा। 14वें ओवर में ट्रेवर ग्वांडू ने लार्कान टकर (46) को आउट कर आयरलैंड को बड़ा झटका दिया। कर्टिस कैमफर (26) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जिम्बाब्वे के गें.दबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड का कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका।

श्रीधरन श्रीराम होंगे सीएसके सहायक गेंदबाजी कोच

चेन्नई, वार्ता। चेन्नई सुपर लकग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले भारत के पूर्व ऑलराउंडर एस श्रीराम को टीम का सहायक गें.दबाजी कोच नियुक्त किया है। श्रीधरन श्रीराम, स्टीफन फ्लेमिंग (मुख्य कोच), माइक हसी (बल्लेबाजी कोच) और एरिक सिमंस (गेंदबाजी सलाहकार) की अगुवाई वाली कोचिंग दल में शामिल होंगे। विभिन्न स्तरों पर कोचिंग का अनुभव वाले श्रीधरन श्रीराम सीएसके में ड्वेन ब्रावो की जगह लेंगे। ड्वेन ब्रावो मेंटर के रूप में पिछले चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स रूप में शामिल हुए हैं। वह 2016 से 2022 तक ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच थे। अगस्त 2022 में श्रीराम को एशिया कप और टी-20 विश्वकप से पहले बंगलादेश का टी-20 सलाहकार भी नियुक्त किया गया था। सितंबर 2023 में वह आईपीएल 2024 के लिए सहायक कोच के रूप में लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हुए थे।

● पिंक लेडीज कप में रूस ने भारत को 2-0 से हराया

शारजाह (यूएई), वार्ता। भारत की सीनियर महिला फुटबॉल टीम को पिंक लेडीज कप के अपने दूसरे मुकाबले में रूस के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अल हमरिया स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में रविवार रात खेले गए मुकाबले में रूस ने भारत को 2-0 से हराया। रूस की ओर से पहले हॉफ में ग्लेफिरा झुकोवा ने 25वें मिनट में गोल. कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हॉफ में वेलेंटिना स्मिरनोवा ने 92वें मिनट में दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम का अगला मुकाबला बुधवार को कोरिया गणराज्य से होगा। भारत ने दोस्ताना प्रतियोगिता के अपने शुरुआती मैच में जॉर्डन को 2-0 से हराया था।

अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन का आयोजन नारायणपुर में : डेका

■ मेरी सरकार यह मानती है कि खेलों के माध्यम से आम जनता में उत्साह का संचार होता है: डेका

रायपुर, वार्ता। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने सोमवार को अपने अभिभाषण में कहा कि बस्तर ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन के पश्चात मेरी सरकार अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन का आयोजन नारायणपुर जिले में करने जा रही है। श्री डेका ने आज विधानसभा को संबोधित करते हुए अपने 58 बिंदुओं की चर्चा करते हुए कहा कि मेरी सरकार यह मानती है कि खेलों के माध्यम से आम जनता में उत्साह का संचार होता है। इसके लिए हम खेल अधोसंरचना को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं। प्रदेश में सात जिलों में खेलो इंडिया के नए सेंटर आरंभ किए गए हैं। मेरी सरकार ने पूर्व वर्षों के लंबित खेल अलंकरण सम्मान भी खिलाड़ियों को प्रदान किए हैं। बस्तर ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन के पश्चात मेरी सरकार अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन का आयोजन नारायणपुर जिले में करने जा रही है। श्री डेका ने कहा कि नक्सल प्रभावित बस्तर शांति की ओर लौटने का उत्सव मना रहा है। मेरी सरकार ने लोगों में उत्साह भरने और खेल प्रतिभाओं को निखारने बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया।

इंदिरा गांधी कॉलेज ने जीता महिला इंटर कॉलेज कबड्डी का खिताब

टेनिस: वीनस विलियम्स ने इंडियन वेल्स वाइल्डकार्ड ठुकराया

कैलिफोर्निया, वार्ता। पूर्व विश्व नंबर एक वीनस विलियम्स ने अगले महीने होने वाले इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड ठुकरा दिया है। प्राप्त रिपोर्टो के अनुसार आयोजकों ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका की स्टार खिलाड़ी विलियम्स को आमंत्रित किया गया था, लेकिन सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन ने इसे स्वीकार नहीं किया है। टूर्नामेंट निदेशक टॉमी हास के हवाले से सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किए गए बयान में कहा कि हमारी टीम को सूचित किया गया है कि वीनस इस साल वाइल्डकार्ड स्वीकार नहीं कर रही हैं।

● हम वीनस को शुभकांमनाए देते है और उम्मीद करते है कि भविष्य में वह इंडियन वेल्स में फिर से दिखाई देगी: टॉमी हास

उन्होंने कहा कि हम वीनस को शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि भविष्य में वह इंडियन वेल्स में फिर से दिखाई देंगी। विलियम्स ने पिछले मार्च में मियामी ओपन के पहले दौर में हारने के बाद से उन्होंने डब्ल्यूटीए टूर-स्तरीय मैच नहीं खेला है। उन्होंने पहले टेनिसवीकली पॉडकास्ट को बताया था कि वह 2-16 मार्च तक चलने वाले इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वापसी नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं नहीं खेलूंगी। मैं विदेश में रहूंगी। मैं यहां नहीं रहूंगी।

सेबेस्टियन बेज ने जीता रियो ओपन का खिताब

रियो डी जेनेरियो, वार्ता। अर्जेंटीना के टेनिस खिलाड़ी सेबेस्टियन बेज ने फाइनल मुकाबले में फांस के एलेक्जेंडर मुलर हराकर रियो ओपन का अपना खिताब को बरकरार रखा। जॉकी क्लब ब्रासीलीरो के आउटडोर क्ले पर रविवार को एक घंटे 27 मिनट तक चले मुकाबले में सेबेस्टियन बेज ने एलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार दूसरी बार रियो ओपन का खिताब अपने नाम किया। यह उनका सातवां एटीपी टूर खिताब है। मैच के बाद बेंज ने कहा, ह्नमेरा यह पूरा सप्ताह बहुत अच्छा रहा। मैं अपने द्वारा खेले गए हर मैच से बहुत खुश हूं।

सनी देओल ने महेन्द्र सिंह धोनी के साथ देखा क्रिकेट मैच

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल ने क्रिकेट के दिग्गज महेन्द्र सिंह धोनी के साथ क्रिकेट मैच देखा। सनी देओल इन दिनों फिल्म जाट में काम कर रहे हैं। इस बीच एक्शन सुपरस्टार सनी देओल और क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी, भारत बनाम पाकिस्तान आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी मैच देखने के लिए एक साथ नजर आए।सनी देओल और एमएस धोनी का एक साथ मैच देखने का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया है। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म जाट से रणदीप हुड्डा और टीम की तस्वीरों का अनावरण किया क्योंकि उन्होंने फिल्म के लिए डबिंग शुरू की थी। गोपीचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट प्रतिष्ठित मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री निर्मित है। फिल्म जाट में सनी देओल,रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा की अहम भूमिका है।

खुशनसीब ने जीते तीन गोल्ड व दो सिल्वर मेडल

ड्रैगन बोट प्रतियोगिता में जर्मनी के लिए हुआ चयन, परिवार व क्षेत्र में जश्न का माहौल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सफलता कभी भी संसाधनों की मोहताज नहीं होती, यह साबित कर दिखाया है पाडली गुर्जर की बेटी खुशनसीब ने, जिसने अपनी मेहनत और लगन के बल पर ना केवल क्षेत्र का बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन कर दिया। निर्धन परिवार में जन्मी इस प्रतिभाशाली बेटी ने तीन गोल्ड और दो सिल्वर मेडल जीतकर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। अब उसका नाम जर्मनी में होने वाली ड्रैगन बोट प्रतियोगिता के लिए चुना गया है, जिससे उसके परिवार और क्षेत्र में जश्न का माहौल है। संघर्ष से सफलता तक का सफर....खुशनसीब के पिता इकराम सलमानी, जो पेशे से एक साधारण श्रमिक हैं, ने अपनी बेटी को इस मुकाम तक पहुँचाने के लिए दिन-रात मेहनत की। उनके छह बच्चों में खुशनसीब सबसे छोटी हैं, लेकिन उन्होंने अपने हौसले और जज्बे से दिखा दिया कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। उनके संघर्ष की कहानी हर उस माता-पिता के लिए प्रेरणा है जो सीमित साधनों के बावजूद अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने का हौसला रखते हैं। खुशनसीब की मेहनत और उपलब्धियां....खुशनसीब पिछले तीन वर्षों से लगातार कठिन परिश्रम कर रही हैं। उनकी लगन और समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया, जहाँ आज पूरा क्षेत्र उनकी उपलब्धि पर गर्व कर रहा है। जर्मनी में होने वाली प्रतियोगिता के लिए चुना जाना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। माँ की आंखों में खुशी के आंसू....खुशनसीब की

माँ रिहाना अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर फख्र महसूस कर रही हैं। उनकी आंखों में खुशी के आँसू छलक आए जब उन्होंने अपनी बेटी को मेडल जीतते हुए देखा। उन्होंने कहा, ष्यह सिर्फ हमारी नहीं, पूरे क्षेत्र की खुशी है। हमें यकीन था कि हमारी बेटी कुछ बड़ा करेगी, लेकिन आज जो उसने किया, वह हमारी उम्मीदों से भी बढ़कर है। क्षेत्र में खुशी का माहौल....खुशनसीब की सफलता से न केवल उनका परिवार बल्कि पूरा पाडली गुर्जर क्षेत्र गर्व महसूस कर रहा है। मोहल्ले के लोग और शुभचिंतक

> ❖ संसाधनों की मोहताज पाडली गुर्जर की बेटी ने किया अपने परिवार गांव व प्रदेश का नाम रोशन
>
> ❖ हकीकत : अगर ईरादे मजबूत व होसला बुलन्द हो, तो सपने पूरे करना नामुमकिन नहीं

उनके घर पहुँचकर बधाइयाँ दे रहे हैं। क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस उपलब्धि पर खुशनसीब को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। आगे का सफर...अब खुशनसीब का अगला लक्ष्य जर्मनी में होने वाली ड्रैगन बोट प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करना है। अगर उसे इस प्रतियोगिता में सफलता मिलती है, तो यह न केवल उसके लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात होगी। खुशनसीब की कहानी यह साबित करती है कि यदि इरादे मजबूत हों, तो कोई भी कठिनाई सफलता के रास्ते में बाधा नहीं बन सकती। यह केवल उसकी जीत नहीं, बल्कि हर उस लड़की के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने की चाह रखती है।

क्रूरतापूर्वक ले जा रहे बैल को तस्कर से कराया मुक्त

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र में क्रूरता पूर्वक छोटे हाथी में ले जा रहे बैल को तस्कर से मुक्त कर दिया गया है। लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद हरिद्वार में अपराधिक गतिविधियों में सलीप्त अपराधियों संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाए जाने के लिए जनपद में पुलिस को आदेशित किया था जिसमें मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से क्रूरता पूर्वक बैल को भी मुक्त करा दिया गया। पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम मुकर्रम पुत्र आलम निवासी संगीपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया। उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक दीपक चौधरी हेड कांस्टेबल शूरवीर सिंह तोमर कांस्टेबल संदीप रावत शामिल रहे।

भाजपा ने मंडलों में अध्यक्षों की नियुक्ति, कार्यकर्ताओं ने जताया आभार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भाजपा ने प्रदेश के सभी मंडलों में अध्यक्षों की नियुक्ति की है। प्रदेश चुनाव अधिकारी खजान दास के अनुमोदन पर जिला चुनाव अधिकारी शैलेंद्र बिष्ट द्वारा जारी की गई सूची के अनुसार रुड़की जिले के 6 विधानसभा में 13 मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है इसके साथ ही मंडल प्रतिनिधि भी नियुक्त किए गए हैं। रुड़की विधानसभा में तीन और बाकी सभी मंडलों में दो अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। रुड़की विधानसभा के सिविल लाइंस मंडल में बृजमोहन सैनी को अध्यक्ष और आदर्श गुप्ता को प्रतिनिधि नियुक्त किया है,सुभाष गंज में अवनीश शर्मा अध्यक्ष और अमित सोनकर प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं। रामनगर मंडल में सुमित अग्रवाल अध्यक्ष और संजीव तोमर प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं।भगवानपुर विधानसभा के डांडा में भूपेंद्र सिंह अध्यक्ष,मुकेश साध प्रतिनिधि,चुड़ियाला संदीप रघुवंशी अध्यक्ष, तेजपाल सिंह प्रतिनिधि नियुक्त किए गए। झबरेड़ा विधानसभा के कृष्णानगर में गुरजिंदर सिंह अध्यक्ष और विकास राणा प्रतिनिधि, पनियाला में आशीष कुमार अध्यक्ष और मनोज राणा प्रतिनिधि नियुक्त हुए हैं।पिरान कलियर के सुभाष नगर मंडल में संदीप पुरी अध्यक्ष अवनीश त्यागी प्रतिनिधि, पतंजलि में सुरेश सैनी अध्यक्ष और योगेंद्र चौधरी प्रतिनिधि नियुक्त हुए हैं। खानपुर विधानसभा के खानपुर में भगत सिंह अध्यक्ष और कृष्णपाल प्रतिनिधि, ढंडेरा में विकास पाल अध्यक्ष और सुबोध शर्मा प्रतिनिधि बने हैं। मंगलौर विधानसभा के मंगलौर मंडल में शोभित गुप्ता अध्यक्ष और अरविंद गोयल प्रतिनिधि नियुक्त हुए हैं। नारसन में राजीव राणा अध्यक्ष और भोपाल सिंह मलिक प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं।

काला पीलिया : गाधारोणा में 125 लोगों के लिए सैंपल

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। गाधारोणा में काला पिलिया के बढ़ते रोगियों को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक बार फिर कैंप लगा कर 125 लोगों के ब्लड सैंपल लिए है। इससे पहले 75 में से 54 लोग एचसीवी पॉजिटिव पाए गए थे।

गाधारोणा में दो सप्ताह पूर्व 45 लोगों में हेपेटाइटिस-सी के लक्षण पाए गए थे। छह दिन पहले सीएमओ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव दो दिन तक कैंप लगा कर 75 लोगों के सैंपल लिए थे। इनमें 54 लोग हेपेटाइटिस सी पॉजिटिव पाए गए थे। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया था। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर गांव में कैंप लगा कर 125 लोगों सैंपल लिए गए। डॉ. राव अकरम ने बताया कि इस दौरान 54 पॉजिटिव लोगों को भी वायरल लोड के लिए बुलाया गया था। लेकिन कैंप में 54 में से 23 लोग ही पहुंच पाए है। जिसके चलते 23 लोगों का ही वायरल लोड किया गया है। डॉ. अकरम ने बताया कि लोग इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक नहीं है। इसी कारण कई बार बुलाने के बाद भी पॉजिटिव लोग कैंप में नहीं

पहुंच सके उन्होंने बताया कि शीध्र ही इस बीमारी के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए रैली का आयोजन कराया जाएगा। टीम में डॉ. राव अकरम, नसीम, पवन कुमार, अमन अंसारी, इमरान अंसारी, शुभम शर्मा आदि शामिल रहे। कैसे फैलता है। हेपेटाइटिस-सी-मेडिकल ऑफिसर डाक्टर राव अकरम ने बताया कि काला पीलिया यानि हेपेटाइटिस-सी का नाम सुनकर हर कोई चौंक जाता हैं, क्योंकि यह एक गंभीर बीमारी है। इस बीमारी का तीन महीने का कोर्स होता है। उन्होंने बताया कि गाधारोणा गांव में काला पीलिया फैलने का कारण मुख्य कारण सेविंग कराते समय बलेड न बदलना,ब्लड ट्रांसफ्यूजन, इंफेक्शन इंजेक्शन की सिरिंज में लगी हुई सुई के अलावा इस इंफेक्शन की वजह सेक्सवल कॉन्टेक्ट भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि एक दूसरे का जूठा खाने से ये इंफेक्शन नहीं फैलता है। उन्होंने बताया कि काला पीलिया यानि हेपेटाइटिस-सी का समय पर इलाज ना होने के कारण रोगी का लीवर खराब होने लगता है, रोग की अनदेखी करने पर बीमारी बड़ी लाइलाज रूप ले लेती है, यह एक तरह से लीवर का संक्रमण है. लेकिन अस्पताल में इसका इलाज मरीजों को लगातार मिल रहा है. उनका कहना है कि कुछ समय पहले इस बीमारी की दवाई मिलने में दिक्कतें आई थी, लेकिन अब लगातार दवाई मिल रही है।

10 लीटर अवैध शराब के साथ पुलिस ने एक तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा अवैध कच्ची शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उससे 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अवैध नशा बेचने वालों के खिलाफ कार्यवाही के लिए आदेशित किया था जिसमें छापेमारी प की जा रही है जिसमें एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम रोहन पुत्र पाल्लू निवासी खानपुर उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में भीक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह कांस्टेबल राजेंद्र सिंह वीरेंद्र सिंह शामिल रहे। शांति व्यवस्था भंग करने पर दो व्यक्ति गिरफ्तार किए गए जिनमे परवेज पुत्र रियासत निवासी मोहल्ला ढाब नगर पंचायत सुल्तानपुर जमशेद पुत्र शराफत निवासी मोहल्ला ढाब सुलतानपुर बताया उनको पकड़ने वाली पुलिस टीम में कांस्टेबल अरुण नेगी अरविंद चौहान शामिल रहे। पकड़े गए तीनों व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए तीनों व्यक्तियों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

शोभित गुप्ता को मंगलौर मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। कस्बे के वरिष्ठ भाजपा नेता शोभित गुप्ता को मंगलौर मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओ से जोरदार स्वागत किया।वहीं दूसरी ओर मंगलौर ग्रामीण में नारसन से मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी पुन: दोबारा से राजीव राणा को दी गई।इस सम्मान समारोह में मंगलौर भाजपा के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

यह सम्मान समारोह कार्यक्रम मंगलौर के हनुमान मंदिर में आयोजित किया गया।जहाँ हवन पूजन के बाद सवागत समारोह का कार्यक्रम चला कार्यक्रम के दौरान सभी नेताओं ने आलाकमान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह मंगलौर मण्डल के

कार्यकर्ताओं को जोड़ने का काम करेंगे और एक नई शक्ति के साथ 2027 का चुनाव लड़ा जाएगा

वही ग्रामीण मण्डल के मण्डल अध्यक्ष राजीव राणा ने भी आलाकमान का आभार जताते हुए मजबूती से काम करने की बात कही।कार्यक्रम के दौरान मास्टर नागेंद्र, चौधरी अजीत सिंह अंकित कपूर,पवन तोमर आकाशदीप गौतम,अरविंद गोयल,नीरज सिंघल,आदित्य शर्मा,नरेंद्र कर्णवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

होमगार्ड के बेटे को पीटने वाले छात्र को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। एक डिग्री कॉलेज में पढ़ाई कर रहे होमगार्ड के बेटे के साथ मारपीट कर उसका मोबाइल तोड़ने के आरोपी छात्र को एएसपी ने शुक्रवार देर रात रोडवेज बस स्टैंड से पकड़ लिया। साथ ही उसका मोबाइल जब्त कर लिया।

कोतवाली क्षेत्र में तैनात होमगार्ड विनय कुमार की ओर से तहरीर देकर बताया गया था कि 31 जनवरी को उनका बेटा हरिद्वार रोड स्थित लाइब्रेरी से पढ़कर लौट रहा था। तभी एक विवि के छात्र और उसके साथियों ने उसे रोककर मारपीट की। यही नहीं उसका मोबाइल भी तोड़ दिया। पुलिस से कार्रवाई की मांग की गई थी। वहीं, शुक्रवार की रात करीब एक बजे एएसपी कुश मिश्रा रोडवेज की तरफ गश्त पर निकले थे। इसी दौरान उन्होंने शक होने पर आरोपी छात्र को पकड़ लिया। पूछताछ में छात्र ने मारपीट की बात मान ली। आरोपी छात्र का कहना था कि मोबाइल पर गलत मैसेज भेजने के चलते उसका विवाद हुआ था।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम अभिषेक दर्ज है जो गलत है जबकि उसका सही नाम (RISHAV RAWAT) है। माता का गलत नाम सुनीता रावत जबकि सही नाम सुनीता देवी, पिता का गलत नाम महावीर सिंह रावत जबकि सही नाम महावीर सिंह है। इसलिए बेटे का सही नाम RISHAV RAWAT, माता का सही नाम Smt. SUNITA DEVI व पिता का सही नाम MAHAVEER SINGH दर्ज किया जाए।
महावीर सिंह पुत्र गोपाल सिंह नि. म. नं. 48 नियर पतांजलि योगपीठ, हरी आश्रयनगर बावलिकलंजरी भारापुर भौरी रूडकी हरिद्वार।

शिवपुरम पनियाला रोड पर क्षेत्रवासी जलभराव की समस्या से परेशान

मेयर, नगर आयुक्त को मौके पर बुलाकर की समाधान की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। पनियाला रोड शिवपुरम में क्षेत्र के लोगों ने मौके पर मेयर और नगर आयुक्त को बुलाकर समस्याएं बताई। इस दौरान काफी संख्या में एकत्र हुए लोगों ने समस्या के समाधान की मांग की। वहीं रहीमपुर के लोगों ने उस ओर पानी ले जाने का विरोध किया उनका कहना था कि खेतों में पानी भरने से फसल खराब होती है इसलिए समस्या का ऐसा समाधान हो जिससे किसी को परेशानी न हो।

रुड़की नगर निगम क्षेत्र के पनियाला रोड पर लंबे समय से जल भराव की समस्या बनी हुई है जिसके कारण पनियाला रोड स्थित शिवपुरम कॉलोनी की कई गलियां प्रभावित है। लोग कई बार समस्या के समाधान की मांग कर चुके हैं वहीं मेयर अनीता अग्रवाल के द्वारा भी समस्या के समाधान का वादा चुनाव के दौरान किया गया था। आज क्षेत्र के लोगों के बुलावे पर मेयर अनीता अग्रवाल और नगर आयुक्त राकेश तिवारी मौके पर पहुंचे जहां क्षेत्र के लोगों ने समस्या के स्थाई समाधान की मांग की और पानी की निकासी की

उचित व्यवस्था करने को कहा। स्थानीय निवासी ने बताया कि पानी रेलवे लाइन के नीचे से ले जाकर शीला खाले से जोड़ने को कहा। वहीं बताया कि रहीमपुर के ग्रामीणों द्वारा पानी की निकासी को बंद किया है जिस कारण गलियों और घरों में पानी भरा जाता है। वहीं मौके पर मौजूद रहीमपुर के ग्रामीणों ने कहा कि पानी उनके खेतों में भरने के कारण फसलें खराब हो रही है इस पानी का स्थाई समाधान हो ताकि दोनों पक्षों में किसी को दिक्कत न हो। वहीं मेयर अनीता अग्रवाल और नगर आयुक्त राकेश तिवारी ने स्थायी निरीक्षण किया और लोगों से राय ली कि इसका क्या समाधान हो सकता है। उन्होंने समस्या के समाधान का उचित आश्वासन दिया। इस मौके पर ललित मोहन अग्रवाल, पार्षद अनुराग त्यागी,सूरज नेगी, सतीश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन में यात्री का मोबाइल चोरी

लक्सर। लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री का मोबाइल फोन चोरी हो गया। जीआरपी ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। अंकित कुमार पांडेय निवासी सिविल लाइंस गोंडा ने चंडीगढ़ जीआरपी को तहरीर देकर बताया कि 26 जनवरी को वह लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन से लखनऊ से चंडीगढ़ आ रहा था। इस दौरान लक्सर से पूर्व उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया। ट्रेन के चंडीगढ़ पहुंचने पर उसने पुलिस को तहरीर दी।

19 लोगों को लावारिस कुत्तों ने किया लहूलुहान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की और देहात क्षेत्र में लावारिस कुत्तों के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शनिवार को भी कुत्तों ने 19 लोगों पर हमला करके घायल कर दिया। यह लोग बड़ी संख्या में एंटी रेबीज लगाने के लिए सिविल अस्पताल पहुंचे।

इस दौरान इंजेक्शन कक्ष में लोगों की भीड़ लगी रही। रुड़की और देहात में रोजाना लावारिस कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। लावारिस कुत्ते राहगीरों और घर के बाहर खड़े लोगों पर हमला कर रहे हैं। वहीं स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों पर भी हमला कर लहूलुहान कर रहे हैं। पिछले दिनों कलियर में लावारिस कुत्तों ने सात बच्चों पर हमला कर दिया था। शुक्रवार को लावारिस कुत्तों ने रुड़की और देहात में 56 लोगों पर हमला करके लहूलुहान कर दिया था। ऐसे में सिविल अस्पताल में रोजाना एंटी रेबीज लगवाने के लिए लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शनिवार को भी सिविल अस्पताल में 19 नए मामले ऐसे सामने हैं जिन्हें कुत्तों ने काटकर लहूलुहान कर दिया। यह लोग एंटी रेबीज लगाने के लिए घंटों तक इंतजार करते रहे। वहीं, लोगों ने लावारिस कुत्तों से निजात दिलाने के लिए प्रशासन से गुहार लगाई है। उधर, सिविल अस्पताल के सहायक निदेशक एवं सीएमएस डॉ. संजय कंसल ने बताया कि कुत्तों के हमलों को देखते हुए एंटी रेबीज की डिमांड मुख्यालय भेजी गई है

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में बहाबलपुर में सुनी जन समस्याएं

17 शिकायतों में से 4 का मौके पर निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। सरकार जनता के द्वारा कार्यक्रम के अंतर्गत आज दिनांक को ग्राम बहाबलपुर हंसो वाला तहसील भगवानपुर में 17 शिकायतें प्राप्त हुई है जिनमें से चार का मौके पर स्थान किया गया शेष अन्य विभागों को आदेशित किया गया है जिसमें अधिकतर शिकायत ग्राम के सरकारी नाल्को के अंतर्गत अंतर मोटर डालकर अपने घरों के अंदर मिल लिया है आंगनबाड़ी द्वारा राशन ग्राम में नहीं बनता जा रहा है मोटर चोरी हो रही है खेतों से सरकारी जमीन सड़क एवं खलियान की भूमि पर कूड़ा करकट खाते डालकर अवैध कब्जे किए हुए हैं आदि शिकायत प्राप्ति है तथा ग्राम के अंदर रास्तों में अवैध कब्जा करके कब्जा किया हुआ है अनुपस्थित विभागों के नामित अधिकारी कर्मचारी के खिलाफ स्पष्टीकरण अलग से निर्गत किया जा रहे हैं।

नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता ने बताया कि सरकार जनता के द्वारा कार्यक्रम में लगातार ग्रामीण क्षेत्र में जाकर लोगों की जन समस्याओं को सुनकर

उनका मौके पर निस्तारण करने का प्रयास कर रही है यह जो समस्याएं गंभीर हैं उनको भी प्राथमिकता के साथ निस्तारण कराया जा रहा हैभगवानपुर तहसील क्षेत्र में लगातार इस कार्यक्रम के तहत जन समस्याएं सुनी जा रही हैं और लोगों को समस्याओं का निस्तारण भी किया जा रहा है जिसका सीधा लाभ जनता को मिल रहा है।

निर्वाचन अधिकारी पर लगाया धांधली का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र की मुंडा खेड़ा कला बहुउद्देशीय सोसाइटी मे निर्वाचन अधिकारी पर ग्रामीणों ने वोटर लिस्ट मे एक पक्ष के कहने से धांधली करने का आरोप लगाया है।

प्रवीण कुमार सैनी ने कहा कि हमारे गांव में सैनी बिरादरी के करीब 400 वोट वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा हमारे द्वारा एमडी एवं अन्य अधिकारियों को शिकायत की गई हमारी शिकायत पर किसीभी अधिकारी के द्वारा संज्ञान नहीं लिया गया अब हम सभी ग्रामीण इस चुनाव का बहिष्कार करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हमारे साथ इंसाफ नहीं हुआ तो हम आगे भी चुनाव का बहिष्कार करेंगे अन्य ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि हमारे गांव में मृतक आदमी को जीवित कर दिया गया है और जीवित आदमी को मृतक वोटर लिस्ट में दिखा दिया गया है और करीब 400 वोट वोटर लिस्ट से सैनी बिरादरी के हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा हमने शिकायत सभी संबंधित अधिकारियों को कर रखी है हमारी शिकायत पर कोई भी अधिकारी संज्ञान नहीं ले रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हमने अधिकारियों

सहित एक याचिका उच्च न्यायालय में भी डाल दी है। उन्होंने भी यही कहा कि अगर हमारे साथ इंसाफ नहीं होता तो हम आज तो चुनाव का बहिष्कार कर रहे हैं अगले चुनाव कोई भी चुनाव हो का भी बहिष्कार करेंगे वहां पर चुनावी बहिष्कार के वक्त सैनी बिरादरी के सैकड़ो व्यक्ति मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

मंगलवार, 25 फरवरी 2025

योगी की दो टूक

महाकुम्भ अब अपने अंतिम पड़ाव की और है 45 दिन तक चलने वाला महाकुम्भ 26 फरवरी को समाप्त हो जाएगा। सरकार का दावा है कि अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु संगम स्नान कर चुके है। जाहिर है महाकुम्भ में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अभी भी ले रहे है, लेकिन दूसरी तरफ सत्ता पक्ष व विपक्ष पूरे महाकुम्भ के दौरान महाकुम्भ मेले की व्यवस्था को लेकर तकरार करते दिखाई दिए। उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा नेता अखिलेश यादव एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच कई बार तिखी नौक-झोंक देखने में आई योगी आदित्यनाथ जहां महाकुम्भ के आयोजन में बेहतर व्यवस्था को लेकर पूरी तरह आश्वस्त दिखाई दिए तो वही सपा उनके बयानों को सिरे से नकारती रही। दोनों नेताओं के बीच किस हद तक महाकुम्भ के मेले को लेकर कड़वाहट बढ़ गई इसका अंदाजा सोमवार को योगी आदित्यनाथ द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से की गई टिप्पणी से लगता है जिसमें उन्होंने कहा है कि जिसने जो तलाशा व उसे मिला गिद्धों को केवल लाश मिली सुअरों को गंदगी मिली संवेदनशील लोगों रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली आस्थावानों को पुण्य मिला गरीबों को रोजगार मिला अमीरों को धंधा मिला एक ही स्थान पर सभी जाति के लोगों ने स्नान किया, लेकिन समाजवादियों और वामपंथियों की नकारात्मकता के चलते उनहे कुछ भी सकारात्मक दिखाई नहीं दिया। जाहिर है इस तरह की टिप्पणी बेहद कठोरी कही जाएगी। इस तरह की भाषा से बचा जाना चाहिए, लेकिन साथ ही इस टिप्पणी से यह भी पता चलता है किअब राजनीति केवल विचारधारा का नाम नहीं रह गई है, बल्कि वह एक तरह से निजी रंजिश में बदलती जा रही है यहीं कारण है कि अब राजनेताओं के मुंह से इस तरह के शब्द निकलने लगे जो कही से भी मर्यादित नहीं कहे जा सकते। इसमें कोई दौराई नहीं की महाकुम्भ जैसे बड़े आयोजन को कराना कोई मामूली काम नहीं है यह बेहद बड़ा काम है। सूचारू व्यवस्था किसी भी सरकार के लिए बनाना बेहद टेहड़ी खीर होता है और किसी भी अप्रिय घटना की गुंजाइश बराबर बनी रहती है। ऐसे आयोजनों को सफल बनाने के लिए सभी के सहयोग की दरकार होती है चाहे व सत्ता पक्ष हो या विपक्ष यू भी इस तरह के आयोजन किसी सरकार के नहीं समाज के होते है जैसाकि योगी आदित्यनाथ ने कहा भी है कि महाकुम्भ का आयोजन सरकार का नहीं बल्कि समाज का है, लेकिन यहा यह भी कहना पड़ेगा कि सरकार की तरफ से ऐसी कोई पहल होती दिखाई नहीं दी कि जिससे लगे कि वह विपक्ष को साथ में लेकर आगे बढ़ना चाहती है, बल्कि इसके उल्ट प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया व अपने अन्य प्रचार तंत्र से ऐसा संदेश देती दिखाई दी जिससे कि वह महाकुम्भ का राजनीतिक लाभ उठाना चाहती है। विपक्ष का भी यही आरोप रहा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य नेता सरकार पर यह आरोप लगाते दिखाई दिए कि वह महाकुम्भ का राजनीतिकरण कर रही है। जैसाकि हमने कहा की सरकार इस तरह के आभास देती रही कि वह महाकुम्भ की व्यवस्था का श्रेय लेने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी, असल में महाकुम्भ में कुछ ऐसी घटनाएं भी घटी जो व्यवस्था पर सवाल या निशान भी खड़ा करती है। सबसे पहले तो आगजनी की कई घटनाएं हुई और उसके बाद अमावस्या पर संगम स्नान पर जो भगदड़ मची जिसमें सरकारी आंकड़ों के अनुसार 30 श्रद्धालुओं की जान चली गई। सरकार के इन आंकड़ों पर विपक्ष संदेह जताता रहा है। सच्चाई कुछ भी हो, लेकिन सरकार भी अपनी तरफ से विपक्ष के इन संदेहों का तर्क संगत जवाब नहीं दे पाई है।

महाकुम्भ में जिसने जो तलाशा, उसे वो मिला

समाजवादियों और वामपंथियों को सनातन की सुंदरता रास नहीं आ रही है, महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसे वो मिला, गिद्धों को केवल लाश मिली, सुअरों को गंदगी मिली, संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली, आस्थावानों को पुण्य मिला, गरीबों को रोजगार मिला, अमीरों को धंधा मिला। श्रद्धालुओं को साफसुथरी व्यवस्था मिली, पर्यटकों को अव्यवस्था मिली, सद्भावना वाले लोगों को जातिरहित व्यवस्था मिली, एक ही स्थान पर सभी जाति के लोगों ने स्नान किया, महाकुंभ को लेकर किए जाने वाले प्रश्न समाजवादियों और वामपंथियों की नीयत को दर्शाते हैं, महाकुंभ की व्यवस्थाओं को मैंने खुद देखा है, सपा सरकार में हुए कुंभ में एक गैर सनातनी को कुंभ का प्रभारी बना दिया गया था।

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

चुनौती है बढ़ता तापमान, बदलता वायुमंडलीय पैटर्न

प्रियंका सौरभ

पृथ्वी की जलवायु को नियंत्रित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक ध्रुवीय क्षेत्रों में तैरती समुद्री बर्फ की मात्रा है। हालांकि, बदलते वायुमंडलीय पैटर्न और बढ़ते तापमान के कारण, यह घटकर 15.76 मिलियन वर्ग किमी के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर आ गया है। वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है, समुद्री धाराएं अशांत हो रही हैं, तथा इस गिरावट के कारण चरम मौसम की घटनाएं और भी बदतर हो गई हैं। दुनिया भर में चरम मौसम की घटनाएं पृथ्वी की जलवायु में परिवर्तन से प्रभावित हो रही हैं। भीषण वन्य आग, वर्षों तक चलने वाला सूखा, भारी वर्षा, भयंकर बाढ़, भूमि और समुद्र में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की लहरें, तथा तूफानों के दौरान व्यापक बाढ़ की आवृत्ति और तीव्रता सभी बढ़ रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद से, मानवीय गतिविधियों विशेष रूप से जीवाश्म ईंधनों के जलने के कारण ग्रीनहाउस गैसों की वायुमंडलीय सांद्रता में तीव्र वृद्धि हुई है। मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसें एक कम्बल की तरह काम करती हैं, जो गर्मी को रोक लेती हैं और जैसे-जैसे उनकी सांद्रता बढ़ती है, पृथ्वी को गर्म करती हैं। परिणामस्वरूप पृथ्वी पर हवा और महासागर गर्म हो जाते हैं।

भूमि पर बर्फ पिघलती है, मौसम का पैटर्न बदलता है, तथा जल चक्र इस तापमान वृद्धि से प्रभावित होता है, जिससे चरम मौसम की स्थिति और खराब हो जाती है। जलवायु परिवर्तन हमारे समाज को अनेक तरीकों से प्रभावित करता है। सूखे से मानव स्वास्थ्य और खाद्य उत्पादन पर असर पड़ सकता है। बाढ़ से बुनियादी ढांचे और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंच सकता है और बीमारी फैल सकती है। खाद्य उपलब्धता में परिवर्तन और श्रमिक उत्पादकता को सीमित करने के अलावा, सूखा, बाढ़ और अन्य मौसम सम्बंधी घटनाओं के कारण उत्पन्न मानव स्वास्थ्य समस्याएं भी मृत्यु दर को बढ़ाती हैं। हमारी परिवहन और संचार प्रणालियों के भौतिक बुनियादी ढांचे में सड़कें, पुल, बंदरगाह, विद्युत ग्रिड, ब्रॉडबैंड इंटरनेट और अन्य घटक शामिल हैं। इसे अक्सर कई वर्षों तक चलने के लिए डिज़ाइन किया जाता है। इसलिए अधिकांश समुदायों में बुनियादी ढांचे का निर्माण जलवायु परिवर्तन पर विचार किए बिना किया गया था। वर्तमान बुनियादी ढांचा हवा, बर्फ, बाढ़, भारी बारिश या तापमान में उतार-चढ़ाव जैसी गंभीर मौसम स्थितियों को संभालने में सक्षम नहीं हो सकता है। इन घटनाओं के प्रभाव कई अलग-अलग रूप ले सकते हैं। उदाहरण के लिए, उच्च तापमान के कारण घर के अन्दर अधिक ठंडक की आवश्यकता होती है, जिससे ऊर्जा ग्रिड पर दबाव पड़ सकता है। अप्रत्याशित रूप से अत्यधिक वर्षा के कारण आने वाली बाढ़, जो तूफानी जल निकासी क्षमता से अधिक होती है, प्रमुख मार्गों, व्यवसायों और राजमार्गों को बंद कर सकती है। समुद्र स्तर में वृद्धि के

> समुद्र स्तर में वृद्धि से तटीय कटाव और उच्च ज्वार के कारण बाढ़ आ सकती है
>
> शोध से पता चलता है कि कुछ समुदाय वर्ष 2100 तक समुद्र तल पर या उससे नीचे पहुंच जाएंगे
>
> समुद्री बर्फ में वैश्विक गिरावट के लिए मुख्य रूप से महासागरीय ऊष्मा परिवहन जिम्मेदार है

कारण तटीय अवसंरचना, जैसे जल आपूर्ति, सड़कें, पुल और बहुत कुछ, खतरे में हैं। चूंकि बहुत-सी आबादी तटीय क्षेत्रों में रहती है, अतः इससे होने वाले जोखिम से लाखों लोग प्रभावित होंगे। इसके अलावा, समुद्र स्तर में वृद्धि से तटीय कटाव और उच्च ज्वार के कारण बाढ़ आ सकती है। शोध से पता चलता है कि कुछ समुदाय वर्ष 2100 तक समुद्र तल पर या उससे नीचे पहुंच जाएंगे। अब यह उन पर निर्भर करेगा कि वे क्या करें। प्रबंधित वापसी नामक प्रक्रिया के दौरान, समुदाय संभवतः तटरेखा से दूर चले जाएंगे और अपने बुनियादी ढांचे में बदलाव करेंगे। समुद्री बर्फ में वैश्विक गिरावट के लिए मुख्य रूप से महासागरीय ऊष्मा परिवहन ज़िम्मेदार है। जब गर्म महासागरीय धाराएं ध्रुवीय क्षेत्रों में प्रवेश करती हैं, तो समुद्री बर्फ आधार पर तेजी से पिघलती है। अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) द्वारा गर्म पानी आर्कटिक में लाया जाता है, जो बर्फ की स्थिरता को कम करता है। ये जलवायु पैटर्न समुद्री और वायुमंडलीय स्थितियों के साथ-साथ बर्फ के निर्माण और पिघलने की दर को भी प्रभावित करते हैं। 2015-2016 की अल नीनो घटना ने समुद्र के तापमान में वृद्धि करके अंटार्कटिका के समुद्री बर्फ को रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंचा दिया। बड़े ज्वालामुखी विस्फोटों से एरोसोल निकलते हैं, जिनमें अस्थायी रूप से वायुमंडल को ठंडा करने की क्षमता होती है, लेकिन वे दीर्घकालिक रूप से महासागरों के गर्म होने में भी योगदान देने वाले कारक हो सकते हैं। 2022 के हंगा टोंगा विस्फोट से जल वाष्प समताप मंडल में छोड़ा गया, जिससे समय के साथ वार्मिंग प्रभाव में संभावित रूप से वृद्धि हुई। अधिक शक्तिशाली तूफानों के कारण नाजुक समुद्री बर्फ टूट जाती है, जिससे पिघलने और समुद्री धाराओं के कारण उसके प्रभावित होने की संभावना बढ़ जाती है। 2024 में बेरेंट्स और बेरिंग सागर में तूफानों के कारण बर्फ टूट जाएगी, जिसके परिणामस्वरूप आर्कटिक सागर में बर्फ का आवरण रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच जाएगा। मीथेन औरकार्बन डाईऑक्साइड वायुमंडल में ऊष्मा को रोकते हैं, जिससे वैश्विक तापमान बढ़ता है और ध्रुवीय बर्फ पिघलने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। औद्योगिक क्रांति के कारणकार्बन डाईऑक्साइड के स्तर में नाटकीय वृद्धि के कारण, आर्कटिक समुद्री बर्फ 1981 से प्रति दशक 12.2 प्रतिशत की दर से घट रही है। महासागर का अम्लीकरण और वायुमंडलीय तापमान में वृद्धि कोयला, तेल और गैस के जलने से निकलने वाले प्रदूषकों के कारण होती है। आर्कटिक प्रवर्धन वह प्रक्रिया है जिसके तहत औद्योगिक

> **2024 में बेरेंट्स और बेरिंग सागर में तूफानों के कारण बर्फ टूट जाएगी, जिसके परिणामस्वरूप आर्कटिक सागर में बर्फ का आवरण रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच जाएगा मीथेन और कार्बन डाईऑक्साइड वायुमंडल में ऊष्मा को रोकते हैं, जिससे वैश्विक तापमान बढ़ता है और ध्रुवीय बर्फ पिघलने की प्रक्रिया तेज हो जाती है**

गतिविधियों से उत्पन्न ऊष्मा-अवशोषित उत्सर्जन के कारण आर्कटिक वैश्विक औसत से चार गुना अधिक तेजी से गर्म हो जाता है। जब वन नष्ट होते हैं, तो कम कार्बन अवशोषित होता है और जब शहर बढ़ते हैं, तो अधिक गर्मी बरकरार रहती है, जो वायुमंडलीय परिसंचरण को प्रभावित करती है। समुद्री बर्फ का क्षरण और वैश्विक तापमान वृद्धि अप्रत्यक्ष रूप से अमेज़न में वनों की कटाई के कारण होती है, जिससे कार्बन अवशोषण में कमी आती है। आर्कटिक क्षेत्र में ड्रिलिंग और बढ़ती समुद्री गतिविधियां समुद्री बर्फ के पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करती हैं और प्रदूषण तथा गर्मी पैदा करती हैं, जो स्थानीय तापमान में वृद्धि में योगदान करती हैं। इस क्षेत्र में प्राक्ततिक संसाधनों की खोज के बाद आर्कटिक क्षेत्र में हुई तीव्र गति से इस तंत्र को और अधिक बल मिलने के परिणामस्वरूप ध्रुवीय बर्फ को अधिक क्षति पहुंची है।

अमेरिका के बिना विश्व स्वास्थ्य संगठन का भविष्य

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। अमेरिका के अलग होने के हालिया फैसले ने संगठन के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

अमेरिका केवल एक संस्थापक सदस्य ही नहीं था, बल्कि उसने 2022-23 में डब्ल्यूएचओ की कुल आय का लगभग छठा हिस्सा भी प्रदान किया था। अलबत्ता, डब्ल्यूएचओ अधिकारियों का मानना है कि यदि अन्य देश अपनी जिम्मेदारी उठाएं और निभाएं, तो संगठन आगे भी सुचारु ढंग से चलता रह सकता है। डब्ल्यूएचओ जन स्वास्थ्य से जुड़े प्रयासों का समन्वय करने वाला एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। यह बीमारियों के प्रसार को रोकने, सस्ती दवाएं और टीके उपलब्ध कराने और विशेष रूप से गरीब देशों में स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। 1980 के दशक में चेचक उन्मूलन से लेकर इबोला जैसी महामारियों से लड़ने और नए संक्रामक रोगों के लिए टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तक डब्ल्यूएचओ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

डब्ल्यूएचओ का एक मुख्य कार्य चिकित्सा मानक तय करना और वैज्ञानिक मार्गदर्शन प्रदान करना है। इसके वैज्ञानिक दल ने साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत किया है।

लेकिन, आम लोगों के बीच इसकी जटिल भूमिका की पर्याप्त समझ नहीं है। अमेरिका ने 2022-23 में डब्ल्यूएचओ को लगभग 1.3 अरब डॉलर का वित्तीय सहयोग दिया था, जिससे अफ्रीका में संक्रामक रोगों की रोकथाम और प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सहायता जैसे महत्वपूर्ण प्रयास हो पाए थे। अमेरिका की फंडिंग बंद होने से डब्ल्यूएचओ को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। बहरहाल, यह संकट डब्ल्यूएचओ को पूरी तरह से कमजोर नहीं कर सकता। अन्य समृद्ध और मधयम-आय वाले देश, तथा परोपकारी संस्थाएं, इस कमी को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। डब्ल्यूएचओ ने अब तक दाताओं से काफी अतिरिक्त वित्तीय प्रतिबद्धता हासिल कर ली है, लेकिन सभी खर्चों को पूरा करने के लिए इसे अभी भी और वित्त की जरूरत है जिसे हासिल करना एक बड़ी चुनौती है। कुछ लोगों का मानना है कि डब्ल्यूएचओ को इस संकट को सुधार के अवसर के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए विशेष रूप से संगठन के प्रशासनिक ढांचे में बदलाव की जरूरत है। 1948 में डब्ल्यूएचओ की स्थापना के बाद से दुनिया काफी बदल चुकी है। अब अफ्रीका सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल जैसी क्षेत्रीय संस्थाएं नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। साथ ही, कई परोपकारी संगठन भी फंडिंग में सहयोग कर रहे हैं। यह बढ़ता हुआ वैश्विक सहयोग मददगार होगा। डब्ल्यूएचओ की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि बीमारियां राष्ट्रीय सीमाओं का पालन नहीं करतीं। डब्ल्यूएचओ साझा जिम्मेदारी के सिद्धांत पर स्थापित किया गया था, और अब भविष्य इस बात पर निर्भर है कि अन्य देश वैश्विक स्वास्थ्य में निवेश करने को कितना तैयार हैं। शायद अमेरिका लौटे, लेकिन तब तक बाकी देशों को इसके मिशन-सबके लिए स्वास्थ्य-को जारी रखने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

स्रोत फीसर्च

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी...

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद पिछले दिनों एक विवादास्पद मामले में केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने संबंधित कानूनों के अनुपालन की जरूरत महसूस करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी की है। निस्संदेह यह वक्त की जरूरत है। दरअसल, हाल ही में एक यूटयूबर की अभद्र टिप्पणी से पैदा हुए विवाद पर देशव्यापी प्रतिक्रिया हुई थी। केंद्र सरकार की पहल को शीर्ष अदालत के सख्त रुख के आलोक में देखा जा रहा है। पारिवारिक मूल्यों वाले भारतीय समाज में अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग करते हुए अमर्यादित व संवेदनहीन टिप्पणी के मामले गाहे-बगाहे प्रकाश में आते रहते हैं। यही वजह है कि इलाहाबादिया प्रकरण में कई राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज कर किए गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से राहत तो दी मगर सख्त टिप्पणी भी की थी कि वे दिमागी गंदगी को थोप रहे हैं, जिससे समाज शर्मसार हुआ है।

लेकिन इस प्रकरण ने अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के नियमन की बहस को नए सिरे से शुरू कर दिया। हालांकि, आपातकाल के सीमित कालखंड को छोड़ दें तो देश में हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है। सुप्रीम कोर्ट समेत कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन आजादी के अतिक्रमण के बाद सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए संबंधित कानून के सभी प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। निस्संदेह, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के निर्धारण की आवश्यकता है। हाल के दिनों में डिजिटल मंचों पर अश्लीलता व हिंसक अभिव्यक्ति के चलते इनके नियमन की जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर पारिवारिक जीवन मूल्यों का अतिक्रमण करने वाली टिप्पणियों पर रोक जरूरी है। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता तो बहुत संभव है कि सरकारी निगरानी बढ़ जाए। दरअसल, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इस बाबत बनी संसदीय समिति से कहा है कि समाज में इस बात को लेकर रोष है कि अभिव्यक्ति की आजादी के संवैधानिक अधिकार का अतिक्रमण करके हिंसक व अश्लील सामग्री का प्रसारण किया जा रहा है। वहीं संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति का कहना है कि इसके नियमन के लिए कुछ कानून तो हैं लेकिन वर्जित सामग्री के नियमन के लिए नया प्रभावी कानून होना चाहिए। ऐसी राय देश के जनप्रतिनिधियों, अदालतों तथा कुछ वैधानिक संस्थाओं ने व्यक्त की है। देश की शीर्ष अदालत का मानना रहा है कि यूटयूब जैसे मंचों पर सामग्री साझा करने पर नियंत्रण हेतु कानून निष्प्रभावी नजर आते हैं। अब नए मीडिया मंचों पर विवादास्पद सामग्री पर अंकुश लगाने के लिए कानून में संशोधन की भी बात कही जा रही है। इसकी वजह यह भी है कि परंपरागत प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तो इस बाबत बने कानून के दायरे में आते हैं, लेकिन नए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिए प्रभावी कानून नहीं है। निश्चित रूप से संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

> **हालांकि आपातकाल के सीमित कालखंड को छोड़ दें तो देश में हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है, सुप्रीम कोर्ट समेत कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है**

आर्थराइटिस की बीमारी में फिजियोथेरेपी कितनी कारगर

क्या बिना दवा खाए भी चल सकता है काम?

ज्वाइंट पेन और शरीर में दर्द के लिए फिजियोथेरेपी सबसे कारगर तरीका माना जाता है। लेकिन क्या फिजियोथेरेपी कराने से गठिया के रोगियों को भी राहत मिलती है? क्या फिजियोथेरेपी कराने से दवाओं से राहत मिल सकती है? इस बारे में जानते हैं।

आर्थराइटिस यानी गठिया बुजुर्गों में होने वाली आम बीमारी है। लेकिन अब कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। इस बीमारी की वजह से लोगों को चलने फिरने और उठने बैठने में तकलीफ होती है। आर्थराइटिस के लिए मार्केट में बहुत सी दवाएं और ऑयल भी मौजूद हैं।

जिसका लोग इस्तेमाल भी करते हैं, लेकिन क्या फिजियोथेरेपी कराना भी कारगर है? क्या फिजियोथेरेपी की मदद से आर्थराइटिस की बीमारी को काबू में किया जा सकता है? इस बारे में जानते हैं। दर्द कम करने, जोड़ों की जकड़न को दूर करने और मूवमेंट को बेहतर बनाने के लिए फिजियोथेरेपी कराना चाहिए। हल्के से मध्यम मामलों में, सही फिजियोथेरेपी अपनाने से बिना दवा के भी राहत पाई जा सकती है, लेकिन गंभीर मामलों में डॉक्टर से मिलकर दवाएं लेना सही रहेगा। ऐसे में अगर जोड़ों में हल्का और कम दर्द है तो आप फिजियोथेरेपी तरीका अपना सकते हैं। फिजियोथेरेपी के कई फायदे हैं।

फिजियोथेरेपी के क्या फायदे होते हैं

हल्के एक्सरसाइज और थेरेपी से मांसपेशियों को मजबूत किया जा सकता है, जिससे जोड़ों पर दबाव कम होता है। स्ट्रेचिंग और मूवमेंट एक्सरसाइज से जोड़ों की जकड़न कम होती है। इससे मरीज को चलने में आसानी होती है। मरीज के जोड़ों में जकड़न की समस्या कम हो जाती है।

मांसपेशियों को मजबूत करना

फिजियोथेरेपी मांसपेशियां को मजबूती प्रदान करती है। जोड़ को अधिाक सपोर्ट देती हैं, जिससे दर्द कम होता है।

संतुलन और लचीलापन बढ़ाना

फिजियोथेरेपी से जोड़ों के दर्द को आराम तो मिलता ही है. साथ ही साथ संतुलन और लचीलापन भी बढ़ता है। चलना, उठना-बैठना और सीढ़ियां चढ़ना सुगम हो जाता है।

बिना दवा के आर्थराइटिस को करें कम

अगर आर्थराइटिस हल्का है तो नियमित फिजियोथेरेपी और व्यायाम करके आप इसे सही करवा सकते हैं। जैसे स्ट्रेचिंग, योग, वॉटर थेरेपी के जरिए गठिया को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अलावा संतुलित आहार जैसे एंटी-इंफ्लेमेटरी फूड जैसे हल्दी, अदरक, ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चीजों को खाकर भी आप आर्थराइटिस को कम कर सकते हैं। गर्म और ठंडी सिकाई से भी गठिया के मरीज को राहत मिलती है।

शाह टाइम्स

कांग्रेस पर सियासी ग्रहण

मंगलवार, 25 फरवरी 2025

बड़ा सवाल: कांग्रेस छोड़कर क्यों जा रहे हैं दिग्गज

नई दिल्ली। कांग्रेस समय का सबसे बूरा दौर झेल रही है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए अगर हम ऐसा कह रहे हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

आपने पिछले समयस से देखा ही होगा कि कांग्रेस के कई दिग्गजों ने एक-एक करके कांग्रेस से किनारा कर लिया है। चाहे हम बात करें गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, आचार्य प्रमोद कृष्णम या शशि थरूर की तो उन्होंने भी कांग्रेस को आंखें दिखा दी हैं। ऐसे में कांग्रेस क्या कदम ले कि जो नेता कभी पार्टी की शान हुआ करते थे वो अब धीरे-धीरे पार्टी छोड़ रहे हैं। कांग्रेस के लिए वो समय है जो एक नेशनल पार्टी के लिए बुरा माना जा सकता है।

बगावती तेवर और कांग्रेस पार्टी से बढ़ रही दूरी

शशि थरूर के हालिया बयानों को देखकर यह साफ हो जाता है कि वह अब कांग्रेस पार्टी से अलग रास्ता अपना सकते हैं। उन्होंने हाल ही में केरल में लेफ्ट सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की थी। इसके साथ ही उनके सोशल मीडिया पोस्ट और इंटरव्यू में भी कुछ ऐसे बयान दिए गए, जो कांग्रेस पार्टी के विचारों से अलग थे। इन बयानों से यह प्रतीत होता है कि थरूर अब पार्टी के अंदर हाशिए पर महसूस कर रहे हैं और उनका रुख बगावती नजर आ रहा है। अब देखना है कि आगे कांग्रेस की क्या स्थिति रह पाती है, कुछ सुधरती है या नहीं।

गुलाम नबी आजाद ने क्यों किया रास्ता अलग

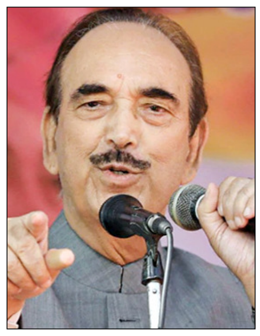

2022 में गुलाम नबी आजाद ने अपना अलग रास्ता इख्तियार कर लिया था। बताया गया कि राज्य के अध्यक्ष के लिए जब आजाद से नाम मांगे गए, तब आजाद ने परंपरा के मुताबिक अपनी पसंद के 4 नाम दिए। राहुल गांधी ने राज्य के नेताओं से बात कर विकार रसूल वानी को अध्यक्ष बना दिया था। इसी बात से आजाद नाराज हो गए, क्योंकि वो चार नामों की लिस्ट में दूसरे नंबर के नाम को अध्यक्ष बनवाना चाहते थे। राहुल गांधी और नेतृत्व का तर्क था कि आपने ही सभी चार नाम दिए थे। इनमें से ही एक को पार्टी ने चुन लिया, तो इससे आपको कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए क्योंकि सभी चार नाम आपकी ही पसंद के थे।

कांग्रेस नहीं संभाल पाई अपना कुनबा...

अमरिंदर सिंह

कैप्टान अमरिंदर सिंह को पंजाब की सियासत का बड़ा नाम माना जाता रहा हैं। दो दशकों तक कांग्रेस का रज्य में चेहरा रहे थे। 20 सितम्बर 2021 को कांग्रेस हाईकमान ने कैप्टन के हाथों पंजाब की कप्तानी लेकर दलित नेता चरणजीत सिंह चन्नी को सौंप दी तो अमरिंदर सिंह बागी बन गए थे। जिस कांग्रेस ने उन्हें दो बार पंजाब के सत्ता की कमान सौंपी, वो अब उसके जड़ में माठा डालने के लिए बीजेपी के साथ हाथ मिला लिया था। ऐसे में माना जाता है कि कैप्टन अमरेंद्र सिंह से नवजोत सिंह सिद्धू के कहने पर इस्तीफा लिया गया था। सवाल थी बीजेपी से आए नेता के लिए अपने ही पिता राजीव गांधी के दोस्त को पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था।

कपिल सिब्बल

पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने 16 मई 2022 को कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी। जानकारी के अनुसार सिब्बल लंबे समय से कांग्रेस नेतृत्व से नाराज चल रहे थे। सिब्बल कांग्रेस से नाराज नेताओं के जी-23 टीम में भी शामिल थे। उन्होंने लगातार चुनावों में मिल रही हार का ठीकरा भी कांग्रेस नेतृत्व पर ही फोड़ा था।

हालांकि पार्टी छोड़ने के बाद उन्होंने कांग्रेस पर किसी तरह की टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। सिब्बल ने कहा, जब तक मैं पार्टी का हिस्सा था तब तक मैं वहां के लिए बोल सकता था। अब मेरा उस पार्टी से नाता नहीं है। इसलिए मेरा बोलना ठीक नहीं है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम

आचार्य प्रमोद कृष्णम को पार्टी विरा. धी गतिविधियों के आरोप में 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था। आचार्य प्रमोद कृष्णम एक मात्र कांग्रेस के नेता थे जो सनानत विचार धारा के थे। कांग्रेस से निष्कासित किए जाने के बाद आचार्य प्रमोद कृष्णम की पहली प्रतिक्रिया सामने आई थी। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में राहुल गांधी को टैग करते हुए लिखा था कि राम और राष्ट्र पर समझौता नहीं किया जा सकता। बता दें कि प्रमोद कृष्णम लगातार सार्वजनिक मंचों पर खुलकर राहुल गांधी का विरोध करते थे और प्रियंका गांधी का पक्ष लेते थे। उनकी मांग थी कि कांग्रेस की कमान प्रियंका के हाथों में दी जानी चाहिए, तभी पार्टी का कायाकल्प संभव है। बीते कुछ दिनों से वह भाजपा के प्रति सहानुभूति भी दिखा रहे थे।

गौरव वल्लभ

भारतीय जनता पार्टी के हो चुके प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने कांग्रेस छोड़ने के बयान पर पहला बयान पर कहा था कि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को दिए गए इस्तीफे में लिखा था कि पार्टी नए भारत की आकांक्षा को बिल्कुल नहीं समझ पा रही है। इससे मेरे जैसा कार्यकर्ता हतोत्साहित महसूस कर रहा है। मैं राम मंदिर पर पार्टी के स्टैंड से क्षुब्ध हूं। मैं कर्म से हिंदू हूं। मैं सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकता। पार्टी और गठबंधन के कई लोग सनातन विरोधी नारे लगाते हैं और पार्टी का उस पर चुप रहना उसे मौन स्वीकृति देने जैसा है।

आरपीएन सिंह

यूपी से कांग्रेस नेता और केंद्र में मंत्री रह चुके और कांग्रेस के अंदर संगठन में झारखंड का प्रभार संभाल चुके आरपीएन सिंह ने यूपी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस का दामन छोड़ अपने आप को भारतीय जनता पार्टी से जोड़ लिया था। आरपीएन सिंह भी पार्टी की कार्यशैली से नाराज थे।

जितिन प्रसाद

कांग्रेस से केंद्र में मंत्री और सांसद रह चुके जितिन प्रसाद साल 2022 में कांग्रेस का दामन थोड़ा बीजेपी में शामिल हुए थे। बीजेपी ने जितिन प्रसाद को यूपी सरकार में मंत्री बनाया और 2024 का लोकसभा चुनाव में वरुण गांधी की जगह बीजेपी ने जितिन प्रसाद को भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार बनाया था। मनमोहन सिंह सरकार में जितिन प्रसाद केंद्र में मंत्री थे।

अशोक चव्हाण

महाराष्ट्र में कांग्रेस के बड़े शहरों में से एक, पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के पूर्व महाराष्ट्र अध्यक्ष और सांसद रह चुके अशोक चव्हाण ने साल 2024 में कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थामा। अशोक चव्हाण भी कांग्रेस की कार्यशैली से नाराज थे।

सूची में ये नाम भी हैं शामिल

उद्योगपति नवीन जिंदल

उद्योगपति और बतौर कांग्रेस के नेता के तौर पर जाने जानेवाले नवीन जिंदल ने साल 2024 में कांग्रेस का दामन छोड़कर बीजेपी का दामन थामा था। नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर सांसद रह चुके हैं और बीजेपी ने 2024 का लोकसभा चुनाव में भी कुरुक्षेत्र से नवीन जिंदल को अपना उम्मीदवार बनाया है।

रवनीत बिट्टू

पंजाब के लुधियाना सीट से कांग्रेस के सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस का दामन छोड़ साल 2024 में बीजेपी का दामन थाम लिया था। बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में लुधियाना से रवनीत सिंह बिट्टू को लोकसभा का उम्मीदवार बनाया था।

टॉम वडक्कन

कांग्रेस के प्रवक्ता रह चुके टॉम डक्कन मार्च 2019 में कांग्रेस का दामन छोड़ बीजेपी में शामिल हो गए थे। बालाकोट एयर स्ट्राइक पर कांग्रेस के स्टैंड को टॉम वडक्कन ने कांग्रेस छोड़ने के मुख्य वजह बताई थी। टॉम वडक्कन बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता है।

अनिल एंटनी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व रक्षा मंत्री एक एंट्री के बेटे अनिल एंटनी ने जनवरी 2023 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। उन पर एक ट्वीट को डिलीट करने का दबाव था। अनिल ने पार्टी से इस्तीफा देते वक्त कहा था कि मुझ पर एक ट्वीट को डिलीट करने के लिए असहिष्णुता के साथ दबाव बनाया जा रहा थाी

ज्योतिरादित्य सिंधिया

मध्य प्रदेश की सियासत के बड़े चेहरे और पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी पार्टी से नाराज होकर भाजपा का दामन थामा था। सिंधिया की नाराजगी मध्य प्रदेश में कांग्रेस की राजनीति और पार्टी के फैसले से ज्यादा जुड़ी थी।

संजय निरूपम

मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके और कांग्रेस के टिकट पर मुंबई से सांसद रह चुके संजय निरूपम को पार्टी विरोधी गतिविधियों की वजह से निष्कासित किया गया।

साल बचाएं, डायरेक्ट करे, सीधे प्रवेश
CMS & ED
करें स्थानीय CMO के यहाँ रजिस्ट्रेशन करायें।
(एलोपैथिक मे सम्मानित चिकित्सक बने)
जो चिकित्सक सेवाएं दे रहे है वो भी मेडिकल कोर्स करें।
DPT, BPT, MPT, DMLT, BMLT
X-RAY Tech, Ultra Sound Technician
OT, Lab Tech, DNYS, BNYS YOGA
Dental Machenic, Dental Hygiene
BA, MA, BSc, MSc, B.Com, M.Com, BBA, MBA
BCA, MCA, B.Ed, BPEd, MPEd, LLB, BSW, MSWE
ANM, GNM, BSc Nursing & Many More Courses..
सम्पर्क करें।
डा० सम्राट क्लीनिक
नावल्टी सिनेमा चौक, मुजफ्फरनगर
M.: 9412211108, 9359406499

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ
पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108

स्पेशल देशी दवाईयों द्वारा पक्का इलाज
भयंकर बवासीर भयानक से भयानक है, काफी इलाज करा चुके हैं परेशान है। फौरन सम्पर्क करें बवासीर जड़ से खत्म। डिश खिसक चुकी है दर्द व नसें सुन्न हो चुकी हैं। चलने फिरने में परेशानी है बिना ऑपरेशन अचूक इलाज। घुटनों का दर्द पम्प के जरिए नसों को खोल. कर पक्का इलाज लाइलाज गठिया 100% पक्का इलाज। पथरी रेत बनकर बाहर, गुप्त रोगों का जादुई इलाज, शुगर रोगी एक बार जरूर मिले, शरीर में कहीं भी गांठ पक्का इलाज, जिनके बच्चे नही होते 100 साल पुराना नुख्सा।
फोन न0- 9756686426